शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कितूर साम्राज्य बेंगलूरु में 2025 के स्वतंत्रता दिवस पुष्प प्रदर्शनी का होगा.. @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । गुरुवार, 07 अगस्त, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-217

महाराजा हरि सिंह को लिखा जवाहरलाल नेहरू का पत्र प्रकाशित

भारत में कश्मीर का विलय नहीं चाहते थे नेहरू

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू भारत में कश्मीर का विलय नहीं चाहते थे। यह बात अब आधिकारिक तौर पर साबित हो रही है। जवाहरलाल नेहरू ने कश्मीर के महाराजा हरि सिंह के भारत में विलय के प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया था। कश्मीर को लेकर नेहरू की भूमिका पर लगातार उठ रहे सवाल का जवाब देने वाला आधिकारिक दस्तावेज अब सामने आया है। यह दस्तावेज एक किताब की शक्ल में प्रकाशित हुआ है जिसका शीर्षक है 370 – अनडूइंग द अनजस्ट: अ न्यू फ्यूचर फॉर जेएंडके यानि 370: अन्याय का अंत, जम्मू-कश्मीर का नया भविष्य। इस पुस्तक में जवाहरलाल नेहरू का वह पत्र प्रकाशित किया गया है जो उन्होंने 4 जुलाई 1947 को महाराजा हरि सिंह को लिखा था। इस पत्र में नेहरू ने साफ तौर पर महाराजा हरि सिंह के भारत में विलय के आग्रह को ठुकरा दिया था।

आजादी के बाद से लेकर अब तक देश में यह धारणा फैलाई गई थी कि कश्मीर के भारत में विलय में देरी महाराजा हरि सिंह की अनिर्णय की वजह से हुई। जबकि सच्चाई इसके बिलकुल उलट है। पुस्तक में प्रकाशित यह ऐतिहासिक दस्तावेज उस पूरी व्याख्या (नैरेटिव) को उलट देता है, जिसे कांग्रेसियों, वामपंथियों और इस्लामपंथियों द्वारा गढ़ा गया था। नेहरू के इस पत्र से यह भी उजागर होता है कि स्वतंत्रता से पहले नेहरू और महाराजा हरि सिंह के बीच सीधा संवाद नहीं हुआ था, इस दावे की भी पोल खुल गई है। ब्लू क्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन द्वारा प्रकाशित इस किताब में नेहरू के पत्र की मूल प्रति और उसका मूल पाठ दोनों प्रकाशित किए गए हैं, जिसे इतिहास विशेषज्ञ विस्फोटक बता रहे हैं। इतिहासकारों का कहना है कि यह दस्तावेज कश्मीर के विलय की असल कहानी नए सिरे से लिखेगा।

पुस्तक के बारे में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण निर्णय का एक अत्यंत पठनीय विवरण है जिसने जम्मू और कश्मीर के विकास और सुरक्षा परिदृश्य को बदलते हुए राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा दिया है। यह बताता है कि कैसे एक तत्कालीन युग की राजनीतिक गणनाओं, महत्वाकांक्षाओं और व्यक्तिगत पसंद-नापसंद की प्रवृत्तियों को आखिरकार राष्ट्रीय भावना ने किस तरह चुनौती दी और उसे संसार के समक्ष उजागर किया।

इस किताब में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी भी प्रकाशित की गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के फैसले पर इस किताब की प्रस्तावना में लिखा है, मेरे मन में पूरी स्पष्टता थी कि इस फैसले के क्रियान्वयन के लिए जम्मू-कश्मीर की जनता को विश्वास में लेना बेहद जरूरी है। हम चाहते थे कि फैसला, जब भी लिया जाए, लोगों की सहमति से हो, न कि थोपे जाने से। यह किताब जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त करने की गहन पड़ताल प्रस्तुत करता है, जिसे भारत के इतिहास में एक ऐतिहासिक संवैधानिक उपलब्धि माना जाता है। यह पुस्तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस जटिल और ऐतिहासिक निर्णय को कैसे लिया गया, इस पर एक अंदरूनी दृष्टिकोण प्रदान करती है। गहन अंतर्दृष्टि के साथ लिखी गई यह पुस्तक भारत की स्वतंत्रता के समय की कई गलतफहमियों की जांच करती है जिसके कारण अनुच्छेद 370 लागू किया गया। यह 1949 में अनुच्छेद 370 लागू किए जाने के बाद से इसके सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभावों और भारत की स्वतंत्रता के दौरान इससे पहले की घटनाओं पर चर्चा करती है। अनुच्छेद 370 के प्रावधान को चुनौती देने की ऐतिहासिक राजनीतिक अनिच्छा और वर्ष 2019 में इसके निरस्त होने से आए परिवर्तनकारी बदलाव पर इस किताब में विस्तार और तथ्यपरक तरीके से प्रकाश डाला गया है। पुस्तक ने कई ऐतिहासिक दस्तावेजों को उजागर किया है, जिनके बारे में अब तक माना और बताया जाता था कि वे मौजूद नहीं हैं, जो उन परिस्थितियों पर पूरी तरह से नई रौशनी डालते हैं जिनके तहत कश्मीर का विलय हुआ और अनुच्छेद 370 अस्तित्व में आया। कठोर विश्लेषण के माध्यम से, पुस्तक में विस्तार से बताया गया है कि कैसे सरकार ने इस ऐतिहासिक निर्णय को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए कानूनी जटिलताओं को संबोधित किया और सुरक्षा जोखिमों को कम किया। एक आकर्षक कथात्मक शैली में लिखी गई किताब 370: अन्याय की समाप्ति और जम्मू-कश्मीर को नए भविष्य की ओर ले जाने वाली घटनाओं का एक व्यापक विवरण प्रदान करती है। किताब में प्राचीन से समकालीन समय तक क्षेत्र के इतिहास का भी वर्णन है। तथ्यपरक उपाख्यानों के साथ गहन शोध को मिलाकर, पुस्तक पाठकों को भारत के इतिहास के एक महत्वपूर्ण क्षण में एक ज्ञानवर्धक यात्रा पर ले जाती है, जो देश के अतीत, वर्तमान और भविष्य के बारे में ▶10 पर

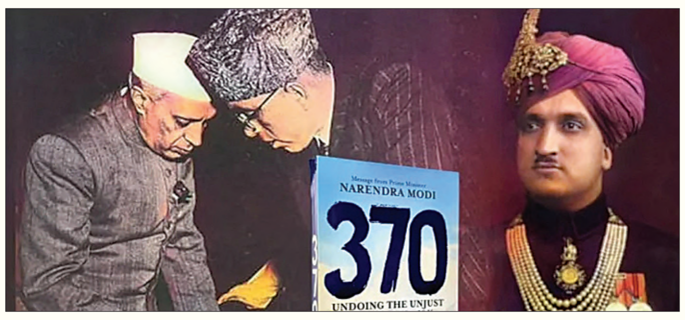

नेहरू ने ठुकरा दिया था कश्मीर विलय का प्रस्ताव

शुभ-लाभ सरोकार

भारत को डेड इकोनॉमी बताने वाले डोनाल्ड ट्रंप की असलियत

भारत में रियल एस्टेट से करोड़ों रुपए कमा रहा ट्रंप परिवार

द ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन का साथ दे रहे अंबानी, लोढा, मेहता एवं अन्य

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को डेड इकोनॉमी वाला देश बता रहे हैं। लेकिन ट्रंप के परिवार का व्यापारिक प्रतिष्ठान द ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन भारत में करोड़ों रुपए कमा रहा है। अमेरिका से बाहर अमेरिका के लिए भारत सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। भारत के रियल एस्टेट मार्केट में द ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन लगातार अपने कारोबार का विस्तार कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप का यह विरोधाभास दुनिया के सामने उजागर होना चाहिए। ट्रंप एक तरफ भारत पर टैरिफ का बोझ बढ़ाते जा रहे हैं तो दूसरी तरफ उनकी कंपनी भारत में लगातार अपना कारोबार बढ़ाती जा रही है।

ट्रंप के अमेरिका में पहली बार राष्ट्रपति बनने के बाद से भारत में उनकी कंपनी के रियल एस्टेट के कारोबार में तीन गुना बढ़ोतरी हो गई है। आधिकारिक दस्तावेज बताते हैं कि द ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन ने भारत में कई बड़े बिल्डर्स के साथ साझेदारी की और मुंबई, पुणे, कोलकाता और गुरुग्राम में 7 प्रोजेक्ट्स से 175 करोड़ रुपए कमाए। 5 नवंबर 2024 को जब ट्रंप दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने, उसके बाद से उनकी कंपनी ने अपने भारतीय पार्टनर ट्रिबेका डेवलपर्स के साथ मिलकर गुरुग्राम, पुणे, हैदराबाद, मुंबई, नोएडा और बेंगलुरु में 6 नए प्रोजेक्ट पर काम किया है। यह कुल काम 80 लाख स्क्वायर फुट जमीन पर होगा। इनमें से 3 प्रोजेक्ट पुणे, गुरुग्राम और हैदराबाद में इस साल शुरू हो चुके हैं। इन प्रोजेक्ट्स के तहत 4.3 मिलियन स्क्वायर फुट पर काम हो रहा है।

द ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन की अभी तक भारत में रियल एस्टेट के धंधे से कितनी कमाई हुई है, इसे ट्रंप परिवार की कंपनी ने सार्वजनिक नहीं किया है लेकिन विशेषज्ञों और जानकारों का कहना है कि बिल्डर्स के साथ पार्टनरशिप करने के बाद ट्रंप एंटरप्राइजेज को दुनिया की तेजी से बढ़ती भारतीय इकोनॉमी में अपने पांव फैलाने का मौका मिला है और उसकी आय में भारी इजाफा हुआ है। 2012 में द ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन ने भारत में पहले प्रोजेक्ट का ऐलान किया था और जब तक यह प्रोजेक्ट पूरे होंगे तब तक ट्रंप का भारत में कुल रियल एस्टेट कारोबार 3 मिलियन से ▶10 पर

निक्की हेली ने दी डोनाल्ड ट्रंप को सलाह

भारत जैसे मजबूत सहयोगी से रिश्ते खराब न करें

वाशिंगटन, 06 अगस्त (एजेंसियां)। रूस से तेल खरीदने के लिए भारत पर टैरिफ लगाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप अब इस मुद्दे पर अपने देश में ही घिरते जा रहे हैं। अमेरिका की वरिष्ठ नेता और राष्ट्रपति पद की दावेदार रहीं निक्की हेली ने कहा है कि अमेरिका को भारत जैसे मजबूत सहयोगी के साथ रिश्ते खराब नहीं करने चाहिए।

निक्की हेली ने कहा कि चीन रूसी और ईरानी तेल का सबसे बड़ा खरीदार है, लेकिन उसे 90 दिनों के लिए टैरिफ में ढील दी गई है। यह अजीबोगरीब है भारत को रूस से तेल खरीदने पर टैरिफ का डर दिखाया जा रहा है। निक्की हेली ने ट्रंप को सलाह दी कि चीन को छूट न दें और भारत जैसे मजबूत सहयोगी के साथ अपने रिश्ते खराब न करें। दक्षिण कैरोलिना की पूर्व गवर्नर हेली, ट्रंप के पहले कार्यकाल में संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत थीं और अमेरिकी प्रशासन में कैबिनेट स्तर के पद पर नियुक्त होने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी बनीं।

निक्की हेली की यह टिप्पणी ट्रंप के उस बयान के कुछ घंटों बाद आई, जिसमें ट्रंप ने कहा था कि भारत एक अच्छा व्यापारिक साझेदार नहीं रहा है और उन्होंने घोषणा की थी कि वह अगले 24 घंटों में भारत पर टैरिफ काफी हद तक बढ़ा देंगे। ट्रंप ने आरोप लगाया कि भारत, रूस से तेल खरीद रहा है और रूस को यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में ईंधन देने का काम कर रहा है। ट्रंप के भारत पर टैरिफ बढ़ाने की धमकी के बाद भारत ने भी अमेरिका और यूरोपीय संघ पर असामान्य रूप से तीखा पलटवार किया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि भारत अपने उपभोक्ताओं के लिए सस्ती और स्थिर ऊर्जा मुहैया कराने के लिए रूस से तेल आयात करता है। जो देश भारत की आलोचना कर रहे हैं, वे खुद रूस के साथ व्यापार कर रहे हैं। ▶10 पर

भारत ने अमेरिका को सुना दिया अपना स्पष्ट निर्णय

रूस से बेरोकटोक जारी रहेगा भारत का व्यापार

मजबूत इरादों को डिगा नहीं सकता बाहरी दबाव

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। टैरिफ की बंदर घुड़कियों में उलझे अमेरिका को भारत ने साफ तौर पर अपना निर्णय सुना दिया है। भारत ने स्पष्ट कह दिया है कि रूप से भारत का व्यापार बिना किसी दबाव के बेरोकटोक जारी रहेगा। भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि बाहरी दबाव मजबूत इरादों को डिगा नहीं सकते।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते भारत पर पच्चीस फीसद शुल्क लगाने और रूस से तेल एवं गैस खरीदने पर जुर्माना लगाने का ऐलान किया था। निश्चित तौर पर यह भारत पर अनावश्यक दबाव बनाने की रणनीति है। मगर अमेरिका की उम्मीदों के उलट भारत ने अपने रुख को और सख्त कर स्पष्ट कर दिया है कि जब राष्ट्रहित का मसला हो तो कोई बाहरी दबाव मजबूत इरादों को लक्ष्य से डिगा नहीं सकता है। भारत ने साफ कहा है कि रूस से तेल खरीदने के लिए शुल्क बढ़ाने की चेतावनी अनुचित और अव्यावहारिक है।

यही नहीं, भारत ने दुनिया के सामने इस बात को भी उजागर किया है कि अमेरिका किस तरह दोहरे मापदंड अपनाकर अपने हितों को साधने की चेष्टा कर रहा है। असल में इस तरह का प्रयास किसी भी देश की राष्ट्रीय संप्रभुता पर अतिक्रमण और उसके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना है। दूसरी ओर रूस ने भी अमेरिका के इस कदम को वैश्विक दक्षिण देशों के खिलाफ नव-उपनिवेशवादी नीति करार देकर और इन देशों के साथ सहयोग बढ़ाने की इच्छा व्यक्त कर साफ कर दिया है कि अब दुनिया बहुध्रुवीय व्यवस्था की पक्षधर है।

भारत ने रूस से कच्चे तेल की खरीद को लेकर अमेरिका और यूरोपीय संघ पर पलटवार करते हुए रूस के साथ उनके व्यापारिक संबंधों की ओर ध्यान दिलाया है। विदेश मंत्रालय ने रूस के साथ ऊर्जा संबंधों की आलोचना को सिरे से खारिज कर दिया और कहा कि अमेरिका खुद अपने परमाणु उद्योग के लिए रूस से यूरेनियम हेक्स-फ्लोराइड, विद्युत वाहन उद्योग के लिए पैलेडियम, उर्वरक और रसायनों का आयात करता है। वहीं, यूरोपीय संघ इस मामले में दो कदम आगे है। ▶10 पर

बिहार में हटाए गए 65 लाख मतदाताओं के नाम

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से मांगी जानकारी

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया में चुनाव आयोग ने 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार तक आयोग ने विस्तृत जानकारी तलब की है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को चुनाव आयोग (ईसी) को निर्देश दिया कि वह बिहार के ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से हटाए गए करीब 65 लाख मतदाताओं की पूरी जानकारी 9 अगस्त तक पेश करे। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि यह जानकारी उन राजनीतिक दलों के साथ-साथ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) नाम की एनजीओ को भी दी जाए, जिसने इस मुद्दे पर याचिका दाखिल की है। चुनाव आयोग ने बिहार में 24 जून को विशेष सघन पुनरीक्षण अभियान (एसआईआर) शुरू किया था। इसके तहत 1 अगस्त को ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गई, जिसमें 7.24 करोड़ मतदाता दिखाए गए। लेकिन इसमें से 65 लाख से अधिक वोटरों के नाम हटा दिए गए। चुनाव आयोग का कहना है कि ये लोग या तो मर चुके हैं, ▶10 पर

एससीओ समिट में शामिल होने चीन जाएंगे मोदी

गलवान घाटी संघर्ष के बाद होगा पीएम का पहला दौरा

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए चीन जाएंगे। यह दौरा 31 अगस्त और 1 सितंबर को होगा। पीएम मोदी की 2020 में गलवान घाटी में भारत-चीन सैन्य झड़प के बाद पहली चीन यात्रा होगी। 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद यह उनकी पहली चीन यात्रा होगी। उन्होंने पिछली बार 2019 में चीन का दौरा किया था। चीन जाने से पहले पीएम मोदी 30 अगस्त को जापान दौरा पर पहुंचेंगे। यहां वो भारत-जापान शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

एससीओ सदस्य देशों के साथ चर्चा में क्षेत्रीय सुरक्षा, आतंकवाद और व्यापार पर चर्चा होगी। भारत-चीन संबंधों में स्थिरता और संवाद बहाल करने के प्रयास किए जाएंगे। शिखर सम्मेलन के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अनौपचारिक मुलाकात की संभावना है। हालांकि पीएम मोदी की जापान और चीन की यात्रा के बारे में अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। इससे पहले अक्टूबर 2024 में प्रधानमंत्री मोदी और शी जिनपिंग कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ▶10 पर

मंत्रालयों और विभागों को मिला नया ठिकाना

पीएम मोदी ने किया कर्तव्य भवन का उद्घाटन

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर नवनिर्मित कर्तव्य भवन का उद्घाटन किया। विभिन्न मंत्रालयों और विभागों को एक साथ लाकर कर्तव्य भवन में शिफ्ट किया जाएगा जिससे दक्षता, नवाचार और सहयोग को बढ़ावा मिलेगा। इसमें गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय, ग्रामीण विकास मंत्रालय, एमएसएमई मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी), पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय/विभाग और प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार (पीएसए) के कार्यालय होंगे। अगले महीने तक कर्तव्य भवन-1 और कर्तव्य भवन-2 भी बनकर तैयार जाएंगे। दोनों का काम लगभग अंतिम चरण में है। प्रस्तावित कर्तव्य भवन 6 और 7 भी अक्टूबर 2026 तक बनकर तैयार हो जाएंगे। सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों के लिए ऐसे कुल 10 भवनों का निर्माण होना है। इनमें से कर्तव्य भवन-3 बनकर तैयार हो गया है, ▶10 पर

किसी भी विपक्षी दल ने दर्ज नहीं की आपत्ति

राजनीति करते रहे, पर चुनाव आयोग नहीं गए

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर विपक्ष ने जो भी राजनीतिक नौटंकियां कीं, लेकिन असलियत यही है कि किसी भी राजनीतिक दल ने ताजा मतदाता सूची को लेकर अपनी आपत्ति दर्ज नहीं की है। चुनाव आयोग ने कहा कि सामान्य मतदाताओं की तरफ से 2864 दावे और आपत्तियां जरूर प्राप्त हुईं हैं जिसका निदान 7 दिनों के बाद किया जाएगा।

विडंबना यह है कि विपक्ष एसआईआर का शुरू से विरोध करता आ रहा है। संसद से सड़क तक विपक्ष ने इस मुद्दे पर जमकर हंगामा किया। मॉनसून सत्र में विपक्ष लगातार शोर मचा रहा है, लेकिन औपचारिक धरातल पर विपक्ष की आपत्तियां शून्य हैं। दिलचस्प यह है कि इसके बावजूद कांग्रेस नेता राहुल गांधी और आरजेडी नेता तेजस्वी यादव एसआईआर के विरोध में 10 अगस्त से मतदाता अधिकार यात्रा करने जा रहे हैं।

जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी की उच्चस्तरीय संयुक्त प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चैप्टर द्वारा आगामी जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी तथा कॉन्क्लेव की तैयारियों को लेकर मुख्य विंग, महिला विंग एवं यूथ विंग की संयुक्त प्रबंधन समिति की बैठक का आयोजन राजाजीनगर स्थित जीतो बेंगलूरु नॉर्थ कार्यालय में किया गया। बैठक की शुरुआत नवकार मंत्र के पावन उच्चारण से हुई, जिससे कार्यक्रम का शुभारंभ आध्यात्मिक ऊर्जा के साथ हुआ। बैठक में जीतो बेंगलूरु नॉर्थ चेयरमैन विमल कटारिया ने आयोजन की समग्र योजना एवं विभागीय समन्वय पर आधारित समीक्षा प्रस्तुत की, साथ ही इस आयोजन को एक टीम प्रयास के रूप में सफल बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि यह एक्सपो न केवल व्यापारिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है, बल्कि इससे जीतो की सार्वजनिक छवि को भी नई ऊँचाइयाँ मिलेंगी।

इसके पश्चात जीतो बेंगलूरु नॉर्थ महामंत्री विजय सिंघवी ने जीतो जेवर एक्सपो की विस्तृत रूपरेखा और उद्देश्यों को विस्तार से साझा किया। उन्होंने आयोजन की पृष्ठभूमि, इसकी मौलिकता एवं इसके माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को मिलने वाले लाभों की जानकारी दी, जिससे सभी सदस्यों को आयोजन के व्यापक दृष्टिकोण का स्पष्ट आभास हुआ। महिला विंग चेयरपर्सन लक्ष्मी बाफना ने महिला विंग की ओर से तैयारियों की जानकारी दी और आयोजन में महिलाओं की सक्रिय भूमिका पर बल देते हुए द ब्राइडल स्टोरी एवं कॉन्क्लेव के विशिष्ट पहलुओं को रेखांकित किया। बैठक के दौरान समिति के सभी सदस्यों ने मिलकर जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी के ब्रॉशर का विधिवत लॉन्च किया। प्रितेश जैन ने मार्केटिंग योजना की जानकारी साझा की, मदन जैन एवं सुमन सिंघवी ने स्टॉल बुकिंग प्रक्रिया पर प्रकाश डाला, जबकि अशोक भंडारी ने प्रायोजकों की सहभागिता संबंधी प्रस्तुति दी। वाइस चेयरमैन दिनेश बाफना ने जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के नए कार्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिससे संगठनात्मक विकास की दिशा स्पष्ट हुई। युवा विंग की ओर से कोऑर्डिनेटर प्रमित बाफना, यूथ विंग चेयरपर्सन अनिश भोजानी और चीफ सेक्रेटरी आशीष टपरावत ने एक रोचक प्रस्ताव रखा, जिसमें फूड फेस्टिवल और मॉक मैरिज इवेंट की योजना शामिल रही। सुनील लोढ़ा ने मैट्रिमोनी विंग की आगामी गतिविधियों की जानकारी दी, वहीं संजय पितलिया ने जेपीएफ कार्यक्रम की रिपोर्ट साझा करते हुए भविष्य की गतिविधियों का खाका प्रस्तुत किया। इस बैठक में महिला विंग मंत्री रक्षा छाजेड समेत कई प्रमुख पदाधिकारी व समिति सदस्य उपस्थित रहे।

सभी सदस्यों ने आयोजन की सफलता हेतु अपने विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किए तथा आयोजन को और अधिक प्रभावशाली बनाने हेतु रणनीतियों पर विचार किया। यह बैठक आगामी जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी को एक अभूतपूर्व, संगठित एवं प्रभावशाली आयोजन बनाने की दिशा में सशक्त कदम सिद्ध हुई।

प्रतिनिधिमंडल आचार्य श्री विजयराज जी के दर्शन हेतु जयपुर रवाना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी शांत क्रांति संघ कर्नाटक शाखा की कार्यकारिणी सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष ओमप्रकाश लूणावत एवं कर्नाटक शाखा के अध्यक्ष प्रकाशचंद बंब के नेतृत्व में आचार्य श्री विजयराज जी के दर्शन हेतु बेंगलूरु हवाई अड्डे से जयपुर के लिए रवाना हुआ। प्रतिनिधिमंडल में कर्नाटक शाखा के कार्याध्यक्ष धर्मीचंद कांठेड़, महामंत्री अभय कुमार बांठिया, मंत्री रितेश पामेचा, कोषाध्यक्ष हितेश बोहरा सहित 20 सदस्य शामिल हैं। पूर्व अध्यक्ष महेंद्र चोपड़ा ने बताया कि अपने 2 दिवसीय प्रवास में प्रतिनिधिमंडल आचार्य के 2 प्रवचन श्रवण कर कर्नाटक शाखा के विकास और विस्तार हेतु आचार्य श्री विजयराज जी से मार्गदर्शन प्राप्त करेगा और दक्षिण में और ज्यादा संत सती को भेजने हेतु निवेदन करेगा। सभी सदस्य जयपुर में चातुर्मासर्थ विराजमान अनेक संत सती के दर्शन भी करेगा।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कर्नाटक राज्य शाला संस्कृत अध्यापक संघ द्वारा मल्लेश्वरम स्थित सरकारी महिला महाविद्यालय में संस्कृत पुरस्कार वितरण 2025 का आयोजन किया गया। डॉक्टर सीएन अश्वत नारायण ने दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। रघुवीर, जयप्रकाश शेटी, पार्वती विश्वनाथन, महेंद्र मुणोत, वेंकट रमन डी भट्ट, रश्मि, सिद्धेश्वर के एम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कृष्ण भट्ट ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। संस्कृत में श्रेष्ठ अंक अर्जित करने वाले 300 से भी ज्यादा विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।*

संयुक्त रूप से एक भव्य तीज महोत्सव का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु स्टार्स और जागृति शाखाओं द्वारा संयुक्त रूप से एक भव्य तीज महोत्सव का आयोजन कनकपुरा रोड स्थित एक रिसॉर्ट में किया गया।

यह आयोजन पारंपरिक भारतीय मूल्यों, सांस्कृतिक विरासत और पारिवारिक सौहार्द को समर्पित रहा, जिसमें 170 से अधिक सदस्यों और परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस आयोजन की संकल्पना और रूपरेखा स्टार्स शाखा के संयोजक कुणाल जालान, निनी अग्रवाल, सुषमा चांदगोठिया तथा जागृति शाखा की संयोजक मेघा टिबरेवाल और निशा रितोलिया द्वारा तैयार की गई थी। सोनम जैन, रितु मोदी और अन्य सक्रिय सदस्यों के सहयोग से यह आयोजन एक महीने की सतत तैयारियों के बाद सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। महोत्सव में पारंपरिक सावन झूले, घेवर वितरण और सांस्कृतिक खेल गतिविधियाँ विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। खेलों, पुरस्कारों और लकी ड्रा ने बच्चों से लेकर वरिष्ठ सदस्यों तक सभी को आनंदित किया। दोपहर के स्वादिष्ट भोजन के उपरांत प्रतिभागियों ने जिपलाइन, रॉक क्लाइंबिंग, तीरंदाजी और रेन डांस जैसी साहसिक गतिविधियों का भी भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम का संचालन मनीषा ने अत्यंत आत्मीयता और ऊर्जावान अंदाज में किया। कार्यक्रम के विशेष आकर्षण के रूप में खुशबू जैन को तीज क्वीन के रूप में सम्मानित किया गया। प्रांत अध्यक्ष मोहित शर्मा ने अपने संबोधन में संयोजकों की टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा यह आयोजन न केवल एक सांस्कृतिक पर्व था, बल्कि परिवारों के बीच आनंद, प्रेम और ऊर्जा का जीवंत प्रतीक भी बना। संयोजक कुणाल जालान ने समस्त मंच सदस्यों, उनके मित्रों, रिसॉर्ट टीम, डेकोरेटर संजय बागरिया और मेजबान मनीषा सहित सभी सहयोगियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि यह आयोजन सामूहिक प्रयासों और समर्पण का परिणाम है।

धैर्यवान मनुष्य को ही मिलते हैं अच्छे परिणाम: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बैंगलोर/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि मनुष्य को कुछ कामों में धैर्य रखना चाहिए। हर चीज में आतुर होना उचित नहीं है। हर जगह अगर जल्दबाजी करोगे तो अच्छा परिणाम नहीं मिलेगा। लोग गुरु से कोई प्रश्न पूछते हैं तो चाहते हैं कि तुरंत उत्तर मिल जाए। लेकिन इन कार्यों में किसी प्रकार की जल्दबाजी से कुछ हासिल नहीं होगा। लोग धर्म ध्यान करना शुरू करते हैं और तुरंत परिणाम की उम्मीद करने लगते हैं। लेकिन ऐसा नहीं करना चाहिए। भगवान की प्रार्थना कर रहे हैं तो शांति से करना चाहिए। संयम रखने वाले मनुष्य को सब कुछ हासिल होता है। लेकिन जल्दबाजी करने वाला मनुष्य कुछ नहीं पाता। भजन कीर्तन में किसी प्रकार की हड़बड़ी नहीं दिखानी चाहिए। वर्तमान में मनुष्य में धैर्य नाम का चीज ही नहीं बचा है। लोग कुछ भी करते हैं तो जल्दबाजी में करते हैं। यही कारण है कि उनका जीवन सुधर नहीं पाता है। कहीं जल्दबाजी दिखाओ या न दिखाओ लेकिन धर्म, ध्यान, साधना, आराधना करने में किसी प्रकार की आतुरता नहीं दिखानी चाहिए। अगर गुरु से कुछ चाहिए तो उसके लिए अनुकूल परिस्थिति का इंतजार करना चाहिए। धैर्यवान मनुष्य को जीवन में सब कुछ मिल जाता है। लेकिन धैर्य नहीं रखने वाला हमेशा विचलित ही रहता है। गुरुदेव ने कहा कि मनुष्य के दुख का कारण हाय हाय करना है। धैर्य नहीं होने से मनुष्य का मन विचलित होता है और उसके बाद दुख आता है। गठरी भरने के चक्कर में ना पड़े। ज्ञानी कहते हैं कि कमा लोगे, इकट्ठा कर लोगे लेकिन खा नहीं पाओगे। पाप के मार्ग का कमाया दूसरे ही खायेंगे। ऐसा करके अपने कर्मों का बंध नहीं करना चाहिए। बंध कर्मों का उदय होगा तो बच नहीं पाओगे। सब कुछ होने के बाद भी थोड़ा और का चक्कर छोड़ दो। ऐसा नहीं किया तो एक दिन समय निकल जाएगा और पछताने के अलावा कुछ हाथ में नहीं आएगा। हर चीज समय के साथ होनी चाहिए। समय निकलने के बाद कोई लाभ नहीं होगा। धर्म ध्यान भी अगर समय पर किया तो ही अच्छे परिणाम मिलेंगे। सभी का स्वागत श्री सुमतिनाथ सकल जैन संघ यलहंका संयोजक नेमीचंद लुकड़ ने किया। महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने संचालन किया।

गुरु ग्रह के शुभ प्रभाव से व्यक्ति बनता है दयालु: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने नवग्रह अनुष्ठान अंतर्गत गुरुग्रह आराधना के विषय में समझाते हुए कहा कि बृहस्पति गुरुग्रह ज्ञान बुद्धि और सीखने की क्षमता का प्रतिनिधित्व करता है। समृद्धि लाता है। गुरु ग्रह के प्रभाव से व्यक्ति दयालु, धार्मिक धैर्यवान, बुद्धिमान और चंचल स्वभाव का बनता है। गुरु के शुभ प्रभावों में वृद्धि कर जीवन को सुखमय बनाता है। यह धर्म आध्यात्मिकता और नैतिक मूल्यों का भी प्रतीक है। दान पुण्य और परोपकार जैसे कार्यो को भी दर्शाता है।

साध्वी शीतलगुणा ने कहा कि गुरु ग्रह के शुभ प्रभाव से व्यक्ति दयालु, धार्मिक, धैर्यवान और बुद्धिमान बनता है। यह व्यक्ति को सफलता, मान-सम्मान और वैभव प्रदान करता है। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद के दर्शनार्थ दावणगेरे हरिहर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के अध्यक्ष दिनेश शेटी और कॉरप-रेटर ए नागराज, जैन ट्रिनिटी कॉलेज के अध्यक्ष विजय कुमार ने पहुंच कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ की ओर से पूनमचंद सोलंकी, महेंद्र जैन, भंवरलाल जैन, किशोरमल जैन, राजू भंडारी, राजेन्द्र पोरवाल, अनिल सोलंकी ने उनका बहुमान स्वागत अभिनन्दन किया। साध्वीवृंद की निश्रा में नवग्रह अनुष्ठान जाप पूजन बड़े हर्षोल्लास से चल रहा है। बुध ग्रह अनुष्ठान और एकासणा के लाभार्थी भंवरलाल पेराजमल परिवार का बहुमान किया गया। शंखेश्वर पार्श्वनाथ भगवान की आरती, मंगल दीपक आरती, गुरुदेव की आरती का लाभ जगदीश प्लास्टिक परिवार ने लिया। गुरुग्रह अनुष्ठान का लाभ और एकासणा का लाभ और राजेन्द्र सूरिश्वर गुरुदेव के 108 अभिषेक का लाभ महावीर कुमार, वक्तावरमल संचेती परिवार ने लिया। श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ एवं ट्रस्ट मंडल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जैसी संगत वैसी रंगत: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के प्रांगण में साध्वी निर्मला के पावन सान्निध्य में आयोजित प्रवचन सभा में साध्वी नंदिनी ने जैसी संगत वैसी रंगत विषय पर आध्यात्मिक विचार प्रस्तुत किए। साध्वीश्री ने कहा कि जैसे रंग से वस्त्र का स्वरूप बदलता है, वैसे ही संगति का प्रभाव जीवन और सोच पर पड़ता है। सज्जनों की संगति से सद्गुणों का विकास होता है, जबकि दुर्जनों की संगति पतन की ओर ले जाती है।

उन्होंने 'मेरी भावना' के रचयिता जुगल किशोर मुखत्यार का उल्लेख करते हुए कहा कि आगमों के अध्ययन और भावना से जीवन में शुभता का आगमन होता है। संतों को आत्मा से परमात्मा तक पहुँचने का सेतु बताते हुए उन्होंने कहा कि जब तक संतों का सान्निध्य नहीं मिलता, आत्मकल्याण का मार्ग स्पष्ट नहीं होता। संत परमात्मा को पाने का प्रवेश द्वार है। संतों की वाणी हमारे आत्मकल्याण की नीव है। अपनी आत्मा में स्थिर होकर आत्मदृष्टा बनने का प्रयास करो।

संत का जीवन सदबोध देता है आत्म प्रकाश देता है। ऐसे महा-पुरुषों के सदैव सानिध्य में रहना चाहिये।

जैसी संगत वैसी रंगत। सज्जनों की संगती से सद्गुण आते है दुर्जनों की संगति दुर्गुण लाते हैं। सज्जन पुरुषों का जीवन रूपांतरित हुए बिना नही रहता। सज्जन पुरुषों का संग हमारे ज्ञान को बढ़ाता है। दुर्जन पुरुष की संगत से हमारा ज्ञान घटता है। प्रवचन से पूर्व साध्वी उपमा व साध्वी ऋषिता ने भावभक्ति से स्तवन प्रस्तुत किया तथा समापन पर साध्वी निर्मलाजी ने मांगलिक प्रदान की। इस अवसर पर विजयनगर एवं श्रीरामपुरम क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। राकेश दलाल ने बताया कि आगामी 8 अगस्त को द्वय महापुरुष गुरु मिश्री एवं गुरु रूपमुनि का जन्मोत्सव एकासन दिवस के रूप में मनाया जाएगा। सिद्धार्थ श्रीश्रीमाल के 9 उपवास की तपस्या के उपलक्ष्य में संघ की ओर से अभिनंदन किया गया। आभार ज्ञापन अध्यक्ष प्रकाशचंद चाणोदिया ने और कार्यक्रम का संचालन संघ के मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

मंत्री प्रियांक खड़गे होंगे यूथ कॉन्क्लेव के मुख्य अतिथि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। आईटी, बीटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में युवा ऊर्जा को प्रेरित करने और जीतो यूथ विंग की प्रभावी सहभागिता को प्रोत्साहित करते हुए कर्नाटक सरकार के मंत्री प्रियांक खड़गे ने 7 सितंबर को जीतो जेवर एक्सपो एवं द ब्राइडल स्टोरी के अंतर्गत आयोजित होने वाले आईजीएनआईटीई यूथ कॉन्क्लेव में मुख्य अतिथि के रूप में अपनी उपस्थिति की सहमति प्रदान की है। यह तीन दिवसीय भव्य आयोजन 5, 6 एवं 7 सितंबर 2025 को त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड्स, बेंगलूरु में आयोजित किया जाएगा, जो युवा नेतृत्व, नवाचार और सांस्कृतिक समर्पण को समर्पित रहेगा। जीतो बेंगलूरु नॉर्थ यूथ विंग के प्रतिनिधि मंडल ने मंत्री से भेंट कर उन्हें इस कॉन्क्लेव में आने के लिए आमंत्रित किया, जिसमें प्रमुख रूप से जीतो एपेक्स के सेक्रेटरी श्रीपाल बच्छावत, निदेशक एवं यूथ प्रभारी प्रवीण शाह, केकेजी जोन के जोन चेयरमैन प्रवीण बाफना, जीतो बेंगलूरु नॉर्थ के चेयरमैन विमल कटारिया, चीफ सेक्रेटरी विजय सिंघवी, यूथ जीतो एपेक्स के सचिव मनीष कोठारी, यूथ विंग कन्वीनर प्रमीत बाफना, यूथ चेयरमैन अनीश भोजानी एवं यूथ चीफ सेक्रेटरी आशीष टपरावत प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके अतिरिक्त जीतो बेंगलूरु नॉर्थ यूथ विंग की कोर टीम के सदस्यों गौरव दलाल, निकिता बडेरा, अक्षय दक, यश मेहता एवं दीपेश मेहता ने भी इस आमंत्रण प्रक्रिया में सक्रिय योगदान दिया।

कित्तूर साम्राज्य बेंगलूरु में 2025 के स्वतंत्रता दिवस पुष्प प्रदर्शनी का होगा विषय

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
इस वर्ष, बेंगलूरु के लालबाग में स्वतंत्रता दिवस पुष्प प्रदर्शनी का विषय उत्तरी कर्नाटक का कित्तूर साम्राज्य है। इस प्रदर्शनी में कित्तूर की प्रसिद्ध रानी – कित्तूर रानी चेन्नम्मा – और उस साम्राज्य के सेना प्रमुख क्रांतिवीर संगोली रायन्ना के सम्मान में कला प्रदर्शनियाँ प्रदर्शित की जाएँगी। विश्व प्रसिद्ध पुष्प प्रदर्शनी का 218वाँ संस्करण 8 से 18 अगस्त तक जनता के लिए खुला रहेगा। इस कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन गुरुवार को लालबाग के ग्लास हाउस में कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया करेंगे। मुख्य पुष्प प्रदर्शनी के साथ-साथ पुष्प कला और उससे संबंधित प्रदर्शनियाँ, इकेबाना, वनस्पति नक्काशी, पुष्प रंगोली, बोनसाई, पुष्प सज्जा और थाई पुष्प कला की प्रदर्शनियाँ लालबाग के

बागवानी सूचना केंद्र में आयोजित की जाएँगी। इन प्रदर्शनियों का उद्घाटन 9 अगस्त को होगा। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं के लिए पुरस्कार वितरण समारोह 16 अगस्त को लालबाग के डॉ. एम.एच. मेरीगौड़ा मेमोरियल हॉल में होगा। गुलाब और गुलदाउदी से बना कित्तूर का एक विशाल पुष्प किला, ग्लास हाउस में मुख्य आकर्षण होगा, साथ ही घुड़सवार चेन्नम्मा का मॉडल और रायन्ना का खड़ा मॉडल भी होगा। कित्तूर में स्थित चेन्नम्मा के अंतिम विश्राम स्थल, वीरा रानी कित्तूर चेन्नम्माजी समाधि स्थल को भी इस प्रदर्शनी के लिए पुष्पों से पुनर्निर्मित किया जाएगा। किले के एक हिस्से को एक ऊर्ध्वाधर उद्यान के रूप में पुनर्निर्मित किया जाएगा, जिसके सामने लावणी नर्तकियों (उत्तरी कर्नाटक की प्रमुख कला) के मॉडल भी प्रदर्शित किए जाएँगे। ग्लास हाउस के दूसरी ओर, घोड़े पर सवार रायन्ना और अंग्रेजों द्वारा उन्हें फांसी पर लटकाए जाने का दृश्य दर्शाया जाएगा।

बागवानी विभाग के संयुक्त निदेशक, उद्यान एवं उद्यान, एम. जगदीश ने बताया कि हमने इस वर्ष के स्वतंत्रता दिवस पुष्प प्रदर्शनी के लिए कित्तूर चेन्नम्मा और सांगोली रायन्ना को सम्मानित करने का निर्णय लिया है। पुष्प प्रदर्शन के साथ, हम लालबाग में विभिन्न स्थानों पर आठ बड़ी आउटडोर स्क्रीन लगाएँगे, जिन पर चेन्नम्मा और रायन्ना के ऐतिहासिक अभिलेख प्रसारित किए जाएँगे। इसमें उनके बारे में बनाई गई तस्वीरें, फिल्म क्लिप और वृत्तचित्र शामिल होंगे।

संयुक्त कार्रवाई समिति की चेतावनी

अगर हड़ताल में शामिल परिवहन कर्मचारियों को नोटिस जारी करना बंद नहीं किया, तो डिपो बंद कर देंगे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
संयुक्त कार्रवाई समिति ने चेतावनी दी है कि अगर आपने हड़ताल में शामिल परिवहन कर्मचारियों को नोटिस जारी करना बंद नहीं किया, तो सभी डिपो बंद करके विरोध प्रदर्शन करना होगा। परिवहन निगमों के कर्मचारियों की संयुक्त कार्रवाई समिति ने उच्च न्यायालय के आदेश के मद्देनजर हड़ताल स्थगित कर दी है। इस मामले की गुरुवार को उच्च न्यायालय में सुनवाई होगी और संयुक्त कार्रवाई समिति के नेता अदालत में पेश होंगे। उच्च न्यायालय के निर्देश के बावजूद हड़ताल की गई, और अदालत ने इसे गंभीरता से लेते हुए श्रमिक नेताओं को फटकार लगाई। इससे सरकार को बड़ी राहत मिली है। परिवहन निगमों ने मंगलवार शाम से हड़ताल में शामिल परिवहन कर्मचारियों और स्टाफ को नोटिस जारी करना शुरू कर दिया है। हड़ताल में शामिल लोगों को बर्खास्तगी की धमकी दी जा रही है। संयुक्त कार्रवाई समिति पर भरोसा करके हड़ताल में शामिल हुए हजारों लोग अब अपनी नौकरी जाने के डर से परेशान हैं। निगमों के वरिष्ठ अधिकारी व्हाट्सऐप के जरिए नोटिस भेजकर तुरंत कार्रवाई की चेतावनी दे रहे हैं। चूँकि उच्च न्यायालय ने हड़ताल पर व्यक्तिगत रूप से रोक लगा दी है, इसलिए आने वाले दिनों में निगम के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों का असर दिखने की उम्मीद है। नोटिस पाने वाले कर्मचारी चिंतित हैं और उन्होंने सुरक्षा के लिए संयुक्त कार्रवाई समिति से संपर्क किया है। पहले भी कई मौकों पर जब हड़ताल हुई है, तो कई कर्मचारियों की नौकरी चली गई है। कुछ ने तो अपने खर्चे पर कानूनी लड़ाई भी लड़ी है और दोबारा नौकरी पर रखे गए हैं। हजारों कर्मचारी चिंतित हैं कि मौजूदा हालात में भी ऐसा ही कुछ हो सकता है। हम किसी भी कर्मचारी या मजदूर को असुविधा नहीं होने देंगे। बताया जा रहा है कि संयुक्त कार्रवाई समिति कर्मचारियों के समर्थन में है। अगर निगम के वरिष्ठ अधिकारी सरकार के आदेशानुसार नोटिस जारी करना बंद नहीं करते हैं, तो आने वाले दिनों में सभी डिपो के सामने संघर्ष किया जाएगा और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। नेताओं ने चेतावनी दी है कि वे डिपो बंद करके शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। हमने सरकार को 22 दिन पहले ही नोटिस दे दिया है और हड़ताल पर चले गए हैं। संयुक्त कार्रवाई समिति के नेता इस बात का बचाव कर रहे हैं कि नियमों के विरुद्ध कोई कदम नहीं उठाया गया है। सरकार द्वारा उचित वेतन न देकर और हमें धमकाकर हड़ताल में बाधा डालना उचित नहीं है। अगर वेतन संशोधन होता, तो हमें विरोध प्रदर्शन करने का अवसर ही नहीं मिलता। नेता कह रहे हैं कि वे उच्च न्यायालय को इस बारे में समझाएँगे।

मुख्यमंत्री ने अस्पताल और सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण किया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने बुधवार को विक्टोरिया अस्पताल का अप्रत्याशित दौरा किया और मरीजों की समस्याएं सुनीं तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। बाद में, सिद्धारमैया ने सरकारी कार्यालयों का भी दौरा किया। खराब मौसम के कारण कोप्पल और रायचूर जिलों का अपना दौरा रद्द करने वाले सिद्धारमैया ने अपने सभी कार्यक्रम पहले ही बुक कर लिए थे। लेकिन दोपहर में अचानक उन्होंने अपने कार्यक्रम बदल दिए और केआर मार्केट रोड स्थित विक्टोरिया अस्पताल का दौरा किया। इस दौरान चिकित्सा शिक्षा मंत्री शरण प्रकाश पाटिल भी मौजूद थे। अस्पताल का दौरा करने वाले मुख्यमंत्री ने मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात की। इस दौरान चंद्रा लेआउट से आई एक महिला ने न केवल अपनी पीड़ा व्यक्त की, बल्कि मदद की अपील भी की। खास बात यह रही कि इस मौके पर महिला ने सिद्धारमैया सरकार की तारीफ की। अस्पताल के दौरे के दौरान कुछ अनियमितताओं को देखकर मुख्यमंत्री ने चिकित्सा अधिकारियों को फटकार लगाई। उन्होंने अस्पताल के लिए आवश्यक उपकरणों और कर्मचारियों की भर्ती पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री के इस अप्रत्याशित दौरे से अस्पताल के कर्मचारी और डॉक्टर असमंजस में पड़ गए। आमतौर पर, जब कोई कार्यक्रम रद्द होता है, तो सिद्धारमैया अपने गृह कार्यालय, कावेरी में अधिकारियों के साथ फाइलों की समीक्षा में व्यस्त हो जाते हैं। लेकिन यह पहली बार था जब उन्होंने किसी अस्पताल का दौरा किया और आम लोगों की समस्याएँ सुनीं, जो अपने आप में एक विशेष बात थी। मुख्यमंत्री कई बार अधिकांश कैबिनेट मंत्रियों को अपने जिलों के अस्पतालों और छात्रावासों का अप्रत्याशित दौरा करने के निर्देश दे चुके हैं। लेकिन अभी तक किसी भी मंत्री ने ऐसा अप्रत्याशित दौरा नहीं किया है। हाल ही में, लोकायुक्त और उपलोकायुक्त ने स्वयं अस्पतालों का अचानक दौरा किया था और वहाँ की अनियमितताओं के लिए अधिकारियों को फटकार लगाई थी। बाद में, मुख्यमंत्री ने कुछ सरकारी कार्यालयों का दौरा किया और अधिकारियों के कामकाज का निरीक्षण किया।

वोटों में धांधली के खिलाफ विरोध प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस पार्टी में असमंजस

बिना गवाहों के उपहास का डर

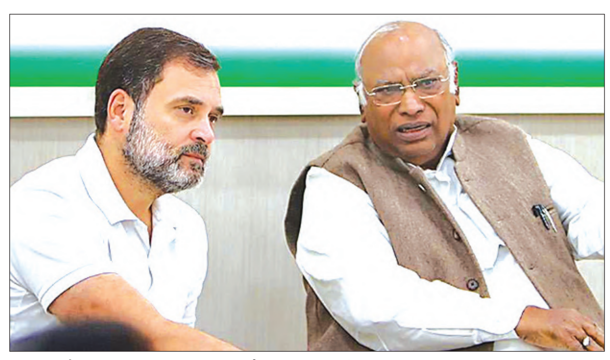

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मतदान में धांधली के आरोपों के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 8 अगस्त को होने वाले विरोध प्रदर्शन को लेकर कांग्रेस पार्टी में असमंजस की स्थिति है। अगर गंभीर सबूत सामने नहीं आए, तो कांग्रेसियों को डर है कि देश भर में उनका फिर से मजाक उड़ाया जाएगा।

जब अखिल भारतीय राजनीतिक नेता संघ बिहार विधानसभा चुनाव के लिए केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा कराए गए विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य का विरोध करते हुए लोकसभा में महात्मा गांधी की प्रतिमा के सामने विरोध प्रदर्शन कर रहा था, उसी दौरान राहुल गांधी ने कहा कि पूरे देश में मतदान में धांधली हो रही है। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में इसका अध्ययन करने के बाद कांग्रेस पार्टी को एक भयानक सच्चाई का पता चला है। शुरुआत में, राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार इस भयानक सच्चाई को समझ नहीं पाए। वे भ्रमित थे और समझ नहीं पा रहे थे कि राहुल गांधी किस चुनाव की बात कर रहे हैं। वे इस पर बयान देने से हिचकिचा रहे थे।

धीरे-धीरे, वे एक-एक करके बोलने लगे। डी.के. शिवकुमार ने कहा कि बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में चुनाव में अनियमितताएँ हुईं, जहाँ उनके भाई चुनाव हार गए थे, जबकि मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा की कि बेंगलूरु के महादेवपुरा और राजाजीनगर विधानसभा क्षेत्रों में अनियमितताएँ हुईं।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव से पहले भी कई आरोप लगे थे। चिलुमे संगठन ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण में हस्तक्षेप किया था। इसी तरह, यह भी आरोप है कि बीबीएमपी चिलुमे संगठन द्वारा नियुक्त निजी व्यक्तियों को, भाजपा सरकार के दबाव में, मतदान केंद्र अधिकारी के रूप में पहचान पत्र दिए गए थे। जाँच हुई और बीबीएमपी के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। मामला फिलहाल अदालत में है। पिछले चुनावों में, राजराजेश्वरी नगर में फर्जी मतदाताओं के नाम शामिल करने की आलोचना हुई थी। उस समय कांग्रेस पार्टी के विधायक रहे मुनिरत्न के खिलाफ शिकायत दर्ज की गई थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने एक कार्यक्रम में मुनिरत्न का नाम लेकर हमला बोला था। राहुल गांधी इन सभी पुराने मामलों को एक साथ उठा रहे हैं, लेकिन इस पर मजाक उड़ाया जा सकता है। इसके अलावा, अगर कांग्रेस पार्टी के एजेंटों ने मतदान के दौरान किसी फर्जी मतदाता की पहचान कर ली थी, तो उसे उजागर करने में इतना समय क्यों लगाया? राहुल गांधी ने कहा कि उनकी पार्टी ने एक अध्ययन किया है और मतदान में धांधली की भयावह सच्चाई का पता लगाया है।

कांग्रेस पार्टी के पास डेटा संग्रह और शोध के लिए एक अलग इकाई है। लेकिन यह इकाई किस तरह की गतिविधियाँ कर रही है, इसकी जानकारी किसी को नहीं है।

आरोप है कि पार्टी की शोध इकाई भाजपा नेताओं के पास उपलब्ध डेटा और जानकारी का 5 प्रतिशत भी कांग्रेस नेताओं को उपलब्ध नहीं करा रही है।

ऐसे में, कांग्रेस पार्टी के नेता संदेह व्यक्त कर रहे हैं कि उन्हें नहीं पता कि कांग्रेस की शोध इकाई मतदाता सूची जैसे संवेदनशील मुद्दे का इतना गहन अध्ययन कर रही है। डर है कि अगर राहुल गांधी अपने विरोध प्रदर्शन में गंभीर जानकारी का खुलासा नहीं करते हैं, तो कांग्रेस पार्टी की पूरी विश्वसनीय व्यवस्था पर सवाल उठेंगे।

इसी वजह से, कांग्रेस ने दावा किया है कि 5 अगस्त को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में होने वाला विरोध प्रदर्शन झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन के कारण स्थगित कर दिया गया था। कांग्रेसियों ने बार-बार कहा है कि राहुल गांधी चौंकाने वाली जानकारी का खुलासा करेंगे।

स्मार्ट मीटर टेंडर घोटाला : कोर्ट ने मंत्री जॉर्ज के खिलाफ एफआईआर पर रोक लगाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
उच्च न्यायालय ने ऊर्जा मंत्री के.जे. जॉर्ज, जो बेंगलूरु विद्युत आपूर्ति कंपनी (बेस्कॉम) के अध्यक्ष भी हैं, के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी पर रोक लगा दी है। उन पर आरोप है कि राज्य में स्मार्ट मीटर लगाने का टेंडर पूरी तरह से अवैध था। मंत्री जॉर्ज के वकीलों सी.वी. नागेश और विक्रम वीलुगोला ने उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर कर उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने की मांग की थी। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एम.आई. अरुण की एकल पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए प्राथमिकी पर रोक लगाने का आदेश दिया था। हम मामले के गुण-दोष पर बहस नहीं कर रहे हैं। लोकायुक्त एसपी ने न्यायाधीशों के ध्यान में लाया कि विशेष अदालत ने अगली सुनवाई में रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। सीआरपीसी की धारा 175 के तहत ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। इसलिए, प्राथमिकी रद्द की जानी चाहिए। दलीलें सुनने के बाद, अदालत ने स्थगन आदेश जारी किया और आगे की सुनवाई दो दिनों के लिए स्थगित कर दी। तमिलनाडु में एक राजनीतिक दल द्वारा दूसरे के विरुद्ध मुकदमा दायर करने की संस्कृति प्रचलित थी। लेकिन न्यायाधीश ने अप्रत्यक्ष रूप से दोनों पक्षों पर यह कहकर निशाना साधा कि यह संस्कृति कर्नाटक में भी शुरू हो गई है। विधायकों और सांसदों के विरुद्ध आपराधिक मामलों की विशेष अदालत के न्यायाधीश संतोष गजानन भट, जो आरोपों से संबंधित एक निजी शिकायत पर सुनवाई कर रहे हैं, ने यह आदेश दिया था। न्यायाधीश ने लोकायुक्त पुलिस को आरोपियों के विरुद्ध शिकायत पर स्थिति रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत करने का निर्देश देते हुए सुनवाई 11 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। शिकायत में मंत्री के.जे. जॉर्ज, ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव गौरव गुप्ता, बेस्कॉम के पूर्व प्रबंध निदेशक महंतेश बिलगी और बेस्कॉम के तकनीकी निदेशक एच.जे. रमेश को आरोपी बनाया गया है। भाजपा विधायक डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण, विधायक एस.आर. विश्वनाथ और धीरज मुनिराजू ने यह निजी शिकायत दर्ज कराई थी। पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. सी.एन. अश्वथ नारायण और अन्य भाजपा नेताओं ने जनप्रतिनिधियों की विशेष अदालत में एक याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि ऊर्जा विभाग में स्मार्ट मीटर के ठेके देने में करोड़ों रुपये अवैध रूप से खर्च किए गए हैं। अदालत ने याचिका स्वीकार करते हुए लोकायुक्त पुलिस को मंत्री जॉर्ज और अन्य के खिलाफ एक निजी शिकायत दर्ज करने और जांच करने का आदेश दिया। ऊर्जा विभाग ने राज्य में स्मार्ट मीटर लगाने के लिए दावणगेरे जिले में राजश्री इलेक्ट्रिकल्स शेल कंपनी को अवैध रूप से एक ठेका दिया था। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया था कि इस ठेके के आवंटन में मंत्री को करोड़ों रुपये की रिश्वत मिली थी।

राज्य भर में अगले पांच दिनों तक बारिश का अनुमान

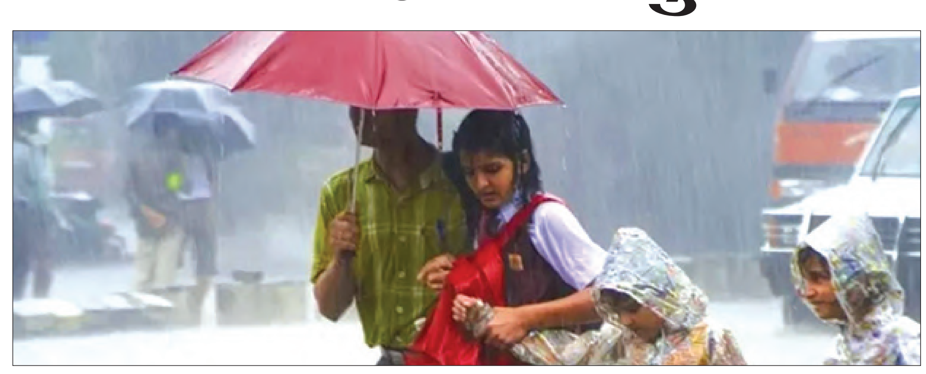

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य में अच्छी और व्यापक वर्षा के साथ दक्षिण -पश्चिम मानसून राज्य में उबर रहा है। मानसून, जो पिछले सप्ताह कमजोर हो गया था, इस सप्ताह तेज है।

पिछले तीन से चार दिनों से राज्य में बारिश हो रही है। मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार, राज्य में पांच और दिनों के लिए अच्छी बारिश होती रहेगी। कई स्थानों पर, भारी बारिश के पूर्वानुमान हैं, जबकि हल्की बारिश भी जारी रहेगी।

कोडागु, चिक्कबल्लापुर, दक्षिण कन्नड़, उडुपी, शिवमोग्गा और उत्तर कन्नड़ जिलों के कुछ हिस्सों में भारी वर्षा का पूर्वानुमान है। राज्य के उत्तर और दक्षिणी अंतर्देशीय जिलों में मध्यम वर्षा जारी रहेगी। कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार, राज्य के अधिकांश जिलों में बारिश होगी। दक्षिण कन्नड़, उत्तर कन्नड़, उडुपी, दावणगेरे, गदग, बागलकोट, विजयपुरा, चित्रदुर्ग, चिक्कमगलूरु, धारवाड, बेलगावी, कोप्पल, बेंगलूरु ग्रामीण, बेल्लारी, हासन, रायचूर, कलबुर्गी आदि जिलों में बारिश का अनुमान है। बेंगलूरु शहर, कोलार, चमराजनगर, तुमकुरु, बिदर, चिक्कबल्लापुर, यादगिरी और बेंगलूरु दक्षिण जिले में सामान्य वर्षा का अनुमान है।

ಶುಭ್ ಲಾಭ್ शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कर्नाटक में भारी बारिश: कोडागु में 25 अगस्त तक भारी वाहनों पर प्रतिबंध

कोडागु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले के उपायुक्त वेंकट राजा ने मानसून की बारिश के दौरान भूस्खलन के खतरे को देखते हुए 25 अगस्त तक जिले में भारी वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध लगा दिया है।

मानसून के फिर से शुरू होने की खबरों के बीच, भारतीय मौसम विभाग ने बुधवार को कोडागु के लिए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है। इसके बावजूद, वेंकट राजा, जो कोडागु के क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के अध्यक्ष भी हैं, ने 6 से 25 अगस्त तक लकड़ी के लट्ठे और रेत ढोने वाले सभी प्रकार के वाहनों, 18,500 किलोग्राम से अधिक पंजीकृत भार वाले मालवाहक वाहनों, और बुलेट टैंकर, जहाज के कार्गो कंटेनर, लंबी चेसिस (मल्टी-एक्सल) वाहनों और आर्टिकुलेटेड वाहनों जैसे भारी वाहनों पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह आदेश उपायुक्त द्वारा 5 अगस्त को कर्नाटक पुलिस अधिनियम 1963, आपदा प्रबंधन अधिनियम 2005, मोटर वाहन अधिनियम 1988 और कर्नाटक मोटर वाहन नियम 1989 के प्रावधानों के तहत जारी किया गया था। इस आदेश में उर्वरक, रसोई गैस और ईंधन, दूध ढोने वाले वाहनों, सरकारी काम के लिए इस्तेमाल होने वाले वाहनों, स्कूल, कॉलेज और मल्टी-एक्सल बसों सहित सार्वजनिक परिवहन वाहनों को छूट दी गई है। उपायुक्त ने कोडागु जिला पुलिस अधीक्षक को भारी वाहनों पर प्रतिबंध के संबंध में आवश्यक साइनबोर्ड और सूचना पट्ट लगाने के लिए अधिकृत किया है। साथ ही, राष्ट्रीय राजमार्ग 275 पर जिले की सीमाओं को चिह्नित करने वाले कुशलनगर और संपाजे में उचित जाँच चौकियाँ स्थापित करने के निर्देश भी जारी किए हैं। इन जाँच चौकियों पर चौबीसों घंटे पुलिस बल तैनात करने, आदेश का पालन सुनिश्चित करने के लिए मोबाइल गश्त करने और आदेश का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध कानून के तहत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। मानसून के दौरान, मिट्टी में नमी बढ़ने के कारण सड़कों की स्थिति प्रतिदिन खराब होती जाती है। भारी माल-वाहक वाहनों की आवाजाही से सड़क के किनारों पर भूस्खलन होने और दुर्घटनाएँ होने की संभावना बनी रहती है। कोडागु की सड़कें तीखे मोड़ों और तीव्र ढलानों से भरी हैं। पिछले पाँच वर्षों में, कोडागु में कई सड़कें, जो भारी बारिश और बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुई हैं, पहले से ही मरम्मत के अधीन हैं। इसलिए, भारी वाहनों की आवाजाही से उत्पन्न जोखिम को देखते हुए, अधिकारियों ने सड़कों, सार्वजनिक संपत्ति और यात्रियों की सुरक्षा के लिए भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाना उचित समझा है। हालांकि, 12 टन तक वजन वाले हल्के वाहन, बसें और मालवाहक वाहन इस प्रतिबंध से मुक्त हैं।

कुष्ठ रोगियों के लिए करुणा का संबल बना मातृछाया जैन महिला संगठन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
सेवा, करुणा और मानवता का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करते हुए श्री मातृछाया जैन महिला संगठन ने मागड़ी रोड स्थित कुष्ठ रोग अस्पताल 'दी सेंट्रल लेप्रोसी हॉस्पिटल' में जाकर रोगियों को फल, स्लिपर्स, गाउन और विविध खाद्य एवं आवश्यक सामग्री वितरित की। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने कहा कि सेवा ही सच्चा धर्म है। इन रोगियों की स्थिति अत्यंत दयनीय है, और समाज का हर वर्ग इनकी सहायता के लिए आगे आए, यही आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि जरूरतमंदों तक समय पर सहायता पहुँचाना ही दान की सबसे श्रेष्ठ भावना है। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमें यह सेवा करने का अवसर मिला। सचिव रेशमा बड़ोला ने बताया कि संगठन आगे भी अस्पताल के रोगियों के लिए मासिक सहयोग निरंतर जारी रखेगा। कार्य संयोजिका कविता जैन एवं मनीषा सालेचा ने बताया कि इस सेवा कार्य से सैकड़ों मरीजों के चेहरों पर मुस्कान आई और उनके मन में शीघ्र स्वस्थ होने की नई ऊर्जा व आशा का संचार हुआ। अस्पताल प्रबंधक ने धन्यवाद देते हुए कहा कि 'मातृछाया' ने जिस संवेदनशीलता और आत्मीयता के साथ रोगियों की सेवा की है, वह सराहनीय है। इन रोगियों को समाज की दूरी नहीं, बल्कि सहानुभूति और तात्कालिक चिकित्सा सहायता की आवश्यकता है। यह सहयोग इन्हें शारीरिक राहत के साथ मानसिक बल भी प्रदान करेगा। इस अवसर पर निर्मला दांतेवड़िया, पुष्पा बाफना, नीलम ललवानी, त्रिशला दांतेवड़िया, पवन मुथा, पुष्पा सोनिगरा, कंचन जैन आदि उप-स्थित थी।

कर्नाटक ने 2.3 लाख कुत्ते के काटने के मामलों की रिपोर्ट की, छह महीने में 19 रेबीज की मौत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक ने राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 2025 के पहले छह महीनों में 2.31 लाख डॉग के काटने के मामलों और 19 रेबीज से संबंधित मौतों की सूचना दी है। संख्या 2024 में इसी अवधि की तुलना में एक महत्वपूर्ण वृद्धि को चिह्नित करती है, जब 1.69 लाख कुत्ते के काटने के मामलों और 18 रेबीज की मौत दर्ज की गई थी, जो काटने की घटनाओं में 36.20 प्रतिशत की वृद्धि का संकेत है। पिछले साल, राज्य ने 2024 के अंत तक 3.6 लाख डॉग के काटने के मामले और 42 रेबीज की मौत दर्ज की थी। वर्तमान वर्ष के डेटा, 1 जनवरी से 30 जून तक की अवधि को कवर करते

हुए, स्वास्थ्य विभाग के एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (आईडीएसपी) के तहत संकलित किया गया है। हाल ही में एक घटना, जहां एक तीन साल की लड़की पर हमला करने और खींचने वाले आवारा कुत्तों का एक वीडियो वायरल हो गया, आगे आवारा कुत्तों के बढ़ते खतरे को रेखांकित किया। अधिकारियों ने स्वीकार किया कि पहले ऐसे मामले अक्सर अप्राप्य हो गए थे, लेकिन बेहतर रिपोर्टिंग तंत्रों ने अब प्रकाश में अधिक सटीक डेटा ला दिया है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याणकारी विभाग के प्रमुख सचिव, हर्ष गुप्ता ने कहा ये घटनाएं नई नहीं हैं, लेकिन पहले उन्हें इस स्तर की सटीकता के साथ रिपोर्ट नहीं किया गया था। अब, बेहतर रिपोर्टिंग सिस्टम हमें इस मुद्दे की सीमा को समझने में मदद कर रहे हैं। बढ़ते संकट को संबोधित करने के लिए, विभाग कई कदम उठा रहा है, जिसमें सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना और डॉक्टरों को प्रशिक्षित करना शामिल है कि कैसे कुत्ते के काटने के शिकार लोगों का इलाज किया जाए। गुप्ता ने कहा कि शहरी स्थानीय निकायों और ग्राम पंचायतों को भी आवारा कुत्ते की आबादी को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने का निर्देश दिया गया है।

पुलिस ने 22.32 लाख का सोना जब्त किया अंतर-जिला चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले की शिर्वा पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए 22.32 लाख रुपये मूल्य के 248.76 ग्राम सोने के आभूषण और ठोस सोना जब्त किया है और चोरी के आभूषणों की बिक्री में शामिल एक प्रमुख सहयोगी सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार किए गए लोगों में उप्पला निवासी के. ई. मोहम्मद भी शामिल है, जिसने कथित तौर पर कुख्यात अंतर-जिला चोर इत्ते बारपे अबुबक्कर, जिसे पहले शिर्वा पुलिस ने गिरफ्तार किया था, द्वारा सौंपे गए चोरी के सोने को प्राप्त किया और उसे बेचने का प्रयास किया।

यह मामला 27 जून की रात शिर्वा थाना क्षेत्र के मट्टारू में बब्बाराय दैवस्थान के पास पवित्रा पुजारी के घर पर हुई चोरी से संबंधित है।

चोरों ने घर में घुसने के लिए खिड़की के हुक और कुंडी तोड़ दी थी और लगभग 137 ग्राम सोने के आभूषण चुरा लिए थे। शिर्वा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। सुरागों पर कार्रवाई करते हुए, शिर्वा पुलिस ने 21 जुलाई को मूडबिद्री में मुख्य संदिग्ध इत्ते बरपे अबुबक्कर को गिरफ्तार कर लिया और उसके कब्जे से लगभग 7.50 लाख रुपये मूल्य के 66.76 ग्राम सोने के आभूषण और अपराध में प्रयुक्त स्कूटर बरामद किया। उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पूछताछ करने पर, अबुबक्कर ने खुलासा किया कि उसने शिर्वा मामले और पिछली चोरियों से चुराए गए सोने के आभूषण उप्पला निवासी के. ई. मोहम्मद को बेचने के लिए सौंप दिए थे। इसके आधार पर, पुलिस ने मोहम्मद को गिरफ्तार कर लिया और उडुपी जिले के शिर्वा, पदुबिद्री और करकला ग्रामीण पुलिस थानों में दर्ज मामलों से संबंधित 182 ग्राम सोना बरामद किया।

उसे भी न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। यह अभियान उडुपी जिले के पुलिस अधीक्षक हरिराम शंकर के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुधाकर एस. नाइक और करकला की एएसपी डॉ. हर्षा प्रियंवदा के मार्गदर्शन में चलाया गया। जाँच का नेतृत्व कौप सर्कल इंस्पेक्टर जयश्री एस. माने ने किया, जिसमें शिर्वा पीएसआई मंजूनाथ मारबाथ, अपराध पीएसआई लोहित कुमार एस, पदुबिद्री पीएसआई अनिल कुमार टी. नाइक और अन्य कर्मचारी शामिल थे।

सीसीटीवी निगरानी के बिना एक ग्रामीण क्षेत्र, मट्टारू में हुई चोरी को शिर्वा पुलिस ने गंभीरता से लिया।

पीएसआई मंजूनाथ मारबाथ और अपराध पीएसआई लोहित के नेतृत्व में, दो टीमों का गठन किया गया और आरोपियों का पता लगाने के लिए पाँच जिलों - शिवमोग्गा, हासन, चिक्कमगलूरु, गदग और मेंगलूरु - में अभियान चलाया गया।

कर्नाटक कैबिनेट आज नागमोहन दास रिपोर्ट को दे सकती है मंजूरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य मंत्रिमंडल, जिसकी गुरुवार को बैठक होने की उम्मीद है, एच.एन. नागमोहन दास की अध्यक्षता वाले आयोग की सिफारिशों को मंजूरी दे सकता है, जिसने सोमवार को कर्नाटक में 101 अनुसूचित जातियों के लिए आंतरिक आरक्षण पर अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंपी थी। लीक हुए आंकड़ों के अनुसार, रिपोर्ट में लम्बानी, कोरमा, कोराचा और भोवी (स्पृश्य समुदाय) के लिए 4 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश

की गई है, जबकि पिछली भाजपा सरकार के दौरान 4.5 प्रतिशत आरक्षण की सिफारिश की गई थी। इसमें दलित वामपंथी को 6 प्रतिशत, दलित दक्षिणपंथी को 5 प्रतिशत, सूक्ष्म समुदायों के रूप में वर्गीकृत 40 से अधिक खानाबदोश जनजातियों को 1 प्रतिशत और आदि कर्नाटक (एके), आदि द्रविड़ (एडी) और आदि आंध्र (एए) समुदायों को 1 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया गया है।

विधानसभा उपाध्यक्ष रुद्रप्पा लमानी और पूर्व एमएलसी प्रकाश राठौड़ सहित लंबानी समुदाय के नेताओं ने कहा कि समुदाय आयोग द्वारा सुझाए गए 4 प्रतिशत कोटे से निराश है और 5 प्रतिशत कोटे की मांग कर रहा है, क्योंकि 80 प्रतिशत से ज्यादा लोग गरीबी रेखा से नीचे और प्रवासी जीवन जी रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि समुदाय के आँकड़े एकत्र करने के लिए अपनाई गई पद्धति में कई खामियाँ हैं। राठौड़ ने आँकड़ों की प्रामाणिकता पर सवाल उठाया और दावा किया कि लंबानी समुदाय राज्य की अनुसूचित जाति की आबादी का 4.68 प्रतिशत है। इस बीच, आंतरिक आरक्षण की मांग कर रहे दलित वामपंथी समूहों ने कहा है कि सरकार को रिपोर्ट की सिफारिशों को जल्द से जल्द लागू करना चाहिए।

राज्य सरकार ने तीन आईएएस अधिकारियों को एसी का दर्जा देने का दिया आदेश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
राज्य सरकार ने 2023 बैच के तीन आईएएस अधिकारियों को उप-मंडल अधिकारी का पद प्रदान करने का आदेश जारी किया है, जो इस पद की प्रतीक्षा में थे। पी. श्रवण कुमार को उत्तर कन्नड़ जिले के कुमता उप-मंडल का उप-मंडल अधिकारी नियुक्त किया गया है और कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग ने आदेश दिया है। दिनेश कुमार मीणा को चामराजनगर जिले के कोल्लेगल उप-मंडल का उप-मंडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्हें दक्षिण कन्नड़ जिले के मेंगलूरु उप-मंडल का उप-मंडल अधिकारी नियुक्त करने का आदेश जारी किया गया है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने बुधवार को फ्रीडम पार्क परिसर का दौरा किया, जहां 8 अगस्त को केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा प्रायोजित मतदान धांधली के खिलाफ विरोध सभा आयोजित की जाएगी तथा तैयारियों की समीक्षा की।

धर्मस्थल मामला : एसआईटी 13वें स्थान पर कंकालों की कर रही तलाश

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
धर्मस्थल में संदिग्ध मौतों के आरोपों की जाँच कर रहे एसआईटी अधिकारियों ने बुधवार को प्वाइंट 13 पर खुदाई शुरू की। एक अज्ञात व्यक्ति एसआईटी अधिकारियों को बंगलागुड्डा में पहले दिखाई गई जगह के अलावा किसी अन्य स्थान पर ले गया था। वहाँ जमीन की सतह पर कई हड्डियाँ मिलीं। उन्हें जब्त करने वाले एसआईटी अधिकारियों को लग रहा है कि बंगलागुड्डा में आत्महत्या की होगी। इसलिए, एसआईटी अधिकारी इस बात को लेकर असमंजस में हैं कि जमीन की

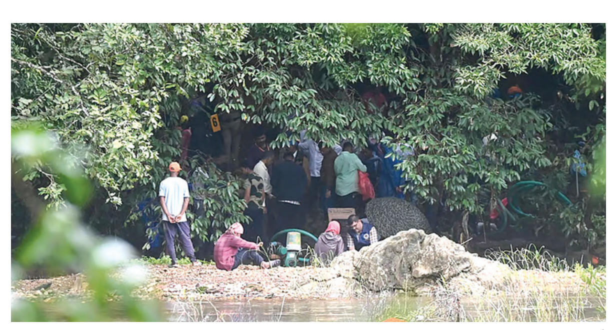

सतह पर मिली हड्डियों की जाँच की जाए या नहीं। इस बीच, प्वाइंट 13 पर लगभग अंतिम चरण का काम चल रहा है। सुजाता भट्ट के वकील मंजूनाथ ने कहा है कि प्वाइंट 13 पर शव जरूर मिलेंगे, जिससे तरह-तरह की चर्चाएँ शुरू हो गई हैं। प्वाइंट 13 के आसपास घास उग आई है, और केवल उस अज्ञात व्यक्ति द्वारा चिन्हित जगह ही खाली है। इसका मतलब है कि शवों को यहाँ गलती से लाया गया होगा। 2018-19 से पहले जिस जगह 13वें प्वाइंट की पहचान की गई थी, वह जल प्रवाह क्षेत्र था। स्थानीय लोगों ने बताया है कि पड़ोसी जमीन से हो रहे कटाव को कृत्रिम रूप से मिट्टी डालकर बनाया गया है।

नेत्रावती स्नानघाट के किंदी बांध के पास सड़क किनारे स्थित इस जगह पर शव मिलने की गुमनाम शिकायतकर्ता की दृढ़ धारणा ने कई चर्चाओं को जन्म दिया है। एहतियात के तौर पर पुलिस ने कड़े सुरक्षा उपाय किए हैं। 13वें बिंदु की खुदाई 14वें अभियान के रूप में की गई, इसके अलावा उन 13 जगहों की भी खुदाई की गई जिनकी अब तक जाँच नहीं हो पाई थी। बताया जा रहा है कि एसआईटी के अधिकारी कह रहे हैं कि इस पहले की खुदाई में कोई भी ऐसी जानकारी या सबूत नहीं मिला जिसे उनकी जाँच के लिए गंभीर माना जा सके। इस बीच, गुमनाम शिकायतकर्ता ने कहा कि वह 17 और जगहों की पहचान करेगा, जिन पर एसआईटी ने विचार नहीं किया। इससे आगे की घटनाएँ सामने आई हैं। गौरतलब है कि सत्तारूढ़ दल के प्रवक्ता, वकील सूर्यमुकुंद राज ने एसआईटी एसपी जितेंद्र दयामा की पृष्ठभूमि पर संदेह व्यक्त किया है और एसआईटी जाँच पर भी संदेह जताया है।

उत्तराखंड में फर्जी राशन कार्ड का बड़ा खुलासा

एक लाख से अधिक राशन कार्ड फर्जी!

देहरादून, 06 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तराखंड में बाहरी लोगों के सत्यापन के दौरान लाखों की तादाद में फर्जी राशन कार्ड बनाए जाने का मामला उजागर हुआ है। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी जिलों में राशन कार्डों का भी सत्यापन करने का अभियान शुरू करने का निर्देश दिया है। उत्तराखंड में एक लाख से अधिक फर्जी राशन कार्डों का गड़बड़झाला सामने आने की संभावना जताई गई है।

शुरुआती जांच में ही दस हजार राशन कार्डों का फर्जीवाड़ा पकड़ में आया। शासन ने आधिकारिक तौर पर बताया कि बागेश्वर जिले में 5307, देहरादून में 3 हजार 333 और पौड़ी जिले में 961 फर्जी राशन कार्ड चिन्हित किए गए। अभी तीन जिलों में ही जांच-पड़ताल का काम पूरा हुआ है। शेष जिलों में राशन कार्डों के सत्यापन का काम चल रहा है।

मुख्यमंत्री धामी के निर्देश पर फर्जी राशन कार्ड को रद्द करने का काम भी शुरू हो गया है साथ ही इनके जरिए लिए गए राशन की भी जांच पड़ताल की जा रही है। धामी सरकार का मानना है कि फर्जी राशन कार्डों के जरिए सरकारी राशन लेकर उसे बाजार में बेचा जा रहा था। ऐसी सूचना मिलने पर ही सत्यापन ड्राइव चलाई गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि फर्जी राशन कार्ड के जरिए सरकारी राशन हड़पने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि हमने सत्यापन की ड्राइव चलाई है जिसके अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं।

दिल्ली सरकार ने की महत्वपूर्ण घोषणा

आधार कार्ड नहीं तो सरकारी योजना का फायदा नहीं

नई दिल्ली, 06 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने ऐलान कर दिया है कि राज्य की सरकारी योजनाओं के लिए आधार कार्ड अनिवार्य होगा। आधार कार्ड के जरिए देशभर के तमाम राज्यों में लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलता है। दिल्ली की भाजपा सरकार ने आधार कार्ड की अनिवार्यता को लेकर दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को प्रस्ताव भेजा था। उपराज्यपाल ने उस प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है। राजधानी में कई सरकारी योजनाओं के तहत वित्तीय लाभ प्राप्त करने के लिए आय प्रमाण पत्र एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। दिल्ली सरकार का कहना है कि इस निर्णय का उद्देश्य आवेदकों को आय प्रमाण पत्र जारी करने में किसी भी अनियमितता या भ्रष्टाचार को समाप्त करना है और इस प्रकार यह सुनिश्चित करना है कि किसी योजना या वित्तीय सहायता के तहत पंजीकृत केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही लाभ मिले। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा दिए गए प्रस्ताव में आय प्रमाण पत्र जारी करने की सेवा को आधार अधिनियम, 2016 की धारा 7 के अंतर्गत लाने का प्रावधान है। यह प्रावधान राज्य या केंद्र सरकार को राज्य के सब्सिडी, सेवाएं या लाभ प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की पहचान के लिए आधार-आधारित वेरिफिकेशन को अनिवार्य बनाने की अनुमति देता है। राजस्व विभाग द्वारा जारी आय प्रमाण पत्र का उपयोग कई कल्याणकारी योजनाओं के लिए पात्रता निर्धारित करने के लिए किया जाता है, जिसमें एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों के छात्रों के लिए ट्यूशन फीस प्रतिपूर्ति; पेंशन और दिल्ली आरोग्य कोष के तहत स्वास्थ्य संबंधी वित्तीय सहायता शामिल है। इस मामले में राजस्व विभाग के अधिकारियों ने बताया कि आधार के इस्तेमाल से सर्विसेज देना आसान होगा और पारदर्शिता भी बढ़ जाएगी। इसके साथ ही आधार कार्ड की वजह से योजनाओं का लाभ उन्हीं लोगों तक पहुंचेगा, जो कि उसके पात्र होंगे।

मोदी ने धामी से ली धराली आपदा और राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी

देहरादून, 06 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार सुबह उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से फोन पर बातचीत कर उत्तरकाशी के धराली क्षेत्र में मंगलवार को आयी प्राकृतिक आपदा तथा राहत एवं बचाव कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। धामी ने बातचीत के दौरान श्री को बताया कि राज्य सरकार राहत एवं बचाव कार्यों में पूरी तत्परता के साथ जुटी हुई है। लगातार हो रही भारी वर्षा के कारण कुछ क्षेत्रों में कठिनाइयां आ रही हैं, लेकिन सभी संबंधित एजेंसियां समन्वय के साथ कार्य कर रही हैं, ताकि प्रभावित लोगों को त्वरित सहायता मिल सके।

प्रधानमंत्री ने श्री धामी को केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। बातचीत के बाद, मुख्यमंत्री धराली बाजार, हर्षिल एवं आसपास के क्षेत्रों में आपदा से हुयी क्षति का निरीक्षण करने के लिए सहस्त्रधारा हेलीपैड से निकल गये।

गौरतलब है कि उत्तरकाशी में आयी इस आपदा से धराली और हर्षिल दोनों ही क्षेत्रों में भारी नुकसान हुआ है। हर्षिल के तेलगाड में भी बादल फटा, जिससे सेना के कैंप को बहुत नुकसान पहुंचा है। मलबे की चपेट में आने से सेना की चौकियां और कुछ बंकर दब गए हैं। हालांकि जवानों के हताहत होने की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुयी है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दुल गुसाईं के अनुसार धराली में करीब 25 से 30 लोग लापता हैं और लगभग 20 से 25 होटल तथा दुकानें क्षतिग्रस्त हुयी हैं।

सेब की बागवानी के लिए प्रसिद्ध इस क्षेत्र में बागवानी भी बुरी तरह प्रभावित हुयी है। सड़कें भी जगह, जगह टूट गईं या बह गई हैं। इसलिए राहत दलों को घटना स्थल तक पहुंचने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। गंगोत्री तक लाइनें टूट जाने से बिजली आपूर्ति पूरी तरह बंद है। प्रशासन नुकसान का आकलन कर राहत और बचाव कार्यों में जुटा हुआ है।

एफपीओ डायरेक्टर्स समिट में प्रभावी रहा वैमानिका एयरोस्पेस

स्वर्णिम मध्य प्रदेश विजन 2047 के तहत हुआ आयोजन

भोपाल, 06 अगस्त (एजेंसियां)। भोपाल में हुए एफपीओ डायरेक्टर्स समिट में वैमानिका एयरोस्पेस की प्रभावी भूमिका रही। वैमानिका एयरोस्पेस ने समित में अपने अत्याधुनिक कृषि ड्रोन तकनीक का प्रदर्शन किया। यह समिट स्वर्णिम मध्य प्रदेश विजन 2047 के अंतर्गत आयोजित किया गया था, जिसमें देशभर से 200 से अधिक एफपीओ डायरेक्टर्स शामिल हुए। इस महत्वपूर्ण आयोजन में भारतीय किसान संघ के अखिल भारतीय अध्यक्ष साईं रेड्डी ने वैमानिका एयरोस्पेस को आमंत्रण दिया था। समिट के दौरान विभिन्न कंपनियों द्वारा अपने-अपने उत्पादों का प्रदर्शन किया गया, लेकिन वैमानिका एयरोस्पेस का स्टॉल सबसे ज्यादा चर्चा में रहा। कई एफपीओ प्रतिनिधियों और डायरेक्टर्स ने स्टॉल पर आकर

ड्रोन की कार्यप्रणाली, उसकी उपयोगिता, लागत में कमी, और खेती में संभावित लाभों के बारे में विस्तार से जानकारी ली। प्रतिनिधियों ने बताया कि तकनीक तो कई कंपनियों के पास थी, लेकिन किसानों के हितों को केंद्र में रखकर कार्य करने वाली सोच केवल वैमानिका में दिखी। यही कारण रहा कि पूरे समिट में वैमानिका के स्टॉल पर सबसे ज़्यादा संवाद और सहभागिता रही। कार्यक्रम के दौरान वैमानिका की टीम द्वारा अपनी बात मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव तक भी पहुंचाई गई।

साईं रेड्डी ने स्वयं उन्हें वैमानिका के कार्यों, उद्देश्यों और किसानों के लिए इसके महत्व की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री जी ने इस पहल की सराहना करते हुए कृषि के क्षेत्र में तकनीक के योगदान को प्रोत्साहित करने की बात कही। इस अवसर पर वैमानिका की ओर से उन्हें एक स्मृति-चिन्ह भी भेंट किया गया, जिसे उन्होंने ससम्मान स्वीकार किया।

वैमानिका की टीम को 200 से अधिक एफपीओ डायरेक्टर्स से प्रत्यक्ष संवाद का अवसर मिला। कई एफपीओ प्रतिनिधियों ने भविष्य में वैमानिका से सहयोग करने की इच्छा जताई और अपने-अपने क्षेत्रों में ड्रोन आधारित कृषि समाधान अपनाने की बात कही। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि किसान अब तकनीक के साथ कदम मिलाने को तैयार हैं, बस उन्हें सही मार्गदर्शन और सही साझेदार की आवश्यकता है। वैमानिका एयरोस्पेस का लक्ष्य हर किसान के खेत तक ड्रोन तकनीक पहुंचाना है, जिससे खेती स्मार्ट, सुरक्षित और मुनाफे वाली हो सके। भारत में निर्मित वैमानिका के कृषि ड्रोन आज देश के कई राज्यों में किसानों की मदद कर रहे हैं और यह यात्रा अब मध्य प्रदेश में भी तेजी से आगे बढ़ रही है।

एनआरसी और एसआईआर को लेकर भाजपा पर बरसीं ममता बनर्जी, बोलीं- डरने की कोई ज़रूरत नहीं है

कोलकाता, 06 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) गतिविधि चलाने की भाजपा की मांग पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) केंद्रीय गृह मंत्री के एजेंट के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि अगर असली मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए तो वह अपनी आवाज उठाती रहेंगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को झारग्राम में एक विरोध मार्च निकाला और भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के उत्पीड़न का आरोप लगाया।

ममता बनर्जी ने कहा कि अगर असली मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए गए, तो

मैं पूरी दुनिया में विरोध करूंगी। मालपुआ (भाजपा नेता अमित मालवीय) मेरी गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं।

चाहे आप मुझे गिरफ्तार करने आएं या गोली मार दें, मैं बंगाली भाषा के अपमान के खिलाफ विरोध करती रहूँगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह (एसआईआर) योजना केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई है, जिसमें निर्वाचन आयोग को भी शामिल किया गया है। हम इससे सहमत नहीं हैं। उन्होंने तर्क दिया कि इस प्रक्रिया के लिए माता-पिता के जन्म प्रमाण-पत्र सुरक्षित रखना सभी के लिए संभव नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह पश्चिम बंगाल में एसआईआर लागू करने के किसी भी प्रयास को स्वीकार नहीं करेंगी।

ममता बनर्जी ने कहा कि एसआईआर की चल रही गतिविधियों के पीछे एनआरसी की साज़िश है। असम में लगभग सात लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं, जिनमें हिंदू बंगाली भी शामिल हैं।

कूचबिहार और अलीपुरद्वार में नोटिस भेजे जा रहे हैं और भारतीय निवासियों को बांग्लादेश भेजा जा रहा है। मतदाता सूची से एक भी नाम नहीं छूटना चाहिए। हमारे दो अधिकारियों को उनके निलंबन के संबंध में चुनाव आयोग से नोटिस मिला है। डरने की कोई ज़रूरत नहीं है। चुनाव में आठ-नौ महीने बाकी हैं, लेकिन भाजपा ने अभी से लोगों को निलंबित करना शुरू कर दिया है। चुनाव आयोग भाजपा के एजेंट के रूप में काम कर रहा है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि उन्हें लगता है कि वह जो कहेंगे वही होगा।

उन्होंने कहा कि उन्हें एकमुश्त बहुमत नहीं मिला है। अगर आपको लगता है कि आप चुनाव आयोग की मदद से लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा देंगे, तो हम सभी ने घर में जन्म लिया है। हम जन्म प्रमाण पत्र कहां से लाएंगे? वे कहते हैं कि जो 41 या 42 साल के हैं, उन्हें भी अपने माता-पिता का जन्म प्रमाण पत्र लाना होगा। गृह मंत्री का जन्म प्रमाण पत्र कहां है? मुझे अपने माता-पिता का जन्म प्रमाण पत्र दिखाइए। परसों उन्होंने कहा था कि वे ऐसा करेंगे। सर, हम जिस देश और बंगाल में जानते हैं, वहां सभी धर्म समान हैं।

भारत और रूस के बीच रक्षा साझेदारी को और बढ़ाने पर चर्चा

मॉस्को, 06 अगस्त (एजेंसियां)। रूस के उप रक्षा मंत्री कर्नल जनरल अलेक्जेंडर फोमिन ने बुधवार को रूस में भारत के राजदूत विनय कुमार से मुलाकात की, जिसमें दोनों पक्षों ने भारत-रूस विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।

रूसी रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया, बातचीत के दौरान दोनों पक्षों ने रक्षा क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग से जुड़े समसामयिक मुद्दों पर चर्चा की और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी के रूप में इस सहयोग को और मजबूत करने के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

बयान में यह भी उल्लेख किया गया कि बैठक एक गर्मजोशी और मित्रता पूर्ण वातावरण में हुई, जो कि भारत-रूस संबंधों की पारंपरिक विशेषता रही है।

भारत और रूस के बीच रक्षा क्षेत्र में लंबे समय से गहरा और व्यापक सहयोग रहा है, जिसे दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की अध्यक्षता वाले भारत-रूस अंतर-सरकारी आयोग द्वारा मार्गदर्शित किया जाता है।

दोनों देशों के बीच एस-400 वायु रक्षा प्रणाली की आपूर्ति, टी-90 टैंकों और सुखोई-30 एमकेआई की लाइसेंस प्राप्त उत्पादन, मिग-29 और कामोव हेलीकॉप्टरों की आपूर्ति, आईएनएस विक्रमादित्य (पूर्व में एडमिरल गोर्शकोव), भारत में एके-203 राइफल्स और ब्रह्मोस मिसाइलों के उत्पादन सहित कई द्विपक्षीय परियोजनाएं जारी हैं।

नई दिल्ली और मॉस्को इस बात को स्वीकार करते हैं कि अब सैन्य-तकनीकी सहयोग पारंपरिक खरीद-बिक्री मॉडल से आगे बढ़कर संयुक्त अनुसंधान, सह-विकास और उन्नत रक्षा प्रौद्योगिकी एवं प्रणालियों के संयुक्त उत्पादन तक पहुंच चुका है। मई में पाकिस्तान के खिलाफ निर्णायक 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने सफलतापूर्वक जवाबी कार्रवाई की थी और कई मिसाइल हमलों को विफल करते हुए दुश्मन को भारी क्षति पहुंचाई थी। इस दौरान एस-400 वायु रक्षा प्रणाली की भूमिका को काफी सराहा गया।

रणनीतिक योजना और सैन्य तैयारियों के मद्देनज़र भारत जल्द ही और एस-400 सिस्टम की खरीद करने जा रहा है।

इस बीच, भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल भी इन दिनों मॉस्को में हैं, जहां वे वरिष्ठ रूसी अधिकारियों से मुलाकात कर भारत-रूस रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर चर्चा कर रहे हैं।

गिरिराज पर प्रशांत का हमला, बोले-

गरीब और प्रवासियों का वोटर लिस्ट से नाम काटने की हो रही साजिश

बेगूसराय , 06 अगस्त (एजेंसियां)। जन सुराज अभियान के तहत बिहार के विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे प्रशांत किशोर (पीके) ने बेगूसराय के बखरी विधानसभा क्षेत्र में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान जनसैलाब उमड़ा और जनता के बीच खासा उत्साह देखने को मिला। सभा के बाद पत्रकारों से बात करते हुए पीके ने केंद्रीय मंत्री और बेगूसराय सांसद गिरिराज सिंह पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और सत्ताधारी दल मिलकर एसआईआर (डखठ) के बहाने समाज के वंचित, गरीब और प्रवासी लोगों का नाम वोटर लिस्ट से काटने की साजिश रच रहे हैं।

प्रशांत किशोर ने गिरिराज सिंह के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी जिसमें उन्होंने कहा था कि एसआईआर को लेकर विपक्षी पार्टियां लोगों को भ्रमित कर रही हैं। पीके ने कहा कि सरकार को मालूम है कि बिहार से बाहर मजदूरी करने गए बच्चे जब लौटेंगे, तो वे एनडीए के खिलाफ वोट देंगे। इसलिए भाजपा और चुनाव आयोग के सहयोग से उनका नाम वोटर लिस्ट से हटाने की कोशिश हो रही है। उन्होंने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट स्पष्ट कर चुका है कि जिसके पास आधार कार्ड है, वह वोट देने का अधिकारी है और चुनाव आयोग किसी की नागरिकता तय नहीं कर सकता।

पीके ने भरोसा दिलाया कि जिसका भी नाम काटा जाएगा, उसके लिए हम लोग लड़ेंगे। लेकिन उन्होंने यह भी जोड़ा कि नाम कटने के बाद भी जो

लोग वोटर लिस्ट में बचेंगे, वही भाजपा और नीतीश कुमार को सत्ता से बाहर करने के लिए काफी होंगे।

मुंगेर के जमालपुर में जनसभा की अनुमति न मिलने के सवाल पर पीके ने बेबाकी से कहा कि जनता को किसी की परमिशन की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हम जामवंत हैं और जनता हनुमान है। हम सिर्फ जनता को उसकी ताकत दिखाने आए हैं। पीके ने दावा किया कि जन सुराज के दबाव में ही सरकार को कई योजनाओं और लाभों में बदलाव करने पड़े, जैसे बुजुर्गों की पेंशन जो 20 वर्षों से ₹400 पर रुकी थी, वह बढ़ाई गई और आशा कार्यकर्ताओं का मानदेय और रसोइयों का वेतन भी दोगुना हुआ। उन्होंने कहा कि अब सरकार डोमिसाइल नीति लागू करने जा रही है, जो बताता है कि जनता के पास यदि विकल्प हो तो लोकतंत्र में असली बदलाव संभव है।

बिहार में डोमिसाइल नीति को लेकर हो रही घोषणाओं पर भी पीके ने सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि अभी सरकार सिर्फ टीआरई-4 (शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया) के लिए डोमिसाइल लागू करने की बात कर रही है, वह भी 85% आरक्षण तक सीमित है। उन्होंने नीतीश कुमार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि 2023 में जब प्रधानमंत्री बनने का लालच था, तो डोमिसाइल नीति हटा दी गई। तीन लाख शिक्षकों की बहाली हो गई, जिसमें अधिकांश बिहार से बाहर के लोग शामिल हो गए। अब जब चुनाव सामने है, तो फिर से डोमिसाइल की बात हो रही है, लेकिन यह सिर्फ दिखावा है। पीके ने दो टूक कहा कि जन सुराज की मांग है कि बिहार में कम से कम दो-तिहाई डोमिसाइल आरक्षण हमेशा के लिए लागू हो।

सामाजिक एकता का प्रतीक बन चुकी है कांवड़ यात्राः सीएम योगी

बरेली में 2,264 करोड़ की 545 परियोजनाओं का लोकार्पण

बरेली, 06 अगस्त (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को नाथ नगरी बरेली में 2264 करोड़ की लागत से जुड़ी 545 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों की तुष्टिकरण की राजनीति पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व कांवड़ यात्रा को बदनाम करने की साजिश रचते हैं, लेकिन समाज की जागरूकता और प्रशासन की तत्परता से ऐसे तत्व विफल हो जाते हैं।

यह यात्रा अब सामाजिक एकता का प्रतीक बन चुकी है। बरेली में लाखों श्रद्धालुओं ने नाथ गलियारे में जलाभिषेक कर अपनी आस्था प्रकट की, जो शहर की नई पहचान बन रही है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने रोजगार मेले के माध्यम से चयनित 6000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए और विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र व टैबलेट प्रदान किए।

सीएम योगी ने कांवड़ यात्रा की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि लोगों की भावनाओं के विपरीत कांवड़ यात्रा को बदनाम करने का कुत्सित प्रयास किया गया, लेकिन आज कांवड़ यात्रा की सफलता जागरूक समाज और बेहतरीन कानून-व्यवस्था से उन लोगों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। डबल इंजन की भाजपा सरकार विरासत को विकास के साथ जोड़ कर काम कर रही है। 2017 से पहले बरेली हर तीसरे महीने दंगों की आग में जलता था, अब वह नाथ कॉरिडोर और आध्यात्मिक पर्यटन के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि अब किसी योजना में जाति, मजहब या क्षेत्र के आधार पर भेदभाव नहीं किया जाता है। यह नया भारत है, जो सबका साथ-सबका विकास की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। आज बरेली में तेजी के साथ विकास हो रहा है। डबल इंजन की सरकार लोगों के जीवन में खुशहाली और समृद्धि लाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बरेली को 2264 करोड़ की 545 परियोजनाओं का तोहफा मिला है, जिसमें 1258 करोड़ की 222 परियोजनाओं का लोकार्पण और 1004 करोड़ की 322 परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया है। इनमें नाथ गलियारा, बाढ़ सुरक्षा, ब्रिज, बाईपास, सड़क चौड़ीकरण, यूनानी मेडिकल कॉलेज, ग्रामीण पेयजल योजना, ऊर्जा विभाग और नगर निगम की योजनाएं शामिल हैं। नाथ गलियारे के अंतर्गत अलखनाथ, त्रिपाठी नाथ, गोपेश्वरनाथ, पशुपतिनाथ जैसे मंदिरों को पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने रोजगार मेले के माध्यम से चयनित 6000 से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। सीएम योगी ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना का लाभ लेने के लिए युवाओं के प्रेरित करते हुए कहा कि इस योजना में चयनित युवाओं को 5 लाख तक गारंटी मुक्त और ब्याज मुक्त ऋण, समय पर पुनर्भुगतान पर 7.5 लाख और फिर 10 लाख तक का ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि 2017 से पहले सरकारी नौकरियों पर बंदरबांट होती थी। चाचा, भतीजा और रिश्तेदार वसूली में जुट जाते थे। लेकिन पिछले 8 वर्षों में 8.5 लाख युवाओं को पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरियां दी गई हैं।

सीएम योगी ने बताया कि हाल ही में 60,244 पुलिसकर्मियों की भर्ती पूरी हुई है, जिसमें 12,000 से अधिक बेटियों को शामिल किया गया है।

उन्होंने जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया कि इन चयनित अभ्यर्थियों और उनके परिजनों को सार्वजनिक रूप से सम्मानित किया जाए ताकि समाज में प्रेरणा का संचार हो। उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों में नौकरी केवल परिवार विशेष के लिए होती थी, अब युवाओं को बिना भेदभाव के अवसर मिल रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश को माफिया मुक्त और भय मुक्त बनाया है। पहले हर जिले में एक माफिया नियुक्त रहता था, अब यूपी की पहचान वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट से हो रही है। डबल इंजन की सरकार विरासत को विकास के साथ जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि कनेक्टिविटी, हाईवे, मेट्रो, एयरपोर्ट, फ्लाईओवर से प्रदेश का आधारभूत ढांचा तेजी से बदल रहा है। बरेली को पार्श्वनाथ भगवान की पावन भूमि बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी राम, कृष्ण, बुद्ध और जैन तीर्थंकरों की जन्मभूमि और तपोभूमि है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक विरासत को संरक्षित कर आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ जोड़ा जा रहा है ताकि उत्तर प्रदेश आध्यात्मिक, सांस्कृतिक और आर्थिक नेतृत्व में अग्रणी बने।

मुख्यमंत्री ने रामगंगा बाढ़ सुरक्षा, संडा पाल मार्ग चौड़ीकरण, यूनानी मेडिकल कॉलेज, नगर निगम कार्यालय, ऊर्जा विभाग भवन, गैस संरक्षण परियोजनाओं सहित 9 नई योजनाओं का लोकार्पण और कई का शिलान्यास किया। साथ ही, पर्यटन विकास के लिए रामनगर किला, अकछत्र पार्श्वनाथ दिगंबर मंदिर आदि स्थलों पर केंद्र की सहायता से योजनाओं को मंजूरी दी गई है। सीएम योगी ने डबल इंजन सरकार की सबका साथ, सबका विकास की नीति पर जोर देते हुए कहा कि हमारी सरकार बिना भेदभाव के हर नागरिक को विकास का लाभ पहुंचा रही है।

उन्होंने बरेली मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ प्रातः काल हुई बैठक का जिक्र करते हुए कहा कि विकास योजनाओं की प्राथमिकताएं जनप्रतिनिधियों के सुझावों के आधार पर तय की जा रही हैं। ये परियोजनाएं बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर और बदायूं के विकास को नई उड़ान देंगी।

इस दौरान, कैबिनेट मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, धर्मपाल सिंह, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जेपीएस राठौर, अरुण कुमार सक्सेना, राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार, सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार, जिला पंचायत अध्यक्ष रश्मि पटेल, महापौर उमेश गौतम, विधायक संजीव अग्रवाल, प्रो. श्याम बिहारी लाल, डॉ. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ. डीसी वर्मा, डॉ. एमपी आर्य, विधान परिषद सदस्य डॉ. जयपाल सिंह, बहोरन लाल मौर्य, हरी सिंह ढिल्लो, कुंवर महराज सिंह समेत कई गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

हिंदू युवतियों के धर्मांतरण से लेकर विदेशी फंडिंग तक

अब्दुल रहमान ने उगले राज कई चेहरे होंगे बेनकाब

आगरा, 06 अगस्त (ब्यूरो)। अवैध धर्मांतरण गिरोह के मास्टरमाइंड अब्दुल रहमान की रिमांड खत्म हो गई। पूछताछ के बाद उसे सीजेएम कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। रिमांड में अब्दुल ने कई राज खोले। इससे कई सफेदपोश चेहरे बेनकाब होंगे। पुलिस का कहना है कि आरोपी से पूछताछ में कई और नामों का पता चला है जो गिरोह के लिए काम कर रहे थे। वे सफेदपोश फंडिंग से लेकर युवतियों को धर्मांतरण के लिए तैयार करने में मदद कर रहे थे। जल्द ही और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। पुलिस गिरोह के पाकिस्तान, नेपाल और म्यांमार से कनेक्शन की भी पड़ताल कर रही है। गिरोह के 13 आरोपियों को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। 18 जुलाई को पुलिस ने सदर क्षेत्र की रहने वाली दो सगी बहनों को कोलकाता के तपसिया इलाके से बरामद किया था। साथ ही देश के अलग-अलग राज्यों से 10 आरोपियों को भी दबोचा था। आरोपियों से पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर गिरोह के दिल्ली निवासी मास्टरमाइंड अब्दुल रहमान उर्फ महेंद्र पाल सिंह को 21 जुलाई को गिरफ्तार किया था। तब से वह पुलिस की रिमांड पर ही था। उससे पूछताछ के बाद उसके दो बेटों समेत तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा। उससे गिरोह के बारे में जानकारी जुटाई गई।

उसके मोबाइल में व्हाट्सएप चैट और कॉल डिटेल भी खंगाली गई, जिसमें पाकिस्तान के छह नंबरों का भी पता चला। पुलिस ने अब्दुल रहमान के अलावा 13 अन्य आरोपियों से भी पूछताछ की। इसमें गिरोह से जुड़े 20 से अधिक और भी नाम सामने आए हैं। यह लोग फंडिंग से लेकर धर्मांतरण के लिए युवतियों को तैयार करते थे। यह सभी अलग-अलग राज्य के रहने वाले हैं। इनके बारे में पुलिस जानकारी जुटा रही है। पुलिस के मुताबिक, अब्दुल रहमान मूलरूप से फिरोजाबाद का रहने वाला है। उसने 35 साल पहले धर्म परिवर्तन किया था। उसका नाम महेंद्र पाल था। मजदूरी करता था। बाद में वो दिल्ली में जाकर बस गया। वह जेल में सजा काट रहे कलीम सिद्दीकी के लिए काम करने लगा।

उसका नेटवर्क चला रहा था। उसकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसके घर से बड़ी संख्या में पुस्तकें बरामद की थीं। इन पुस्तकों को धर्मांतरण के लिए युवक और युवतियों को दिया जाता था। इसमें कलीम सिद्दीकी और अब्दुल रहमान का नाम लिखा था। आरोपी की कॉल डिटेल व व्हाट्सएप चैट से पाकिस्तान के अलावा नेपाल, म्यांमार तक जाने की जानकारी भी सामने आई है। पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने कहा कि अब्दुल रहमान बड़े स्तर पर सामूहिक धर्मांतरण की योजना बना रहा था। यह सभी आरोपी के खिलाफ कोर्ट में सजा दिलाने के लिए मजबूत साक्ष्य बनेंगे। फिरोजाबाद के रजावली के गांव रामगढ़ निवासी अब्दुल रहमान उर्फ महेंद्रपाल अपने पिता प्रेमपाल सिंह, भाई भूरा और देवेंद्र खेती किया करता था।

पीड़ित महिलाओं को योगी सरकार ने दिया सहारा

1250 पीड़िताओं को दिए गए 41.75 करोड़ रुपए

लखनऊ, 06 अगस्त (ब्यूरो)। योगी सरकार उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा, न्याय और सशक्तिकरण के क्षेत्र में एक नई इबारत लिख रही है। राज्य सरकार द्वारा संचालित रानी लक्ष्मीबाई महिला एवं बाल सम्मान कोष के तहत प्रदेश में जघन्य अपराधों से पीड़ित महिलाओं को 1 लाख से 10 लाख रुपए तक की क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की जाती है। इस योजना का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि पीड़िता को सम्मानजनक पुनर्स्थापन और मनोवैज्ञानिक संबल प्रदान करना भी है।

वित्तीय वर्ष 2025-26 में इस योजना के संचालन हेतु 50 करोड़ का बजटीय आवंटन किया गया है। इस राशि के सापेक्ष अब तक राज्य की 1250 पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं को कुल 41.75 करोड़ रुपए क्षतिपूर्ति राशि उनके या उनके परिजनों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से अंतरित की जा चुकी है।

इससे पहले, वित्तीय वर्ष 2024-25 में भी योगी सरकार ने 2842 पीड़िताओं को 100 करोड़ की सहायता राशि सीधे उनके खातों में भेजी थी। यह आंकड़ा सरकार की प्रतिबद्धता और गंभीरता को दर्शाता है। इस योजना की प्रक्रिया को पारदर्शी, सरल और त्वरित बनाने के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला संचालन समिति के माध्यम से प्रत्येक मामले की समीक्षा की जाती है। समिति की स्वीकृति के पश्चात, सरकार द्वारा मुख्यालय स्तर से सीधा फंड ट्रांसफर सुनिश्चित किया जाता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार महिलाओं और बालिकाओं के प्रति अपराधों को न केवल गंभीरता से ले रही है, बल्कि पीड़ितों को त्वरित न्याय और आर्थिक राहत भी दे रही है। रानी लक्ष्मीबाई सम्मान कोष इसके सबसे सशक्त उदाहरणों में से एक है। यह कोष न केवल न्याय की प्रतीक्षा कर रही महिलाओं को आर्थिक सहायता देता है, बल्कि उन्हें नवजीवन जीने का हौसला, आत्मविश्वास और गरिमा भी प्रदान करता है

मुरादाबाद में समाजवादी पार्टी के पीडीए पाठशाला पर जमकर गरजे योगी

ग से गणपति की जगह ग से गधा पढ़ाना चाहती है सपा

मुरादाबाद में 1,172 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण

मुरादाबाद, 06 अगस्त (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज मुरादाबाद में 1,172 करोड़ की 87 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सपा सरकार ने शिक्षा में नकल को जन्मसिद्ध अधिकार बना दिया था, जिसके कारण युवाओं के सामने पहचान का संकट पैदा हो गया था। मुख्यमंत्री ने कटाक्ष करते हुए कहा, श्रद्धेय कल्याण सिंह ने बच्चों को ग से गणपति पढ़ाने का कार्य किया, लेकिन सपा सरकार ने ग से गधा पढ़ाने का काम किया।

उन्होंने सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) पाठशाला के दुष्-प्रचार पर भी निशाना साधा, इसे शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने का प्रयास करार दिया। योगी ने कहा कि सपा ने शिक्षा के मंदिरों को ध्वस्त कर दिया था, लेकिन वर्तमान सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत अत्याधुनिक शिक्षा के केंद्र स्थापित कर रही है, जैसे अटल आवासीय विद्यालय और मुख्यमंत्री अभ्युदय विद्यालय।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत डिजिटल क्लास, स्मार्ट क्लास, डिजिटल लैब, पेयजल, बालक और बालिकाओं के लिए अलग अलग टॉयलेट बनाये गये हैं। जो भवन जर्जर थे उन्हें शिफ्ट करने के आदेश दिये गये, मगर कांग्रेस और सपा अपने संस्कारों के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था को चौपट करने के लिए पीडीए पाठशाला के नाम पर दुष्प्रचार कर रही है। योगी ने सपा सरकार के दौरान भर्तियों और ट्रांसफर-पोस्टिंग में हुई वसूली और भेदभाव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पहले कौरव दल चाचा, भतीजा, भाई, काका, नाना के साथ वसूली में जुट जाता था, लेकिन 2017 के बाद जीरो टॉलरेंस नीति के तहत भर्ती और ट्रांसफर में कोई धन उगाही नहीं हो सकती। उन्होंने बताया कि पिछले आठ वर्षों में 2 लाख 16 हजार पुलिस भर्तियां पारदर्शी तरीके से हुईं, जिनमें 60,244 नई भर्तियों में 12,245 बेटियों को शामिल किया गया। योगी ने कहा, जो पैसा लेगा, वह जेल में सड़ेगा।

मुख्यमंत्री ने सपा शासनकाल को अराजकता और माफिया राज का दौर बताया। उन्होंने कहा कि सपा सरकार में वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया का एजेंडा था और हर जिले में दंगे भड़काए जाते थे। इसके विपरीत, आज उत्तर प्रदेश दंगा-मुक्त है और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट, वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज और वन कमिश्नरी वन यूनिवर्सिटी जैसे विकासोन्मुखी योजनाओं पर काम हो रहा है।

योगी ने सपा पर आतंकियों का समर्थन करने का भी आरोप लगाया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जैसे पवित्र पर्व को प्रतिबंधित करने का प्रयास किया था, लेकिन वर्तमान डबल इंजन सरकार इस बार पूरे उत्तर प्रदेश में जन्माष्टमी को भव्य तरीके से मनाएगी। उन्होंने घोषणा की कि प्रदेश के प्रत्येक थाने और पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में जन्माष्टमी का उत्सव उत्साहपूर्वक आयोजित होगा। साथ ही, प्रशिक्षु आरक्षियों को अपनी सांस्कृतिक और कलात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर भी प्रदान किया जाएगा, जिससे यह पर्व न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बने।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में रक्षाबंधन और काकोरी ट्रेन एक्शन की स्मृति को जोड़ते हुए कहा कि 9 अगस्त को रक्षाबंधन के साथ-साथ काकोरी ट्रेन एक्शन का पावन दिवस भी है। उन्होंने रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्लाह खान, ठाकुर रोशन सिंह, राजेंद्र प्रसाद लाहिड़ी और चंद्रशेखर आजाद जैसे क्रांतिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना बलिदान दिया। योगी ने घोषणा की कि 8, 9 और 10 अगस्त को उत्तर प्रदेश की बसों में माताओं-बहनों को मुफ्त यात्रा की सुविधा प्रदान की जाएगी, ताकि रक्षाबंधन का पर्व और काकोरी के अमर बलिदानियों की स्मृति को सम्मान के साथ मनाया जा सके। मुख्यमंत्री ने मुरादाबाद की हस्तकला को वैश्विक मंच पर ले जाने के लिए डबल इंजन सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि मुरादाबाद, जो कभी अराजकता और गुंडागर्दी के लिए जाना जाता था, अब अपनी उत्कृष्ट हस्तकला और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) योजना के तहत ब्रॉस आइटम के लिए विख्यात है। योगी ने बताया कि मुरादाबाद आज 11 से 15 हजार करोड़ रुपए के उत्पादों का निर्यात कर रहा है।

जिस थानेदार की छत्रछाया में बढ़ा धर्मांतरण गिरोह

उसने लखनऊ में खरीदी करोड़ों की जमीन

लखनऊ, 06 अगस्त (ब्यूरो)। जिस थानेदार की छत्रछाया में छांगुर बाबा बढ़ा। उसने लखनऊ में करोड़ों की जमीन खरीदी। उसने ही छांगुर के विरोधियों पर मुकदमा दर्ज कराने से लेकर जमीनों और मकानों पर कब्जा तक कराया था। यह बात अब उजागर हो चुकी है कि बलरामपुर के तत्कालीन पुलिस अधिकारियों से अवैध धर्मांतरण के आरोपी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर की मिलीभगत रही। आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने छांगुर, नीतू, नवीन और महबूब सहित 10 के विरुद्ध दर्ज मुकदमों में इसका जिक्र किया है।

जिस कोतवाल की छत्रछाया में छांगुर बढ़ा, उसने लखनऊ में करोड़ों की जमीन खरीदी है। अपर मुख्य सचिव, गृह एवं गोपन विभाग को भेजी गई रिपोर्ट में बताया गया है कि उतरौला में छांगुर ने करीब 2010 से ही जड़ जमाना शुरू कर दिया था। एक चर्चित कोतवाल ने छांगुर और उससे जुड़े लोगों को हर तरह से मदद की। उनके कहने पर विपक्षियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया। कुछ जमीनों और मकानों पर कब्जा भी कराया। इसके बदले छांगुर ने पानी की तरह पैसा बहाया। संबंधित कोतवाल ने इसी दौरान लखनऊ में करीब 15 हजार स्क्वायर फीट जमीन खरीदी। वह भी इकाना क्रिकेट स्टेडियम के पास। यहां अभी जमीन की औसत कीमत करीब चार हजार रुपये प्रति स्क्वायर फीट है। बाजार भाव के अनुसार जमीन की अभी कुल कीमत करीब छह करोड़ रुपए है। अब सवाल यह है कि इतने गंभीर मामले में नाम जुड़ने के बाद भी उस चर्चित कोतवाल पर तत्कालीन पुलिस अधिकारियों ने कार्रवाई क्यों नहीं की? अब जब छांगुर के पूरे गिरोह से पर्दा हटना शुरू हुआ और कार्रवाई का दायरा बढ़ा तो वही कोतवाल देवीपाटन मंदिर में करीब रोज ही माथा टेकने पहुंच रहा है। धर्मांतरण के सादुल्लानगर कनेक्शन के बाद धीरे-धीरे बलरामपुर पुलिस और छांगुर का गठजोड़ सामने आने लगा है। यह अलग बात है कि तत्कालीन जिलाधिकारी अरविंद सिंह की जांच रिपोर्ट अब भी फाइलों में दबी शासन में धूल फांक रही है। इसके इतर विशेष लोक अभियोजक धर्मेन्द्र कुमार त्रिपाठी की ओर से भी प्रस्तुत पुलिस और अपराधियों की साठगांठ की रिपोर्ट पर भी जिम्मेदारों ने गंभीरता नहीं दिखाई।

दोनों जांच रिपोर्ट में और भी चौंकाने वाले खुलासे हैं, जो पूरे बलरामपुर जिले को संवेदनशील बनाते हैं। यहां के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन को भी जाहिर करते हैं। वर्ष 2024 में सादुल्लानगर के तत्कालीन थाना प्रभारी पर गंभीर आरोप लगे। यहां पुलिस और अपराधियों के गठजोड़ की शिकायत अपर मुख्य सचिव गृह एवं गोपन विभाग के साथ ही अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री से भी की गई। 18 जून 2024 में दोनों अधिकारियों को पत्र लिखा गया। प्रभारी निरीक्षक ने तत्कालीन अधिकारियों से मिलीभगत करके पूर्व सपा विधायक और गैंगस्टर आरिफ अनवर हाशमी को संरक्षण प्रदान किया। मजिस्ट्रेटी जांच में भी तत्कालीन थानाध्यक्ष पर गंभीर आरोप लगे, लेकिन थानाध्यक्ष को न हटाया गया और न ही कार्रवाई ही की गई।

संपादकीय

चुनाव आयोग की गिरफ्त में

भारत का चुनाव आयोग उपहास का पात्र नहीं है। उस पर राजनीतिक आरोप चस्पां करना बेवकूफी है। चुनाव आयोग की भूमिका तटस्थ और निष्पक्ष है, यह विश्व के कई देश सत्यापित कर चुके हैं। वह देश के चुनावों का संचालक है, जो पार्षद-विधायक से मंत्री, मुख्यमंत्री और सांसद से प्रधानमंत्री तक का निर्णायक निर्वाचन तय करता है। चुनाव आयोग कांग्रेसी अथवा भाजपाई या वामपंथी नहीं हो सकता। उसके फैसलों और अभियानों पर सवाल उठाए जा सकते हैं, आपत्तियां जताई जा सकती हैं, लेकिन किसी 'एटम बम' से उसके अस्तित्व के खात्मे की प्रहारात्मक धमकी नहीं दी जानी चाहिए। यह संवैधानिक अपराध भी है। बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया गया। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट सार्वजनिक की गई है। खुद चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि 65.44 लाख से अधिक नाम काट दिए गए हैं, लिहाजा अब कुल मतदाता 7.24 करोड़ रह गए हैं। पहले मतदाताओं की संख्या 7.89 करोड़ से अधिक थी। नाम कटने का आंकड़ा बहुत बड़ा है, लिहाजा सर्वोच्च अदालत का दखल निश्चित है। खुद अदालत ने ऐसे दखल की बात कही थी। जब 12-13 अगस्त को सुनवाई होगी, तब चुनाव आयोग जवाबदेह होगा कि इतने बड़े पैमाने पर मतदाता क्यों हटाए गए? मतदाता हटाने का मतलब है किसी का मताधिकार छीनना। भारतीय लोकतंत्र और संविधान में मताधिकार छीना नहीं जा सकता, क्योंकि यह एक संवैधानिक, मौलिक अधिकार है। मताधिकार के जरिए ही लोकतांत्रिक सत्ताएं चुनी जाती हैं। जनमत ही लोकतंत्र की बुनियाद है। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के मद्देनजर बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बाकायदा मीडिया ब्रीफिंग करते हुए चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि मतदाता सूची में उनका नाम नहीं है। आयोग स्पष्ट करे कि उनका नाम क्यों कटा? अब वह चुनाव कैसे लड़ पाएंगे? तेजस्वी ने मतदाता पहचान पत्र का जो एपिक नंबर बताया, वह अधिकृत नहीं था। चुनाव आयोग ने तुरंत पलटवार कर तेजस्वी के भ्रामक दुष्प्रचार को बेनकाब कर दिया। चुनाव आयोग ने उनके मतदाता पहचान पत्र का क्रमांक और एपिक नंबर का खुलासा करते हुए कहा कि उन्होंने इसी एपिक नंबर के आधार पर 2015, 2020 के चुनावी नामांकन दाखिल किए थे और वह विधायक चुने गए थे। उसी आधार पर वह उपमुख्यमंत्री भी बने। अब भी नेता प्रतिपक्ष के संवैधानिक पद पर हैं। उन्होंने इसी वोटर आईडी कार्ड के आधार पर ही 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदान किया था। सवाल है कि क्या तेजस्वी के पास दो-दो मतदाता पहचान पत्र हैं? यदि हां, तो यह चुनावी अपराध है, लिहाजा तेजस्वी को जेल भी हो सकती है अथवा कुछ अंतराल के लिए चुनाव लडऩे के अयोग्य भी घोषित किया जा सकता है। चुनाव आयोग ने तेजस्वी को नोटिस भेज कर स्पष्टीकरण मांगा है और जांच के लिए कार्ड की मूल प्रति भी मंगवाई है। तेजस्वी बीते लंबे अर्से से आयोग को बदनाम कर रहे थे। उसे भाजपा का प्रकोष्ठ तक करार दे दिया था। उसे 'गोदी आयोग' प्रचारित किया जा रहा था। तेजस्वी पर चुनाव आयोग की छवि धूमिल करने, मानहानि करने के भी आरोप हैं। दरअसल आयोग ने बिहार में जो 'एसआईआर' कराया है, उस पर विपक्ष के आरोप हैं कि उनके वोट बैंक के नाम सूची से काटे जा सकते हैं। बहरहाल अब नजरें सर्वोच्च न्यायालय पर हैं।

चुनाव आयोग की भूमिका तटस्थ और निष्पक्ष है, यह विश्व के कई देश सत्यापित कर चुके हैं। वह देश के चुनावों का संचालक है, जो पार्षद-विधायक से मंत्री, मुख्यमंत्री और सांसद से प्रधानमंत्री तक का निर्णायक निर्वाचन तय करता है। चुनाव आयोग कांग्रेसी अथवा भाजपाई या वामपंथी नहीं हो सकता। उसके फैसलों और अभियानों पर सवाल उठाए जा सकते हैं, आपत्तियां जताई जा सकती हैं, लेकिन किसी 'एटम बम' से उसके अस्तित्व के खात्मे की प्रहारात्मक धमकी नहीं दी जानी चाहिए। यह संवैधानिक अपराध भी है। बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) किया गया। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट सार्वजनिक की गई है। खुद चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि 65 .44 लाख से अधिक नाम काट दिए गए हैं, लिहाजा अब कुल मतदाता 7 .24 करोड़ रह गए हैं। पहले मतदाताओं की संख्या 7 .89 करोड़ से अधिक थी। नाम कटने का आंकड़ा बहुत बड़ा है, लिहाजा सर्वोच्च अदालत का दखल निश्चित है। खुद अदालत ने ऐसे दखल की बात कही थी। जब 12-13 अगस्त को सुनवाई होगी, तब चुनाव आयोग जवाबदेह होगा कि इतने बड़े पैमाने पर मतदाता क्यों हटाए गए? मतदाता हटाने का मतलब है किसी का मताधिकार छीनना।

संविधान का संरक्षक सुप्रीम कोर्ट है लेकिन जब उसकी भी बात नहीं सुनी जाएगी तो संविधान का संरक्षण कौन करेगा

चुनाव आयोग पर हमला गंभीर रूप ले चुका है

राजेश कुमार पासी

वास्तव में संविधान और लोकतंत्र तब तक सुरक्षित हैं तब तक कि जनता का उनमें विश्वास है। जिस दिन देश की जनता का विश्वास लोकतंत्र और संविधान से उठ गया, उस दिन से इनकी समाप्ति का वक्त शुरू हो जाएगा। भारत की सारी व्यवस्था संविधान से उत्पन्न हुई है. अगर संविधान के ऊपर से विश्वास खत्म हो गया तो व्यवस्था से भी जनता का भरोसा खत्म हो जाएगा। चुनाव आयोग के पास वो काम है जो लोकतंत्र का आधार है. अगर चुनाव आयोग की विश्वसनीयता ही खत्म हो गई तो फिर लोकतंत्र कैसे बच सकता है। लोकतंत्र का मतलब ही है जनता द्वारा चुनी गई जनता की सरकार लेकिन जब चुनाव आयोग बेईमानी करके सरकार बनाने लगेगा तो फिर सरकार जनता द्वारा चुनी हुई कैसे मानी जायेगी। जो सरकार जनता द्वारा नहीं चुनी गई होगी, वो जनता द्वारा और जनता के लिए बनी सरकार कैसे मानी जायेगी।

राहुल गांधी और विपक्ष के दूसरे नेताओं का चुनाव आयोग पर हमला अब बहुत गंभीर हो चुका है क्योंकि अब ये लोकतंत्र और संविधान पर सवाल खड़े करने तक पहुँच गया है। कुछ लोग कह सकते हैं कि विपक्ष तो संविधान और लोकतंत्र बचाने की जंग लड़ रहा है तो फिर चुनाव आयोग के खिलाफ उसकी मुहिम लोकतंत्र और संविधान के लिए खतरा कैसे हो सकती है। वास्तव में संविधान और लोकतंत्र तब तक सुरक्षित हैं तब तक कि जनता का उनमें विश्वास है। जिस दिन देश की जनता का विश्वास लोकतंत्र और संविधान से उठ गया, उस दिन से इनकी समाप्ति का वक्त शुरू हो जाएगा। भारत की सारी व्यवस्था संविधान से उत्पन्न हुई है. अगर संविधान के ऊपर से विश्वास खत्म हो गया तो व्यवस्था से भी जनता का भरोसा खत्म हो जाएगा। चुनाव आयोग के पास वो काम है जो लोकतंत्र का आधार है. अगर चुनाव आयोग की विश्वसनीयता ही खत्म हो गई तो फिर लोकतंत्र कैसे बच सकता है। लोकतंत्र का मतलब ही है जनता द्वारा चुनी गई जनता की सरकार लेकिन जब चुनाव आयोग बेईमानी करके सरकार बनाने लगेगा तो फिर सरकार जनता द्वारा चुनी हुई कैसे मानी जायेगी। जो सरकार जनता द्वारा नहीं चुनी गई होगी, वो जनता द्वारा और जनता के लिए बनी सरकार कैसे मानी जायेगी। संविधान का संरक्षक सुप्रीम कोर्ट है लेकिन जब उसकी भी बात नहीं सुनी जाएगी तो संविधान का संरक्षण कौन करेगा। प्रधानमंत्री मोदी को तीसरा कार्यकाल मिलने के बाद विपक्ष को लग रहा था कि इस बार उनके पास पूर्ण बहुमत नहीं है, वो सहयोगी दलों पर निर्भर हैं इसलिए उनकी सरकार ज्यादा दिनों तक नहीं चल पाएगी। सरकार ने जिस तरह से अपने कार्यकाल का एक साल पूरा किया है और मोदी जी आत्मविश्वास के साथ सभी को साथ लेकर चल रहे हैं, उससे विपक्ष को अहसास हो गया है कि ये सरकार अपना कार्यकाल पूरा करने वाली है। इस अहसास ने विपक्ष को हताशा और निराशा से भर दिया है जिसके कारण वो कुंठित हो गया है। विपक्ष को अहसास हो चला है कि उसके लिए केंद्र की सत्ता पाना बहुत मुश्किल होने वाला है। आने वाले कौन से चुनाव में उसे सत्ता मिलेगी, यह भी उसे पता नहीं है। अपनी कुंठा में राहुल गांधी चुनाव आयोग पर उल्टे-सीधे आरोप लगाने में सारी हदें पार करते जा रहे हैं। वो सीधे तौर पर चुनाव आयोग पर भाजपा के लिए चुनाव चोरी करने का आरोप लगा रहे हैं। अब तो उनकी हालत यह हो गई है कि उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनाव में भी धांधली का आरोप लगा दिया है। हैरानी की बात है कि उनकी सरकार के अधीन होने वाले चुनाव में चुनाव आयोग कैसे धांधली कर गया। दूसरी बात यह

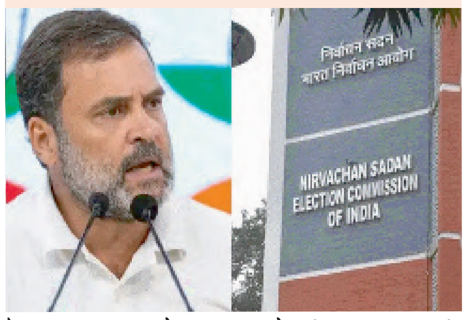

है कि उस चुनाव आयोग का चयन तो यूपीए सरकार द्वारा ही किया गया था तो वो कैसे भाजपा के साथ चला गया। राहुल गांधी चुनाव आयोग को सार्वजनिक रूप से धमकी देने लगे हैं कि जब उनकी सरकार आएगी तो सबका हिसाब होगा। अगर कोई रिटायर भी हो गया होगा तो उसके खिलाफ भी कार्यवाही की जाएगी। कांग्रेस के दूसरे नेता भी राहुल गांधी की शह पर चुनाव आयोग के खिलाफ उल्टे-सीधे बयान देने लगे हैं। पूर्व केंद्रीय गृहमंत्री पी चिदंबरम ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर कहा है कि चुनाव आयोग अपनी शक्तियों को दुरुपयोग कर रहा है और इसका मुकाबला कानूनी तरीके से किया जाएगा। सवाल यह है कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची के पुनरीक्षण का काम उसका संवैधानिक कर्तव्य है और वो अपना कर्तव्य पूरा कर रहा है तो विपक्ष क्यों परेशान है। अगर चुनाव आयोग के काम में कुछ गलत है तो उसे इसकी शिकायत करनी चाहिए लेकिन चुनाव आयोग ने कहा है कि उसने मतदाता सूची का जो प्रारूप तैयार किया है उस पर अभी तक उसे किसी भी राजनीतिक दल की आपत्ति नहीं मिली है। सवाल यह है कि चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष सुप्रीम कोर्ट भी जा चुका है और सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक नहीं लगाई है तो विपक्ष क्यों बवाल कर रहा है। दूसरी बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट जब मामले की सुनवाई कर रहा है तो उसे विपक्ष के झूठे आरोपों का संज्ञान लेना चाहिए लेकिन वो ऐसा क्यों नहीं कर रहा है। राहुल गांधी ने बयान दिया है कि उनके पास एटम बम है, जब वो इसे फोड़ेंगे तो चुनाव आयोग दिखाई नहीं देगा। उनके कहने का मतलब है कि उनके पास चुनाव आयोग की धांधली के पक्के सबूत हैं जिन्हें वो जनता के सामने रखेंगे तो चुनाव आयोग की विश्वसनीयता खत्म हो जाएगी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें चुनौती देते हुए कहा है कि वो जल्दी से जल्दी यह एटम बम फोड़ दें और सारे सबूत जनता के सामने रख दें। सवाल यह है कि अगर राहुल गांधी के पास कोई सबूत है तो वो उसे सुप्रीम कोर्ट में क्यों नहीं पेश कर देते या संसद के पटल पर क्यों नहीं रखते। वास्तव में राहुल गांधी को सनसनीखेज बयान देने का शौक है. कभी वो भूकंप लाने की बात करते हैं, कभी सुनामी ले आते हैं और अब एटम बम फोड़ने वाले हैं हालांकि उनकी हालत खोदा पहाड़, निकली चुहिया से भी ज्यादा बुरी है। झूठ बोलना राहुल की फितरत बन गई है और इसके लिए वो कई बार सुप्रीम कोर्ट की डांट खा चुके हैं। उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान बयान दिया था कि चीन ने भारत की 2000 वर्ग किलोमीटर जमीन कब्जा कर ली है और 20 भारतीय जवानों को शहीद कर दिया है। उन्होंने कहा कि चीन की सेना भारतीय जवानों को पीट रही है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल को फटकार लगाते हुए कहा है कि आपको कैसे पता कि भारत की जमीन कब्जा हो गई है. क्या आपके पास कोई दस्तावेज है? और दो देशों की लड़ाई में दोनों पक्षों का नुकसान होता है तो आप कैसे बयान दे रहे हैं। राहुल को झाड़ लगाते हुए माननीय अदालत ने कहा है कि कोई भी सच्चा भारतीय ऐसी बात नहीं कर सकता लेकिन राहुल गांधी इतने ज्यादा कुंठित हैं कि उन पर कोई असर नहीं होता। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी वो सरकार से लगातार सवाल कर रहे हैं कि भारत के कितने जहाज पाकिस्तान ने गिराए हैं। सवाल यह है कि 1962, 1965 और 1971 की जंग में भारत का कितना नुकसान हुआ था, क्या तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने मीडिया या संसद को बताया था। राहुल गांधी को इतनी छोटी सी बात समझ नहीं आती है लेकिन एक पूरा इको सिस्टम उन्हें भारत पर प्रधानमंत्री बनाकर थोपना चाहता है। सवाल यह है कि विपक्ष को चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट, सेना और मीडिया पर भरोसा नहीं है लेकिन उसे लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई लड़नी है। वो समझ नहीं पा रहा है कि भारत में लोकतंत्र और संविधान पर सबसे बड़ा खतरा विपक्ष का रवैया ही बन गया है। 2014 के चुनाव में धांधली का आरोप लगाकर राहुल गांधी ने बता दिया है कि उन्हें भाजपा से परेशानी नहीं है बल्कि लोकतंत्र और संविधान से ही परेशानी है। जब अपनी ही सरकार के शासन में हुए चुनाव में भी उन्हें धांधली दिखाई देने लगी है तो इसका स्पष्ट संकेत है कि उन्हें लोकतांत्रिक मूल्यों में बिल्कुल भरोसा नहीं है। वो मोदी को एक प्रधानमंत्री के रूप में अभी तक स्वीकार नहीं कर पाए हैं। वो गांधी परिवार का वारिस होने के कारण अपने अलावा किसी और को प्रधानमंत्री बनते देखना बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। इसलिये वो सरकार और देश के विरोध में अंतर को भी भूल गए हैं। जिस संविधान को सिर पर उठाकर घूमते हैं, वास्तव में उनके मन में उसके प्रति नफरत भरी हुई है, इसलिए वो संवैधानिक संस्थाओं पर हमला कर रहे हैं।

देश दुनिया से

विनाशकारी नशा चिट्टा

हमारे हिमाचल प्रदेश को देवभूमि कहा जाता है जहां कदम-कदम पर अलग-अलग देवताओं के प्राचीन मंदिर हैं। हमारे देश भारत के ताज पर मणि की तरह जगमगाता हिमाचल प्रदेश सचमुच किसी स्वर्ग से कम नहीं, पर वर्तमान में इसकी सुंदर हरी-भरी वादियों को न जाने किसकी नजर लग गई है कि एक सफेद दाग इसकी सुंदरता में छेद डालकर धीरे-धीरे अंदर से इसे खोखला करके बेरंग बनाने पर तुला हुआ है। वैसे तो श्वेत रंग पवित्रता, स्वच्छता, शुद्धता, शीतलता का प्रतीक है। विद्या की देवी शारदा का परिधान श्वेत है और उनका वाहन भी सफेद रंग का हंस है जिसे पवित्र और शुभ माना जाता है। पर आज वही श्वेत रंग का चिट्टा नाम सुनकर ही सिहरन सी होने लगती है। पंजाब और हिमाचल की लोक भाषा में सफेद रंग को चिट्टा रंग कहा जाता है, क्योंकि इस भयंकर नशे का रंग भी सफेद है, इसलिए इसका नाम चिट्टा लिया जा रहा है। जब समुद्र मंथन के समय चौदह रत्नों में मदिरा की उत्पत्ति भी हुई तो भगवान की अनुमति से उसे दैत्यों ने ग्रहण किया। इस प्रकार मद्यपान दैत्य करते हैं। परंतु धीरे-धीरे राजा-महाराजा आनंद के लिए मदिरा पान करने लगे। नशे के रूप में शराब, तंबाकू, भांग आदि का सेवन सदियों से चला आ रहा है। परंतु इनका अत्यधिक प्रयोग विनाश का कारण ही बनता है। नशा हर हाल में मानवता और मानव के पतन का कारण ही बना है। लेकिन इस प्रकार के नशे को अगर इनसान छोडऩा चाहे, तो छोड़ सकता है, पर आजकल बेहद भयंकर प्रकार का नशा चिट्टा जो अफीम से प्राप्त नशे में भयानक सिंथेटिक प्राणघातक पदार्थ मिलाकर बनाया जा रहा है। इसको दो बार लेने से ही इसकी ऐसी लत लग जाती है कि इसको छुड़ाना बहुत ही कठिन हो जाता है। वैसे तो कहते हैं कि बड़ी मछली छोटी मछली को खाती है, पर आज तो आदमी ही आदमी को खाकर धनवान बनना चाहता है। मेहनत न करके आज हर आदमी ऐशोआराम की सामग्री जल्दी से जल्दी प्राप्त करना चाहता है, जिसके लिए वह अवैध और

विनाशकारी धंधे करने से भी नहीं डरता। प्रतिदिन चिट्टा पकड़ा जा रहा है। बेहद दुख और चिंता का विषय तो यह है कि इस धंधे में उच्च डिग्री और नौकरी प्राप्त करने वाले उच्च श्रेणी के कर्मचारी भी शामिल हैं। बाड़ ही फसल को खा रही है। निःसंदेह इनकी आत्मा मर चुकी है। ये लालच के गटर में डूबे हुए राक्षस दूसरों की संतानें खत्म करके पता नहीं कैसे आनंद मना रहे हैं। इन्हें आभास नहीं कि कल उनकी आने वाली पीढ़ी भी इसी नशे के गर्त में डूब कर बर्बाद हो सकती है। किशोरावस्था तो जीवन की सबसे कोमल अवस्था होती है जिसके कोमल मन में नई उमंग और जिज्ञासाएं होती हैं। यह उम्र सपने देखने की होती है। जब यह सपने पूरे नहीं होते या सपनों को पूरा करने के लिए यह किशोर आसानी से किसी के भी बहकावे में आ जाते हैं या विश्वास कर लेते हैं। ऐसे किशोर युवक-युवतियों पर ये नशे के सौदागर घात लगाए बैठे होते हैं। धोखे से चिट्टे का सेवन कराकर स्कूल-कॉलेज के अबोध बच्चों को इसकी गिरफ्त में लिया जा रहा है। हम समाचार पढ़ते हैं, सुनते हैं कि प्रतिदिन नशे की ओवरडोज से युवक और युवतियां असमय काल का ग्रास बन रहे हैं या आत्महत्या जैसे कदम उठा रहे हैं। न जाने किस समय किस रूप में कोई आदमी आकर धोखे से किसी नादान बच्चे को चिट्टे का सेवन करा दे। चिट्टे के भयानक दलदल में जिसका पैर एक बार पड़ गया वह जितना हाथ-पैर मारे, उतना ही उसमें धंसता चला जाता है। आज समाज में हर मां-बाप को यही डर सता रहा है कि हमारा बच्चा विकास के पथ पर चलता हुआ कहीं नशे के भयानक जंगल में न भटक जाए। बच्चों को उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए घर से बाहर तो जाना ही पड़ता है। अभिभावकों को इस भयानक दलदल में पांव रखने से पहले बच्चों को सावधान करना होगा। उन्हें अपने बच्चों के एक कुशल सलाहकार और मित्र बनकर समाज में फैली हर बुराई की खुलकर चर्चा करनी चाहिए। बच्चों की हर गतिविधि की जासूसी भी करनी पड़ सकती है। जब भी समय मिले बच्चों के पास कुछ समय अवश्य बिताएं। उनसे इतना मित्रवत रहें कि वे हर बात अपने मां-बाप से शेयर करें। लोग नशे के जाल में इसलिए भी धंसते जा रहे हैं, क्योंकि इसकी उपलब्धता आसानी से हो रही है। इन्हें कहीं से भी आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। निस्संदेह इनके खुले उपयोग और व्यापार पर प्रतिबंध है, फिर भी अवैध रूप से इसकी आपूर्ति जारी है। इसके लिए सरकार को जाल बिछाना होगा। इसमें तभी सफलता मिलेगी जब इस समाज का हर सदस्य अपने चारों ओर निगरानी रखे और किसी भी तरह की संदिग्ध गतिविधि की तुरंत गुप्त नंबर पर विभाग को सूचित करें। सरकार को भी गुप्त सूचना देने वालों को प्रोत्साहन और सुरक्षा देनी चाहिए। अगर ऐसी सूचना देने वालों की आर्थिक सहायता भी की जाए और सच्ची ईमानदारी और लगन से प्रदेश को नशामुक्त करने का संकल्प ले लिया जाए, तो देश को नशामुक्ति दिलाना कोई असंभव कार्य नहीं। सरकार को अपराधियों को पकड़ कर शीघ्र से शीघ्र सख्त कानून बनाकर कड़ी से कड़ी सजा देनी चाहिए, ताकि चिट्टा तस्करों का सफाया किया जा सके। पुलिस वर्दी के साथ सादा कपड़ों में भी संदिग्ध व्यक्ति पर पैनी नजर रखनी होगी। जनता को भी घर-घर में घर के आसपास चौकन्ना रहना होगा। पुलिस को जनता को गुप्त सूचना देने के लिए प्रेरित करना होगा। विदेशों से नशे की खेप लाने वाले तस्करों के लिए सीमाओं पर नाकाबंदी लगाकर इन राक्षसों को पकडऩा होगा, जो हथियारबंद दुश्मनों से भी अधिक खतरनाक और भयानक दुश्मन है। इन सफेदपोश दुश्मनों को पकडऩा बहुत कठिन है।

आप का नजरिया

तो पर्यावरण राज्य घोषित करें

देश की सर्वोच्च अदालत जो कह रही है, उसे सिर्फ हिमाचल को सुनाया जाए तो फैसले की अहमियत, केवल एक मामला है। हरित क्षेत्र घोषित होने के खिलाफ, अपील और दलील को ठुकराते हुए माननीय अदालत ने हिमाचल को कड़े शब्दों में पर्यावरण रक्षा के पाठ पढ़ाए और यह भी बताया कि भविष्य के फैसले कहां गलत हुए। जाहिर तौर पर कुछ निष्कर्ष हैं और उन्हीं में से एक यह भी कि केंद्र की एक टीम बादलों के फटने की कहानी सुनने के लिए यहां आई। हम सुप्रीम कोर्ट की संवेदना से हिमाचल का पुनर्गठन केवल राज्य के संसाधनों, विडंबनाओं और पर्यावरणीय प्रतिबंधों के बीच नहीं कर सकते हैं। पहाड़ को केवल इस्तेमाल किया गया और किया जा रहा है, दूसरे यह भी कि पानी के उद्गम या पानी के नजदीक, राष्ट्र का प्रबंधन हमेशा स्वार्थी रहा। गर्मियों में पानी के लिए टकराते राज्यों के लिए पंचाट बने या स्वयं सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष मानवीय पहलू रहे। बारिश का पैट्रन देश और विश्व बिगाड़ रहा है, हिमाचल नहीं। हिमाचल के हिस्से भी पंजाब पुनर्गठन से निकले अधिकार, बीबीएमबी से हमारी लेनदारी तथा हाईडल परियोजनाओं से रॉयल्टी के मामले लंबित हैं। ऐसे में अदालतों में भी पर्यावरण सुरक्षा के लिए हमारे वित्तीय अधिकार फंसे हैं। अदालत एक मामले पर बड़ी टिप्पणी कर सकती है, लेकिन यहां तो किसान का छोटा सा खेत हर साल खेती से पर्यावरण को बचाता-बचाता अपनी लागत-अपनी कमाई हार जाता है, क्योंकि बारिश के साथ बाढ़ केवल नदी में नहीं आती, वह तो किसानों के छोटे-छोटे खेतों में आती है और हर साल आती है। पहाड़ी खेतों की उर्वरता या खाद बह कर मैदानों की ओर चली जाती है या हिमाचल के ऊना जैसे मैदानी इलाकों की बाढ़ को क्या कहेंगे। ऐसे में दोष तो केंद्रीय नीतियों का ज्यादा है जो पहाड़ को मैदान के मानदंडों से हांकती हैं। पर्वतीय राज्यों के अस्तित्व के लिए पर्यावरण के पैमाने, विकास के मानदंड, बजट का आबंटन, तकनीकी लागत की फिजीबिलिटी और मानव संसाधन की सुरक्षा के सरोकार बदलने पड़ेंगे। आखिर 70 लाख लोगों से उनका परिवेश, उनकी जरूरतें, उनका विकास, उनका रोजगार तथा पारंपरिक दृष्टि छीन कर कौन सा पर्यावरण सुरक्षित हुआ। जरा याद करें, ये जो जंगल-जंगल की बात पर पर्यावरण जीवी पैदा हो गए, वे बताएं कि सत्तर के दशक से शुरू हुए वनीकरण से पहले पर्यावरण की क्या स्थिति थी। तब जंगल कम थे, लेकिन चरागाहें अधिक थीं। वनीकरण ने जिस चीड़ के दरख्त को पर्यावरण के नाम पर खड़ा किया, क्या वह दोषी नहीं। पहले जिन चरागाहों की घास पानी के रिसाव को सिर्फ रिसाव बनाती थी, वहां अब पेड़ों के नीचे घाव क्यों। जंगल ने इनसान से सामुदायिक भावना, पशुओं से चारा और जंगली जानवरों से उनका बसेरा ही नहीं छीना, बल्कि गर्मियों के तापमान को बढ़ाने के लिए हिमाचल में चीड़ के जंगल और उनसे निकलती आग भी काफी हद तक जिम्मेदार है। हिमाचल में बढ़ते जीने के दबाव और सामान्य व वन भूमि के असंतुलन ने निर्माण की परिभाषा बदल दी है। जंगल ने हमसे ऐसी जमीन छीन ली है, जहां हम अपनी सुरक्षित बस्ती, रोजगार और विकास की अधोसंरचना मुकम्मल कर सकते थे। अब जंगल तो जंगल है, इसलिए निजी सार्वजनिक रूप से, निर्माण की अभिलाषा हमें कहीं भी उपलब्ध जमीन पर ले आई। यहां गलतियां हुईं, लेकिन गौर करें कि अब बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास के लिए वन भूमि के इस्तेमाल की मंजूरी का मजबूत ताला केवल केंद्र की अनुमति से ही खुलेगा। केंद्र अगर पर्यावरण का स्वामी और जंगल, जलवायु और जल देश की संपत्ति है, तो हिमाचल को पर्यावरण राज्य घोषित करके सुविधाएं, आर्थिकी, रोजगार, तकनीक, विकास के समाधान और आवासीय विकल्प भी दें। हिमाचल में फोरेस्ट ग्रीन टाउनशिप, नए शहरों का वित्त पोषण, रज्जु मार्गों की फंडिंग, एलिवेटिड रोड, मोनोट्रेन का नेटवर्क, क्षेत्रीय योजनाओं के प्रोत्साहन तथा वन भूमि की पैमाइश को पचास फीसदी तक के अनुपात तक लाया जाए। यहां हिमाचल को भी अपने स्तर पर पूरे प्रदेश में टीसीपी कानून को लागू करके, क्लस्टर विकास योजनाएं बनानी होंगी। हिमाचल को छह से आठ क्षेत्रीय विकास प्राधिकरण बना कर गांव और शहर के विकास को जिम्मेदारी के साथ बांट लेना चाहिए। अब सार्वजनिक विकास को राजनीतिक स्वार्थ से घटा कर भविष्य के फलक पर रेखांकित करना होगा। हमें अपनी आर्थिकी, शहरीकरण और आवासीय व्यवस्था को सीधे पर्यावरण से जोडऩा होगा, इसके लिए जंगल की परिभाषा और लैंड पूलिंग की जरूरत को फिर से लिखना पड़ेगा।

कुछ अलग

मीटिंग चालू आहे...

झुन्नू लाल जी पिछले चार दिनों से सचिवालय के चक्कर काट रहे थे। उन्हें मुख्यमंत्री से मिल कर, अपने गांव से गुजऱने वाले फोरलेन के निर्माण के दौरान एनएचएआई द्वारा किए गए पहाड़ों के अंधाधुंध कटान के कारण हुए पर्यावरण के सवा सत्यानाश की जानकारी उन्हें देनी थी। हालांकि उन्हें अंदाज़ा था कि जिस तरह एक बार वक्त हाथ से छूटने पर उसे सीटियां मार कर वापस नहीं बुलाया जा सकता, उसी तरह अवैज्ञानिक तरीक़े से पहाड़ काटने पर उन्हें दोबारा ठीक करना असंभव है। पर उम्मीद पर दुनिया क़ायम है। उन्हें पता था कि मुख्यमंत्री के पास अपना पूरा अमला होता है, जो उन तक प्रदेश में हो रही हर छोटी-बड़ी घटना की जानकारी पहुंचाता रहता है। फिर भी क्या पता, हर मीटिंग और जनसभा में सिस्टम बदलने का नारा लगाने वाले मुख्यमंत्री के पास कोई नई तरकीब हो। मुख्यमंत्री का नारा था- सिस्टम बदलो, प्रदेश को हर स्तर होने वाले भ्रष्टाचार से मुक्त करो, विकास की नई भगीरथी ज़मीन पर उतारो तथा प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाओ। मुख्यमंत्री ने जब से सिस्टम बदल कर प्रदेश में भ्रष्टाचार से मुक्ति, विकास और आत्मनिर्भरता का नारा दिया था, तभी से उनके ख़ास अफसर और गुर्गे-मुर्गे सिस्टम बदलने में दिन-रात व्यस्त हो गए थे।

दृष्टि कोण

ब्रिक्स से डोनाल्ड ट्रंप परेशान क्यों...

हाल ही में 6-7 जुलाई, 2025 को ब्राजील में ब्रिक्स का 17वां शिखर सम्मेलन सम्पन्न हुआ। इस शिखर सम्मेलन का महत्व यह है कि इसमें सभी 10 सदस्यों ने भाग लिया, जिनमें चार सदस्य- ईरान, मिस्र, इथियोपिया और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं, जिन्होंने पिछले साल रूस में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पहली बार सदस्य देश के रूप में भाग लिया था, और इंडोनेशिया, जो 2025 के शुरू में पहली बार सदस्य देश के रूप में शामिल हुआ और ब्रिक्स का सदस्य बनने वाला पहला दक्षिण पूर्व एशियाई देश बन गया। अब ब्रिक्स, अपने विस्तारित रूप में, ब्रिक्स प्लस के रूप में जाना जाता है, यह शब्द पहली बार 2024 के ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में इस्तेमाल किया गया। क्या ब्रिक्स पश्चिमी आधिपत्य को चुनौती दे रहा है? ब्रिक्स आज दुनिया के ज्ञात विकसित देशों, विशेष रूप से अमेरिका और यूरोपीय देशों के प्रभाव को चुनौती दे रहा है। अगर हम इस समूह के पहले पांच देशों- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका पर नजर डालें, तो 2010 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में इनका योगदान 18 फीसदी था। 2025 में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद में इन देशों की हिस्सेदारी बढक़र 26.5 प्रतिशत हो जाएगी। अब उन्होंने पश्चिम के आधिपत्य को चुनौती देना शुरू कर दिया है। डी-डॉलराइजेशन, यानी व्यापार और वित्त में अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करके, पश्चिमी ब्लॉक के आधिपत्य को तोडऩे की आवाजें मुखर हो रही हैं। इसने वास्तव में अमेरिका के वित्तीय और भू-राजनीतिक आधिपत्य को खतरा पैदा करना शुरू कर दिया है। यह भारत, चीन और रूस को विश्व मंच पर एक मजबूत आवाज देता है। यह डॉलर और पश्चिमी संस्थानों से दूर वैश्विक आर्थिक पुनर्संरेखण को बढ़ावा देता है। यह एक बहुध्रुवीय

विश्व व्यवस्था का प्रतीक है, जिसका ट्रम्प समर्थन नहीं करते। हाल ही में ब्रिक्स के विस्तार के साथ, जिसमें 5 नए सदस्य शामिल हुए हैं, पश्चिमी ब्लॉक, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका की चिंताएं बढ़ गई हैं। ब्रिक्स के प्रति ट्रंप का विरोध भू-राजनीतिक और आर्थिक, दोनों ही चिंताओं से उपजा है, क्योंकि यह समूह, खासकर अपने हालिया विस्तार के साथ, वैश्विक मामलों में अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती देता है। इसके प्रमुख कारण इस प्रकार हैं : डोनाल्ड ट्रंप की ब्रिक्स से चिढ़ का पहला और मुख्य कारण यह है कि यह अमेरिकी डॉलर के प्रभुत्व को चुनौती देता है। ब्रिक्स देश व्यापार और वित्त में अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने पर खुलकर चर्चा कर रहे हैं। ट्रंप हमेशा 'अमेरिका फर्स्ट' पर जोर देते रहे हैं, और देशों के डॉलर से दूर जाने का विचार निश्चित रूप से अमेरिकी आर्थिक प्रभाव और प्रतिबंधों की शक्ति को कमजोर करने वाला है। दूसरा बिंदु जो डोनाल्ड ट्रंप को परेशान करता है, वह है ब्रिक्स का पश्चिम के प्रति भू-राजनीतिक विरोध। ब्रिक्स खुद को जी-7, आईएमएफ और विश्व बैंक जैसी पश्चिमी संस्थाओं के प्रतिकार के रूप में स्थापित कर रहा है। ब्रिक्स जैसे नए और शक्तिशाली अंतरराष्ट्रीय गठबंधन निश्चित रूप से अमेरिकी वर्चस्व के लिए एक चुनौती पेश करते हैं। तीसरा, ब्रिक्स द्वारा चीन को वैश्विक स्तर पर अमेरिका को चुनौती देने के लिए एक नेतृत्वकारी मंच प्रदान करना उन्हें बेहद परेशान करता है। वह ब्रिक्स को बहुधुरवीयता की आड़ में चीन के वैश्विक विस्तार के एक माध्यम के रूप में भी देखते हैं। चौथा, सऊदी अरब और ईरान के ब्रिक्स में शामिल होने के साथ, इस समूह का अब वैश्विक ऊर्जा (तेल) बाजारों पर महत्वपूर्ण प्रभाव हो जाएगा। गैर-डॉलर मुद्राओं (जैसे युआन या ब्रिक्स मुद्रा) में तेल व्यापार की संभावना है, जो पेट्रोडॉलर प्रणाली को कमजोर करेगा। पांचवां, ट्रम्प ब्रिक्स के विस्तार को इस बात का संकेत मानते हैं कि वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) पश्चिमी प्रभाव से दूर जा रहा है और अपना स्वतंत्र समूह बना रहा है। छठा, अमेरिका को छोडक़र किसी भी गैर-पश्चिमी समूह के उदय को व्यक्तिगत और राष्ट्रीय अपमान के रूप में देखा जाता है।

कैलिफोर्निया के जंगलों में लगी भीषण आग, सैकड़ों इमारतों पर मंडरा रहा खतरा

लॉस एंजिल्स,06 अगस्त (एजेंसियां)। मध्य कैलिफोर्निया के जंगल में लगी आग ने अब तक 82,000 एकड़ (लगभग 332 वर्ग किलोमीटर) से ज्यादा इलाके को अपनी चपेट में लिया है। यह आग पिछले पांच दिनों से भयानक रूप ले चुकी है और सैकड़ों इमारतों को खतरा बना हुआ है।

अमेरिकी वन सेवा और कैलिफोर्निया के वानिकी व अग्नि सुरक्षा विभाग के अनुसार, 'गिफोर्ड फायरऴ नाम की यह जंगल की आग शुक्रवार दोपहर उस समय भड़क उठी, जब कैलिफोर्निया हाईवे के पास चार अलग-अलग जगहों पर आग लग गई और उन्होंने मिलकर एक विकराल आग का रूप धारण कर लिया। यह आग अब सैन लुइस ओबिस्पो और सांता बारबरा काउंटी में सांता लूसिया रोड के पास फैल रही है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि आग की चपेट में आने से 870 से ज्यादा इमारतें खतरे में हैं। मंगलवार सुबह तक इस आग पर सिर्फ 7 प्रतिशत ही काबू पाया जा सका है। आग की वजह से सांता बारबरा और सैन लुइस ओबिस्पो के लोगों को अपने घर खाली करने का आदेश दिया गया है।

अमेरिकी वन सेवा के अधिकारियों ने जानकारी देते हुए चेतावनी दी कि आग के अनियमित फैलाव के कारण लोगों को अपने इलाके की बदलती स्थिति पर ध्यान रखना चाहिए। अधिकारियों ने बताया कि इलाके में गर्मी और सूखा मौसम बुधवार से सप्ताह के अंत तक बना रह सकता है, इसलिए आग पर काबू पाने के लिए दमकलकर्मी उत्तर और दक्षिण दिशा में लगातार प्रयास करते रहेंगे।

इंसीवेब (अमेरिकी एजेंसी की आपात स्थिति प्रबंधन प्रणाली) के अनुसार, आग बुझाने के लिए 1,900 से ज्यादा दमकलकर्मी तैनात किए गए हैं। इसके अलावा 40 हैंड क्रू, 115 फायर इंजन, 23 बुलडोजर और 30 पानी के टैंकर भी लगाए गए हैं। इन्हें हवाई टैंकरों और हेलीकॉप्टरों की मदद भी मिल रही है।

सांता बारबरा काउंटी अग्निशमन विभाग के प्रवक्ता कैप्टन स्कॉट सेफचुक ने बताया कि आग ऊंची और खड़ी ढलानों पर फैल रही है और इससे बहुत ज्यादा धुआं उठ रहा है। सेफचुक ने कहा, आग का ज्यादातर हिस्सा ऐसे दुर्गम इलाकों में है, जहां बुलडोजर भी नहीं पहुंच सकते।

उन्होंने बताया कि आग बुझाने के लिए अब विमानों की भी मदद ली जा रही है।

राष्ट्रीय मौसम सेवा के लॉस एंजिल्स कार्यालय ने बताया कि यह धुआं दक्षिण-पश्चिम कैलिफोर्निया के कुछ हिस्सों को प्रभावित कर सकता है। जंगल की आग से उठने वाला धुआं स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हो सकता है और इसके दक्षिण और पूर्व की ओर फैलने की आशंका है।

न्यूज ब्रीफ

बीवाईसी ने बलूचिस्तान में संघीय सरकार के चेहल्लुम यात्रा मार्ग पर प्रतिबंध लगाने के फैसले की आलोचना की

क्वेटा। बलूचिस्तान के नागरिक, राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक अधिकारों की वकालत करने वाले समूह

बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) ने संघीय सरकार के हाल ही में बलूचिस्तान से होकर चेहल्लुम के लिए इराक जाने वाले शिया तीर्थयात्रियों के काफिले पर प्रतिबंध लगाने के फैसले की निंदा की है। समूह ने इस कदम को संवैधानिक और मौलिक अधिकारों का उल्लंघनऔर इसे तथाकथित सुरक्षा के नाम पर किया गया धार्मिक भेदभाव बताया है। बीवाईसी की यह प्रतिक्रिया पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ की टिप्पणी के बाद आई है। आसिफ ने मंगलवार को इस्लामाबाद में कहा था कि सरकार ने तीर्थयात्रियों के काफिले को निशाना बनाकर आतंकवादी हमलों के खतरे के कारण क्वेटा से 800 किलोमीटर के भूमि मार्ग पर यात्रा प्रतिबंधित कर दी है। खबर के अनुसार, बीवाईसी ने कहा कि धार्मिक स्वतंत्रता प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार है। तथाकथित सुरक्षा के नाम पर लगाया गया कोई भी प्रतिबंध अस्वीकार्य है। समूह ने आरोप लगाया कि राज्य ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के अपने मूल कर्तव्य को पूरा करने के बजाय यह प्रतिबंध लगाया है। बीवाईसी ने कहा, राज्य की जिम्मेदारी धार्मिक अनुष्ठान करने वाले नागरिकों के लिए सुरक्षित मार्ग प्रदान करना है, न कि आस्था के आधार पर उन्हें बाधित करना। बीवाईसी ने बयान में कहा कि कि शिया तीर्थयात्रियों ने प्रतिबंध के विरोध में कराची से रिमदान सीमा तक लंबे मार्च की घोषणा की है। समूह ने इस मार्च को संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकार बताया और विरोध प्रदर्शन में भाग लेने वालों के साथ अपना पूर्ण समर्थन और एकजुटता व्यक्त की।बीवाईसी ने कहा, हम मांग करते हैं कि शिया तीर्थयात्रियों के कारवां पर प्रतिबंध तुरंत हटाया जाए और बलूचिस्तान से ईरान और इराक जाने वालों को पूरी सुरक्षा प्रदान की जाए। बयान में अधिकारियों को चेतावनी दी गई है कि वे बल प्रयोग या दबाव के जरिए मार्च में बाधा डालने का प्रयास न करें।

लंदन को गंदा कर रहे गुजराती और पंजाबी, कोर्ट में याचिका दायर

लंदन। लंदन की सड़कों पर तंबाकू और पान खाकर पीक थूकने वाले दागों का वीडियो वायरल हो गया। ये

दाग रेनर्स लेन से नॉर्थ हैरो तक के इलाकों में देखे गए। वीडियो में कूड़ेदान, फुटपाथ और सड़कों पर गहरे लाल निशान नजर आ रहे हैं। रेनर्स लेन के लोगों का कहना है कि पान और चबाने वाले तंबाकू की दुकानों के आसपास ये दाग ज्यादा दिखाई दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा-भारत की छवि खराब करने के लिए दूसरे की जरूरत नहीं मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नॉर्थ हैरो में नई पान की दुकान के खिलाफ लोगों ने याचिका दायर की है। उन्हें चिंता है कि इससे पान चबाने और पीक थूकने की समस्या और बढ़ जाएगी। वीडियो वायरल होने के बाद कुछ लोगों ने गुस्से का इजहार किया। उन्होंने खासकर भारतीय लोगों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। एक शख्स ने टिप्पणी की, गुजराती और पंजाबी लोग यूके में परेशानी पैदा कर रहे हैं। एक अन्य ने लिखा कि भारत की छवि खराब करने के लिए दूसरे लोगों की जरूरत नहीं, हमारे लोग पूरी दुनिया में ये काम कर रहे हैं। इसलिए भारतीय पासपोर्ट की गरिमा कम हो रही है।

शेख हसीना के पुराने आधिकारिक घर गणभवन को संग्रहालय में बदलने का फैसला

ढाका। बांग्लादेश सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के पुराने आधिकारिक घर गणभवन को संग्रहालय में

बदलने का फैसला कर लिया है, जिसका नाम जुलाई क्रांति स्मारक संग्रहालय होगा। यह फैसला बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने किया है, जो मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में है। इस संग्रहालय का उद्देश्य पिछले साल हुए विरोध प्रदर्शनों में मारे गए लोगों की याद दिलाना है। शेख हसीना 2010 से 5 अगस्त 2024 तक करीब 15 साल तक इसी घर में रहीं। पिछले साल उनके तख्तापलट के बाद, इस घर में तोड़फोड़ और लूटपाट हुई थी, जिसमें भीड़ ने कई कीमती सामान लूट लिए थे। हालाँकि, बाद में अधिकारियों ने दावा किया कि लूटा गया सामान वापस कर दिया गया था। यह संग्रहालय बनाने का फैसला शेख हसीना के कुशासन का प्रतीक माना जा रहा है। बांग्लादेश में पिछले एक साल से शेख हसीना और उनके पिता, शेख मुजीबुर्रहमान से जुड़ी कई निशानियों को निशाना बनाया जा रहा है। इसमें उनकी मूर्तियों को तोड़ना, नेमप्लेट हटाना, स्कूल की किताबों से उनके चैप्टर बदलना और नोटों से उनकी तस्वीरें हटाना शामिल है। शेख मुजीबुर्रहमान बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति थे और उन्होंने देश को पाकिस्तान से आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

टीटीपी का खैबर कबायली जिले की अशांत तिराह घाटी के आदिवासियों से समझौता

इस्लामाबाद,06 अगस्त (एजेंसियां) ।

प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने मंगलवार को इस बात पर सहमति जताई कि वह सुरक्षा बलों के खिलाफ अपने सशस्त्र संघर्ष में नागरिकों को मानव ढाल के रूप में इस्तेमाल नहीं करेगा। टीटीपी नेताओं ने यह भी वादा किया कि अब से खैबर कबायली जिले की अशांत तिराह घाटी में जकात और उशर के नाम पर किसी से जबरन वसूली नहीं की जाएगी।

खबर के अनुसार टीटीपी के लेटरहेड पर पश्तो भाषा में लिखे और उसकी सर्वोच्च परिषद (रहबारी शूरा) की मुहर लगे इस समझौते को बार कंबरखेल के एक बुजुर्ग ने स्थानीय आदिवासियों के सामने पढ़ा। यह समझौता आम आदिवासियों के खिलाफ शत्रुता समाप्त करने और शांति बहाल करने के लिए तिराह से वापसी की उनकी मांग के जवाब में किया गया है। खैबर के तिराह में बार कंबरखेल जनजाति के जिरगा के दौरान मंगलवार को यह समझौता हुआ।

इस दौरान प्रतिबंधित टीटीपी नेताओं ने सुरक्षा बलों के खिलाफ अपना सशस्त्र प्रतिरोध जारी रखने और उन लोगों को सजा देने की कसम खाई, जिन्होंने सुरक्षा बलों का समर्थन किया या उनके खिलाफ जासूसी करने के दोषी पाए गए। समझौते में कहा गया है कि हमारा एकमात्र उद्देश्य इस्लाम विरोधी ताकतों और उनके सहयोगियों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष (जिहाद) है।हम स्थानीय लोगों के आंतरिक और निजी मामलों में अपनी भागीदारी को अनुचित मानते हैं और इसलिए हमने अपने स्वयंसेवकों को ऐसा करने से सख्त मना किया है।

समझौते में स्पष्ट किया गया है कि टीटीपी सदस्य लोगों के घरों में शरण नहीं लेंगे या सुरक्षा बलों के खिलाफ बंकर के रूप में इसका इस्तेमाल नहीं करेंगे, लेकिन वे ऐसी किसी भी निजी इमारत में सुरक्षा बलों के रुकने का विरोध करेंगे। टीटीपी नेताओं ने यह भी सहमति व्यक्त की कि लड़ाके किसी का अपहरण या उत्पीड़न नहीं करेंगे। तिराह के बार कंबरखेल में बातचीत का पहला दौर 28 जुलाई को हुआ था। इस दौरान टीटीपी के स्थानीय कमांडरों ने अफगानिस्तान में अपने नेतृत्व को जिरगा की मांगों से अवगत कराने के लिए पांच अगस्त तक का समय मांगा था। इस समझौते की तिराह के अधिकांश निवासियों ने सराहना की है।

बीएलए ने बम विस्फोट की जिम्मेदारी ली, हमले में पाकिस्तान की सेना के मेजर समेत तीन सैन्यकर्मियों को मार गिराने का दावा

इस्लामाबाद। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने बलूचिस्तान के नुश्की जिले में मंगलवार रात हुए बम विस्फोट की जिम्मेदारी लेते हुए दावा किया कि उसके हमले पाकिस्तान की सेना के एक मेजर समेत तीन सैन्यकर्मी मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए। बीएलए ने दावा किया कि उसकी खुफिया शाखा जिराब की पुख्ता सूचना पर मेजर के काफिले को निशाना बनाया गया। बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच के हवाले से यह खबर प्रसारित की है। यह हमला रात करीब 8:00 बजे नुश्की जिले के गरगिना

इलाके में एक सड़क किनारे लगे इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) से एक बुलेटप्रूफ सैन्य वाहन को निशाना बनाकर किया गया। मृतकों की पहचान मेजर रिजवान, नायब सूबेदार अमीन और लांस नायक यूनिस के रूप में होने का दावा किया गया है। पाकिस्तान की सेना ने अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की है। बीएलए प्रवक्ता जीयंद बलूच ने दावा किया कि लड़ाकों ने जिराब की सूचना के आधार पर मेजर रिजवान के काफिले को निशाना बनाया। इस हमले की पूरी जिम्मेदारी बलूच लिबरेशन आर्मी लेती है।

अमेरिका में एक और प्लेन हादसा मेडिकल ट्रांसपोर्ट प्लेन क्रैश, चार लोगों की जिंदा जलकर मौत

एरिज़ोना,06 अगस्त (एजेंसियां) । अमेरिका में एरिज़ोना प्रांत के नवाजो नेशन में बुधवार को एक मेडिकल ट्रांसपोर्ट प्लेन अचानक क्रैश हो गया। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गयी। नवाजो नेशन पुलिस ने फेसबुक पर बताया, दुर्यघटना के समय यह छोटा विमान पास के एक अस्पताल से एक मरीज को लेने जा रहा था। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना अपराह्न करीब 12:40 बजे एरिज़ोना के चिनले के पास हुयी।

सीएनएन न्यूज चैनल ने अपनी रिपोर्ट में नवाजो पुलिस के हवाले से बताया, हम पीड़ितों के परिवार और प्रियजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। संघीय उड्डयन प्रशासन के अनुसार राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड ने बताया कि विमान बीचक्राफ्ट 300 था, जो नवाजो नेशन के चिनले म्यूनिसिपल हवाई अड्डे पर उतरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

एनटीएसबी की प्रवक्ता सारा टेलर सुलिक ने सीएनएन को बताया, एनटीएसबी के जांचकर्ता घटनास्थल के लिए रवाना हो चुके हैं और आज रात उनके पहुंचने की उम्मीद है। घटनास्थल पर पहुंचने के बाद जांचकर्ता घटनास्थल का दस्तावेज़ीकरण और विमान की जांच शुरू करेंगे। इसके बाद विमान को आगे के मूल्यांकन के लिए एक सुरक्षित स्थान पर ले जाया जाएगा। एफएए और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड दुर्घटना के कारणों की जांच कर रहे हैं।

बीच पर डूब रही नौका को खींचते लोग

इंडोनेशिया में लोग और बचाव दल के अधिकारी मिलकर सनूर बीच पर डूब रही एक नौका को रस्सी से खींचते हुए।

अमेरिकी न्याय विभाग को जेफरी एपस्टीन से जुड़ी फाइलें सौंपने के लिए समन

वाशिंगटन,06 अगस्त (एजेंसियां) ।

हाउस ओवरसाइट कमेटी अध्यक्ष जेम्स कॉमर ने मंगलवार को अमेरिकी न्याय विभाग को समन जारी किया। विभाग से कहा गया है कि वह नाबालिग लड़कियों की तस्करी के आरोपित जेफरी एपस्टीन से जुड़ी पूरी फाइलें सौंप दे। कॉमर ने दूसरा समन पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और पूर्व विदेशमंत्री हिलेरी क्लिंटन की गवाही के लिए जारी किया गया है। कॉमर ने कहा कि वह चाहते हैं कि न्याय विभाग 19 अगस्त तक या उससे पहले पूरी फाइलें सौंप दे। कॉमर ने यह जानकारी देते हुए कहा कि विभाग एपस्टीन और मैक्सवेल के मामलों से संबंधित अतिरिक्त जानकारी को सार्वजनिक करने का प्रयास कर रहा है। यह आवश्यक है कि कांग्रेस संघीय सरकार यौन तस्करी कानूनों के प्रवर्तन और विशेष रूप से एपस्टीन और मैक्सवेल की जांच और अभियोजन के संचालन की निगरानी करे। कॉमर ने न्याय विभाग की आला अधिकारी अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी

को भेजे समन में यह उल्लेख किया है। क्लिंटन दंपत्ति के अलावा, रिपब्लिकन नेतृत्व वाले पैनल ने जेम्स कॉमी, लोरेटा लिंच, एरिक होल्डर, मेरिक गारलैंड, रॉबर्ट म्यूलर, विलियम बार, जेफ सेशंस और अल्बर्टो गोंजालेस के बयान दर्ज कराने के लिए भी समन जारी किए है। कमेटी के रिपब्लिकन सदस्यों ने कहा कि वे इन लोगों से एपस्टीन संबंधी फाइलों के संबंध में जानकारी मांग रहे हैं। कुछ रिपब्लिकन वर्षों से एपस्टीन मामले से जुड़ी साजिशों और षड्यंत्रों को हवा दे रहे हैं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई बार इस पर अपनी राय दे चुके हैं। कुछ ने सवाल उठाया है कि इन दोनों की कथित ग्राहक सूची में और कौन हो सकता है। न्याय विभाग और एफबीआई ने पिछले महीने एक संक्षिप्त बयान में कहा था कि समीक्षा में पाया गया कि ऐसी कोई सूची मौजूद नहीं है। कांग्रेस ने कुछ माह पहले कॉमर को इस आशय के समन जारी करने के लिए आधिकारिक रूप से कहा था। ओवरसाइट रैंकिंग सदस्य प्रतिनिधि रॉबर्ट गार्सिया ने पिछले महीने कहा था कि यह कदम एपस्टीन से जुड़ी फाइलों पर पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए डेमोक्रेट्स की लड़ाई का हिस्सा है। कांग्रेस का समन औपचारिक कानूनी आदेश होता है। एपस्टीन पर यौन तस्करी का आरोप लगाया गया था और 2019 में जेल में उसने आत्महत्या कर ली थी। एपस्टीन की सहयोगी गिस्लेन मैक्सवेल को ट्रंप के प्रथम कार्यकाल के दौरान 2020 में यौन तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। 2021 में उन्हें दोषी ठहराया गया।

इजराइल की गाजा में पूर्ण सैन्य नियंत्रण की योजना पर विचार, सैन्य और जनमत से टकराव

तेल अवीव,06 अगस्त (एजेंसियां) ।

इजराइल सरकार गाजा पट्टी के उस 25 प्रतिशत क्षेत्र में भी सेना तैनात करने पर विचार कर रही है, जो अभी उसके नियंत्रण में नहीं है। हालांकि इस संभावित कदम को लेकर सैन्य नेतृत्व और देश की अधिकांश जनता में चिंता जताई जा रही है कि इससे हमास के कब्जे में बचे बंधकों की रिहाई की संभावनाएं कमजोर हो सकती हैं।

एक वरिष्ठ इजराइली अधिकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस निर्णय को अंतिम रूप देने से पहले अपनी सुरक्षा कैबिनेट की बैठक इसी सप्ताह बुला सकते हैं। मंगलवार को नेतन्याहू ने तीन घंटे लंबी सुरक्षा बैठक की, जिसमें आईडीएफ (इजराइल डिफेंस फोर्सेस) के चीफ ऑफ स्टाफ एयाल जामिर ने सैन्य विकल्पों की प्रस्तुति दी।

आईडीएफ ने साफ किया है कि सुरक्षा कैबिनेट द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय को लागू करने के लिए वह तैयार है।

अंतरराष्ट्रीय और घरेलू दबाव

गाजा में जारी लगभग दो वर्ष लंबे युद्ध को लेकर इजराइल पर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दबाव लगातार बढ़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि खाद्य आपूर्ति पर इजराइली प्रतिबंध और युद्ध से हुई तबाही के कारण गज़ा में भुखमरी का खतरा बढ़ रहा है। जुलाई के अंत में इजराइल ने संयुक्त राष्ट्र और एनजीओ के माध्यम से मानवीय सहायता के वितरण को आसान बनाने का वादा किया था। मंगलवार को सरकार ने खाद्य और स्वच्छता सामग्री की वाणिज्यिक पहुंच में कुछ और ढील देने की घोषणा की, लेकिन यह कड़ी सुरक्षा जांच के अधीन रहेगी।

प्रदेशों में सरकारी गतिविधियों के समन्वयक (सीओजीएटी) ने बताया कि अब स्थानीय व्यापारी सीमित मात्रा में खाद्य सामग्री गाजा में ला सकते हैं और उसे बाजार में बेच सकते हैं। जुलाई के मध्य में जहां प्रतिदिन औसतन 30 ट्रक सहायता सामग्री लेकर आते थे, वहीं यह संख्या अब 185 ट्रकों तक पहुंच गई है।

घरेलू राजनीति में मतभेद

सैन्य नेतृत्व इस नए सैन्य कदम को लेकर संशय में है। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने कहा है कि सेना को सरकार की राजनीतिक नीतियों को लागू करना चाहिए और वह यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा हो। वहीं, नेशनल सिक्योरिटी मंत्री इतामार बेन गविर, जो नेतन्याहू की गठबंधन सरकार के कट्टरपंथी सदस्य हैं, ने आईडीएफ चीफ एयाल जामिर की आलोचना करते हुए कहा कि उन्हें स्पष्ट रूप से सरकार के आदेशों का पालन करने की प्रतिबद्धता जतानी चाहिए।

विपक्ष के नेता और पूर्व आईडीएफ प्रमुख बेनी गैंट्ज ने जामिर पर हुए हमले को गैरजिम्मेदाराना बताया।

उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2023 में हमास द्वारा किए गए हमलों में अगवा किए गए लोगों में से अब भी 50 बंधक हमास के कब्जे में हैं, जिनमें से केवल 20 के जीवित होने की संभावना जताई गई है। जनता और सैन्य नेतृत्व का एक बड़ा हिस्सा मानता है कि गाजा में और गहराई तक सैन्य कार्रवाई करने से इन बंधकों की रिहाई की संभावनाएं और कम हो जाएंगी।

अब अपने अनुसार मैचों का चयन नहीं कर सकेंगे स्टार खिलाड़ी

मुम्बई,06 अगस्त (एजेंसियां) ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब आने वाली सीरीज में खिलाड़ियों को अपने अनुसार मैचों का चयन करने का अवसर नहीं देगा। अभी स्टार खिलाड़ी किसी भी सीरीज के पूरे मैच नहीं खेलते हैं। वह अपने अनुसार तय करते हैं कि कौन सा मैच खेलना है और कौन सा नहीं। वहीं मुख्य कोच गौतम गंभीर इस प्रकार की स्टार संस्कृति को पसंद नहीं करते हैं। ऐसे में इंग्लैंड से सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने के बाद गंभीर और चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर अब चाहेंगे कि टीम ऐसी बने जिसमें सभी को बराबरी का महत्व मिले। ये भी अटकलें हैं कि चयन समिति, गंभीर और बोर्ड अधिकारी कार्यभार प्रबंधन के नाम पर खिलाड़ियों के मर्जी से मैच और सीरीज खेलने के चलन पर रोक लगाने को लेकर सहमत हैं। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा ,'इस पर बात हुई है और केंद्रीय अनुबंध प्राप्त खिलाड़ियों को बता दिया गया है, उनको जो सभी प्रारूपों में नियमित खेलते हैं कि भविष्य में अपनी मर्जी से मैच चयन का कल्चर नहीं चलेगा।'

इस अधिकारी ने कहा ,'इसका ये अर्थ नहीं हैं कि कार्यभार प्रबंधन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। तेज गेंदबाजों का कार्यभार प्रबंधन जरूरी है पर इसका बहाना कर खिलाड़ी बड़े मैचों से बाहर नहीं रह सकते।' इंग्लैंड के खिलाफ मोहम्मद सिराज ने पांच टेस्ट में 185 ओवर किये। इसके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और आकाश दीप के प्रदर्शन ने साबित कर दिया कि बड़े से बड़े सितारे भी खेल से बढकर नहीं हैं। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने भी कई दिक्कतों के बावजूद चौथे टेस्ट तक काफी लंबे स्पैल किये। इससे तय है कि खिलाड़ी अगर चाहें तो वे कुछ दिक्कतों के बाद भी खेल सकते हैं।

न्यूज ब्रीफ

प्रो कबड्डी लीग 2025: प्लेऑफ में वापसी की तैयारी में बंगाल वॉरियर्ज़

मुम्बई। प्रो कबड्डी लीग सीज़न 12 में बंगाल वॉरियर्ज़ प्लेऑफ़ में वापसी की कोशिश करेगी। सीज़न 7 की चैंपियन टीम पिछले चार सीज़नों से लीग चरण से आगे नहीं बढ़ पाई है। टीम ने कोचिंग स्टाफ में बदलाव करते हुए प्रशांत सुरवे को हटाकर नवीन कुमार को नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। नीलामी में वॉरियर्ज़ ने टीम को नया रूप दिया और रेडर देवांक दलाल को 2.205 करोड़ रुपये में खरीदा। उनके साथ ओमिद खोजास्ते, जंग कुन ली, सुशील कांबरेकर और अन्य रेडर्स टीम की ताकत बनेंगे। रेडिंग यूनिट इस बार टीम की सबसे बड़ी ताकत मानी जा रही है। हालांकि, टीम की डिफेंस लाइन अनुभवहीन है और ऑलराउंडर्स की भी कमी है। केवल शिवांश ठाकुर और नए खिलाड़ी मूलचंद्र सिंह ही ऑलराउंडर के रूप में मौजूद हैं। टीम के पास कई युवा खिलाड़ी हैं जो खुद को साबित करने के लिए तैयार हैं, लेकिन टीम को देवांक जैसे कुछ खिलाड़ियों पर अधिक निर्भर रहना पड़ सकता है। यदि वे फॉर्म में नहीं रहे या चोटिल हो गए, तो प्लेऑफ़ की राह मुश्किल हो सकती है। वॉरियर्ज़ के लिए यह सीज़न निर्णायक साबित हो सकता है।

यूएई त्रिकोणीय सीरीज के लिए अफगानिस्तान की 22 सदस्यीय प्रारंभिक टीम घोषित

काबुल। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान और यूएई के खिलाफ आगामी त्रिकोणीय सीरीज के लिए 22 खिलाड़ियों की प्रारंभिक टीम घोषित कर दी है। टीम की कमान स्टार लेग स्पिनर राशिद खान को सौंपी गई है। इस टीम में रहमानुल्लाह गुरबाज़, फजलहक फारूकी, अजमतुल्लाह उमरजई और अनुभवी मोहम्मद नबी जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत 29 अगस्त को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से होगी। इससे पहले अफगानिस्तान टीम दो हफ्तों के प्रशिक्षण शिविर में भाग लेगी। यह सीरीज अफगानिस्तान के लिए आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी का अहम हिस्सा मानी जा रही है। अफगानिस्तान की प्रारंभिक टीम राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), सदीकुल्लाह अटल, वफिउल्लाह तारखिल, इब्राहिम जादरान, दरवेश रसूली, मोहम्मद इसहाक, मोहम्मद नबी, नंग्याल खारोती, शराफुद्दीन अशरफ, करीम जन्नत, अजमतुल्लाह उमरजई, गुलबदीन नैब, मुजीब जादरान, एएम ग़ज़नफ़र, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, नवीन उल हक़, फरीद मलिक, सलीम साफ़ी, अब्दुल्लाह अहमदजई और बशीर अहमद।

लीग्स कप 2025: चोट के कारण पुमास यूनाम के खिलाफ इंटर मियामी के मैच से बाहर रहेंगे लियोनेल मेसी

मियामी। इंटर मियामी को लीग्स कप 2025 के अहम मुकाबले में बड़ा झटका लगा है। टीम के स्टार खिलाड़ी लियोनेल मेसी पुमास यूनाम के खिलाफ होने वाले ग्रुप स्टेज मुकाबले से बाहर हो गए हैं। टीम के कोच जेवियर माशेरानो ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। माशेरानो ने बताया कि मेसी को पिछले शनिवार नेकैक्सा के खिलाफ मियामी की जीत के दौरान दाहिनी जांघ के ऊपरी हिस्से में हल्की मांसपेशियों की चोट लगी है। माशेरानो ने पत्रकारों से कहा, बुरी खबर के बीच अच्छी बात ये है कि मेसी आमतौर पर काफी तेजी से चोट से उबरते हैं,लेकिन साफ है कि वो कल के मैच के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। इसके बाद हम देखेंगे कि उनकी रिकवरी कैसी रहती है। मेसी इस सीजन एमएलएस में सबसे ज्यादा 18 गोल कर चुके हैं और 2023 में इंटर मियामी को लीग्स कप खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभा चुके हैं। इंटर मियामी को लीग्स कप के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिए पुमास यूनाम के खिलाफ यह मुकाबला हर हाल में जीतना जरूरी है। अगर टीम नॉकआउट चरण में पहुंचती है, तो मेसी के पास वापसी के लिए लगभग दो हफ्तों का समय होगा। इंटर मियामी का अगला एमएलएस मुकाबला रविवार को ओरलैंडो के खिलाफ खेला जाएगा ।

कनाडियन ओपन 2025 : टेलर फ्रिट्ज़ और बेन शेल्टन के बीच ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल मुकाबला तय

टोरंटो,06 अगस्त (एजेंसियां) ।

टेलर फ्रिट्ज़ और बेन शेल्टन ने मंगलवार को कनाडियन ओपन 2025 के क्वार्टरफाइनल में जीत दर्ज कर ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल की नींव रख दी है। यह पिछले 15 वर्षों में पहली बार है जब किसी एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में दो अमेरिकी खिलाड़ी आमने-सामने होंगे। दूसरी वरीयता प्राप्त फ्रिट्ज़ ने छठी वरीयता प्राप्त रूस के आंद्रे रुब्लेव को 6-3, 7-6 (4) से हराया। फ्रिट्ज़ ने मुकाबले में कुल 20 ऐस लगाए, जिनमें अंतिम अंक पर लगाया गया ऐस निर्णायक साबित हुआ।

इसके बाद चौथे वरीय शेल्टन ने ऑस्ट्रेलिया के नौंवे वरीय एलेक्स डी मिनॉर को 6-3, 6-4 से मात दी। 22 वर्षीय शेल्टन ने पहली बार किसी एटीपी मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनाई है।

फ्रिट्ज़ और शेल्टन के बीच यह ऐतिहासिक सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इससे पहले आखिरी बार 2010 में एंडी रोडिक और मार्डी फिश के बीच सिनसिनाटी में ऐसा ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल खेला गया था।

बुधवार को होने वाला दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के एलेक्ज़ेंडर ज्वेरेव और 11वीं वरीयता प्राप्त रूस के करेन खाचानोव के बीच होगा। ज्वेरेव 2017 में मॉन्ट्रियल में यह खिताब जीत चुके हैं। टूर्नामेंट का फाइनल गुरुवार को खेला जाएगा।

27 वर्षीय फ्रिट्ज़ ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाते हुए पहले गेम में तीन ऐस लगाए और अगले आठ अंक जीतते हुए रुब्लेव की सर्विस तोड़ी। उन्होंने पहले सेट में 4-1 की बढ़त हासिल करते हुए आसानी से सेट अपने नाम किया।

फ्रिट्ज़, जो वर्तमान में एटीपी रैंकिंग में चौथे स्थान पर हैं और पिछले साल यूएस ओपन फाइनल में विश्व नंबर 1 यानिक सिनर से हार गए थे, अब अपने करियर का 11वां एटीपी टूर खिताब और दूसरा मास्टर्स 1000 खिताब जीतने की ओर अग्रसर हैं।

दूसरे सेट में फ्रिट्ज़ ने 4-4 की बराबरी पर रुब्लेव की सर्विस तोड़ी, लेकिन रुसी खिलाड़ी ने तुरंत वापसी की और 6-5 की बढ़त ली। हालांकि, फ्रिट्ज़ ने सेट को टाईब्रेक में ले जाकर जीत दर्ज की। गौरतलब है कि इस बार कई शीर्ष खिलाड़ियों जैसे सिनर, जैक ड्रेपर (नंबर 5), नोवाक जोकोविच (नंबर 6) और कार्लोस अल्कराज (नंबर 2) ने इस टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था। अल्कराज ने विंबलडन सेमीफाइनल में फ्रिट्ज़ को हराया था।रुब्लेव, जो पिछले साल मॉन्ट्रियल में खेले गए फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपिरिन से हार गए थे, इस बार चौथे दौर में ही बाहर हो गए। 27 वर्षीय यह खिलाड़ी विंबलडन और फ्रेंच ओपन के चौथे दौर तक पहुंचे थे।

कनेडियन ओपन 2025 : ओसाका ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, टॉसन ने कीज़ को हराया

मॉन्ट्रियल। जापान की पूर्व वर्ल्ड नंबर 1 और चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका ने मंगलवार रात कनाडियन ओपन के सेमीफाइनल में जगह बना ली। उन्होंने 10वीं वरीयता प्राप्त एलीना स्वितोलिना को महज 6-2, 6-2 से हराकर टूर्नामेंट में अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को जारी रखा। सेमीफाइनल में अब ओसाका का सामना 16वीं वरीय क्लारा टॉसन से होगा, जिन्होंने दिन के पहले क्वार्टरफाइनल में छठी वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज़ को 6-1, 6-4 से हराकर चौंका दिया। ओसाका, जो 2022 में मियामी ओपन के फाइनल के बाद पहली बार किसी डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में पहुंची हैं, 2023 में बेटी शाई के जन्म के लिए 15 महीने के ब्रेक के बाद टेनिस में लौटी हैं। वह अपने करियर का आठवां खिताब और 2021 ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद पहला खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं। इस बीच, बुधवार को खेले जाने वाले एक और सेमीफाइनल में, कनाडा की 18 वर्षीय विक्टोरिया म्बोको का मुकाबला नौवीं वरीय एलेना रायबाकिना (कजाखस्तान) से होगा। टोरंटो की रहने वाली म्बोको, जो पहली बार नेशनल बैंक ओपन के मुख्य ड्रॉ में खेल रही हैं, इस टूर्नामेंट के शानदार प्रदर्शन के चलते टॉप 50 रैंकिंग में प्रवेश करेंगी। उन्होंने टूर्नामेंट में टॉप सीड कोको गॉफ सहित पाँच उच्च वरीय खिलाड़ियों को हराया है। भावुक टॉसन ने जीत अपने दादा को समर्पित की क्लारा टॉसन ने अपनी जीत अपने दादा पीटर को समर्पित की। उन्होंने मैच के बाद कोर्ट पर भावुक होते हुए कहा, मैं उनके लिए जीतना चाहती थी। उन्होंने मुझे हमेशा प्रोत्साहित किया, टेनिस खेलने में मदद की, स्कूल से हर दिन प्रैक्टिस के लिए ले जाते थे। 22 वर्षीय डेनमार्क की खिलाड़ी ने बताया कि उन्हें सोमवार सुबह अपने दादा के निधन की खबर मिली, ठीक एक दिन बाद जब उन्होंने विंबलडन चैंपियन और विश्व नंबर 3 इगा स्विएतेक को सीधे सेटों में हराया था।

विल ओरूर्के ज़िम्बाब्वे टेस्ट से बाहर बेन लिस्टर को टीम में जगह

बुलावायो,06 अगस्त (एजेंसियां) ।

न्यूजीलैंड के तेज़ गेंदबाज़ विल ओरूर्के पीठ की चोट के कारण ज़िम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच से बाहर हो गए हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को इस बात की पुष्टि की। उनकी जगह बाएं हाथ के तेज़ गेंदबाज़ बेन लिस्टर को टीम में शामिल किया गया है। लिस्टर अब तक टेस्ट डेब्यू नहीं कर पाए हैं और इस सीरीज़ के लिए उन्हें कवर के तौर पर बुलाया गया है।

ओरूर्के ने ज़िम्बाब्वे के खिलाफ पहले टेस्ट में हिस्सा लिया था, जहां तीसरे दिन खेल के दौरान उन्हें पीठ में अकड़न महसूस हुई थी। उन्होंने उस मुकाबले में कुल 23 ओवर फेंके थे और 3 विकेट झटके थे।

पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड ने ज़िम्बाब्वे को नौ विकेट से करारी शिकस्त दी थी। अब टीम दूसरा टेस्ट जीतकर दो मैचों की सीरीज़ में क्लीन स्वीप करना चाहेगी। दूसरा टेस्ट 7 अगस्त से बुलावायो के क्वींस क्रिकेट क्लब में शुरू होगा।

शुगर डेडी के जरिये किसी पर तंज नहीं किया : चहल

मुंबई। क्रिकेटर युजवेंद्र चहल हाल ही में अपनी टीशर्ट पर लिखे बी योर ओन शुगर डैडी वाली बात को लेकर सोशल मीडिया में काफी वायरल हुए हैं। ये टी शर्ट उन्होंने अपनी तलाक की अंतिम सुनवाई पर पहनी थी। इसके बाद से ही कहा जाने लगा कि इससके जरिये चहल ने अपनी पूर्व पत्नी धनश्री वर्मा को ताना मारा है। वहीं अब चहल ने साफ कर दिया कि इसमें ऐसी कोई बात नहीं थी। वह केवल एक संदेश देना चाहते थे। उन्होंने कहा,मुझे ड्रामा नहीं करना था, मैं बस एक संदेश देना चाहता था और मैंने वो दे दिया चहल ने कहा, क्योंकि दूसरी तरफ से कुछ हुआ था, और शुरू में मेरा कुछ करने का इरादा नहीं था पर जब वो हुआ, तो मैंने कहा, अब तुम संभालो। मुझे अब किसी की परवाह नहीं है मैंने किसी को ताना नहीं मारा, मैं बस एक संदेश देना चाहता था। चहल ने कहा कि वह सलाह दे रहे थे कि अब सबकुछ समाप्त होने का पल है न कि बेवजह बहस का। गौरतलब है कि धनश्री वर्मा और चहल की शादी साल 2020 में हुई थी। दोनों ने 20 मार्च 2025 को आधिकारिक रूप से तलाक ले लिया।

सचिन ने शुभमन की जमकर प्रशंसा की

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। सचिन ने कहा कि भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड के खिलाफ जिस प्रकार की निरंतरता कप्तानी के साथ ही रन बनाने में दिखायी है वह सराहनीय है। उन्होंने अच्छी गेंदों का सम्मान करते हुए बड़ी पारियां खेलीं। शुभमन ने कप्तान के तौर पर टेस्ट सीरीज में सबसे अधिक रन बनाने का सुनील गावस्कर का 732 रनों का रिकॉर्ड भी तोड़ा। अब इस मामले में शुभमन से आगे केवल ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमेन 810 रन हैं। शुभमन गिल दूसरे स्थान पर हैं हालांकि वह गावस्कर के एक टेस्ट सीरीज में 774 रनों के रिकार्ड को तोड़ने में विफल रहे। उनकीकप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड से 2-2 से सीरीज बराबर करने में सफल रही है। तेंदुलकर ने कहा, 'शुभमन ने पूरी सीरीज में शानदार बल्लेबाजी की। अच्छी बल्लेबाजी के लिए सोच में स्पष्टता और रणनीति होना जरूरी है। उनकी सोच में निरंतरता बनी हुई थी जो उसके फुटवर्क में दिखी। बल्लेबाजी में उनका नियंत्रण बरकरार था। उन्होंने अच्छी गेंदों का सम्मान किया।' वहीं सचिन ने तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज की सराहना करते हुए कहा, 'मुझे उनका रवैया पसंद आया। वे विकेट लें या नहीं उनका रवैया हमेशा ही एक सा रहता है।

वेस्ट दिल्ली लायंस ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ को 8 विकेट से हराया, अंकित कुमार और कृष यादव की धमाकेदार साझेदारी

नई दिल्ली,06 अगस्त (एजेंसियां) ।

अरुण जेटली स्टेडियम में मंगलवार रात खेले गए दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) 2025 के दूसरे सीज़न के मुकाबले में वेस्ट दिल्ली लायंस ने साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी। इस जीत के हीरो रहे सलामी बल्लेबाज़ अंकित कुमार और विकेटकीपर-बल्लेबाज़ कृष यादव, जिन्होंने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई।

186 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्ट दिल्ली लायंस की टीम की शुरुआत बेहद धमाकेदार रही। अंकित और कृष ने पहले विकेट के लिए मात्र 14 ओवरों में 158 रनों की तूफानी साझेदारी की, जिसने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। कृष यादव ने 42 गेंदों पर 67 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें शानदार स्ट्रोक्स और तेज़ रनिंग शामिल रही।

वहीं, अंकित कुमार दुर्भाग्यवश शतक से चूक गए और 46 गेंदों में 96 रनों की तूफानी पारी खेलकर आउट हुए। उनकी इस पारी में 11 चौके और 6 गगनचुंबी छक्के शामिल थे।

इससे पहले, साउथ दिल्ली सुपरस्टार्ज़ ने पहले बल्लेबाज़ी करते हुए अच्छी शुरुआत की। ओपनर कुनवर बिधूड़ी (27 गेंदों में 42 रन) और सुमित माथुर (29 गेंदों में 33 रन) ने पहले विकेट के लिए 74 रन जोड़े। कप्तान आयुष बडोनी ने भी 25 गेंदों में 48 रनों की अहम पारी खेली।

हालांकि, मिडल ओवर्स के बाद सुपरस्टार्ज़ की पारी बिखर गई और टीम नियमित अंतराल पर विकेट गंवाती रही। अंततः टीम 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 185 रन ही बना सकी। वेस्ट दिल्ली लायंस के गेंदबाज़ों ने डेथ ओवर्स में शानदार गेंदबाज़ी की। अनिरुद्ध चौधरी ने 4 ओवर में 25 रन देकर 3 विकेट झटके। वहीं, मनन भारद्वाज ने 2/23 और हृतिक शौकीन ने 1/16 का योगदान दिया।

आईजीपीएल जैसी लीग युवाओं को न सिर्फ मंच देगी, बल्कि आर्थिक रूप से सहयोग भी करेगी : गगनजीत सिंह भुल्लर

नई दिल्ली,06 अगस्त (एजेंसियां) ।

अनुभवी भारतीय गोल्फर और अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित गगनजीत सिंह भुल्लर ने इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) में एक आइकन खिलाड़ी के रूप में करार किया है। वह इस बहुप्रतीक्षित लीग में एक फ्रेंचाइजी टीम का नेतृत्व करेंगे।

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भुल्लर ने आईजीपीएल को हाल के वर्षों की सबसे रोमांचक गोल्फ पहल बताया और इसमें भाग लेने के पीछे की वजहों को साझा किया। भुल्लर ने कहा, गोल्फ एक व्यक्तिगत खेल है, लेकिन जब भी मुझे देश का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला है, मुझे टीम के रूप में खेलने में हमेशा आनंद आया है। 2006 के दोहा एशियाई खेलों में जब हमने रजत पदक जीता, वह अनुभव आज भी यादगार है।

भुल्लर ने कहा, लोगों को शायद यह अंदाजा नहीं होता कि गोल्फ एक बेहद महंगा खेल है। ऐसे में आईजीपीएल जैसी लीग युवाओं को न सिर्फ मंच देगी, बल्कि आर्थिक रूप से भी सहयोग करेगी। यह केवल शोपीस लीग नहीं है, बल्कि इसमें गंभीर प्रतिस्पर्धा और बड़ी इनामी राशि होगी। उन्होंने कहा, जो युवा खिलाड़ी अपने करियर की शुरुआत में हैं, उनके लिए इस तरह की लीग में हिस्सा लेकर पैसे कमाना और खुद के खेल में निवेश करना बहुत बड़ी बात होगी। क्योंकि जब संसाधन नहीं होते, तो शुरुआत में ही बहुत से खिलाड़ी पीछे रह जाते हैं। आईजीपीएल इस खाई को पाटने में मदद करेगा।

उन्होंने कहा, जब मुझे गोल्फ लीग की जानकारी मिली, तो मुझे लगा कि यही वो चीज़ है जिसका मैं इंतजार कर रहा था। क्योंकि हम अक्सर टीम के रूप में नहीं खेल पाते। यह एक ऐसा पहलू था जो मेरे करियर में अधूरा सा लग रहा था।

आईजीपीएल भारत की पहली पेशेवर गोल्फ लीग होगी जिसमें पुरुष और महिला खिलाड़ी एक ही मंच पर खेलते नजर आएंगे। फ्रेंचाइजी आधारित इस लीग में क्षेत्रीय सर्किट्स भी होंगे, जिससे यह लीग न केवल खेल के प्रारूप को नया रूप देगी, बल्कि समावेशिता और एथलीट सशक्तिकरण को भी बढ़ावा देगी।

इस लीग से जुड़ी प्रमुख बातों में क्रिकेट के दिग्गज और गोल्फ प्रेमी युवराज सिंह का बतौर सह-मालिक और ब्रांड एंबेसडर होना और इंडियन गोल्फ यूनियन के साथ समझौता ज्ञापन साइन करना शामिल है। इससे यह लीग भारत में पुरुषों, महिलाओं और शौकिया गोल्फरों के लिए एक प्रमुख मंच बनने की दिशा में अग्रसर है।

भुल्लर इस लीग को उभरती प्रतिभाओं को निखारने और आगे बढ़ाने का एक बड़ा अवसर मानते हैं। उन्होंने कहा, जब मुझे टीम का कप्तान बनने का मौका मिला, तो मैंने सोचा कि मैं अगली पीढ़ी के गोल्फरों का मार्गदर्शन कर सकता हूं। यह जिम्मेदारी मुझे व्यक्तिगत रूप से भी बहुत उत्साहित करती है। शिव कपूर, गौरव घई और एसएसपी चौरसिया जैसे दिग्गजों की मौजूदगी से युवा खिलाड़ियों को बहुत कुछ सीखने को मिलेगा और उनका विकास तेज़ी से होगा।

पहले संस्करण के आयोजन से पहले, आईजीपीएल का दौरा देश के विभिन्न शहरों में कराया जाएगा ताकि देशभर में गोल्फ को लेकर माहौल तैयार किया जा सके और प्रतिभावान खिलाड़ियों को लीग से जोड़ा जा सके। लीग का उद्देश्य न केवल प्रतिस्पर्धी गोल्फ को बढ़ावा देना है, बल्कि इसे जमीनी स्तर तक ले जाकर खिलाड़ियों के विकास की पूरी संरचना तैयार करना है। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों और दिग्गजों को बुलाकर भारतीय खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ मार्गदर्शन और अनुभव दिया जाएगा। इसके साथ ही, आईजीपीएल देश के विभिन्न स्कूलों और विश्वविद्यालयों से भी साझेदारी करेगा ताकि गोल्फ की जड़ों को मजबूत किया जा सके और एक स्थायी टैलेंट पाइपलाइन तैयार की जा सके। महिलाओं के लिए भी लीग ने वूमेन गोल्फ एसोसिएशन ऑफ इंडिया के साथ साझेदारी की है, ताकि महिला गोल्फरों को भी प्रोफेशनल मंच, समुचित दृश्यता और संरचित अवसर मिल सकें।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली,06 अगस्त (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान कमजोरी के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान मिला-जुला कारोबार होता रहा। वहीं, एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिका के कमजोर आर्थिक आंकड़ों की वजह से बने दबाव और टैरिफ को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही, जिसकी वजह से वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.49 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,299.19 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 137.03 अंक यानी 0.65 प्रतिशत टूट कर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 153 अंक यानी 0.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ 44,264.74 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ 9,142.73 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स ने 0.37 प्रतिशत उछल कर 23,846.07 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत सीएसी इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,621.04 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.69 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,255.59 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.68 प्रतिशत की मजबूती के साथ 40,824 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.29 प्रतिशत उछल कर 7,537.16 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,627.54 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,706.50 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 0.15 प्रतिशत फिसल कर 24,864 अंक के स्तर तक आ गया है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 147.25 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,513.34 अंक के स्तर पर, कोस्पी इंडेक्स 0.27 प्रतिशत टूट कर 3,189.30 अंक के स्तर पर और स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 4,207.73 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

वैश्विक साइबर धोखाधड़ी मामले में दिल्ली-एनसीआर में 11 ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को वैश्विक साइबर धोखाधड़ी के एक मामले में मनीलॉड्रिंग जांच के तहत दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून स्थित 11 ठिकानों पर छापेमारी की। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि (ईडी) ने एक वैश्विक साइबर धोखाधड़ी गिरोह से जुड़े मनीलॉड्रिंग जांच के तहत राजधानी दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और देहरादून स्थित 11 परिसरों में सर्च ऑपरेशन चला रहा है। सीबीआई और दिल्ली पुलिस की ओर से दर्ज एफआईआर के आधार पर केंद्रीय जांच एजेंसी धनशोधन निवारण अधिनियम, 2002 (पीएमएलए) के तहत जांच कर रहा है। सूत्रों ने बताया कि इस गिरोह ने भारतीय और विदेशी नागरिकों से करोड़ों रुपये की ठगी की है। जांच से पता चला कि आरोपितों ने कई क्रिप्टो-वॉलेट में बिटकॉइन के रूप में 260 करोड़ रुपये जमा किए थे, जिन्हें बाद में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में कई हवाला ऑपरेटरों/व्यक्तियों के माध्यम से यूएसडीटी में परिवर्तित करके नकदी में बदल दिया गया।

कैस्ट्रॉल इंडिया की दूसरी तिमाही में आय 1,497 करोड़ रही

नई दिल्ली। कैस्ट्रॉल इंडिया लिमिटेड ने साल 2025 की दूसरी तिमाही (अप्रैल-जून) और पहले छह महीनों (जनवरी-जून) के नतीजे जारी किए। कंपनी जनवरी से दिसंबर के बीच का वित्तीय वर्ष फॉलो करती है। दूसरी तिमाही में कैस्ट्रॉल इंडिया की कुल कमाई 1,497 करोड़ रही, जो पिछले साल इसी तिमाही की 1,398 करोड़ की तुलना में 7 फीसदी ज्यादा है। मुनाफा 5.1 फीसदी बढ़कर 244 करोड़ हो गया, जो पिछले साल 232.2 करोड़ था। वहीं एबीटिडा(कमाई से पहले का मुनाफा) 8.1 फीसदी बढ़कर 349.2 करोड़ पहुंच गया, जबकि पिछली बार यह 322.7 करोड़ था। एबिटिडा मार्जिन भी थोड़ा सुधरकर 23.1 फीसदी से बढ़कर 23.3 फीसदी हो गया। कैस्ट्रॉल इंडिया ने साल 2025 के लिए 3.50 प्रति शेयर का अंतरिम डिविडेंड घोषित किया है। यह डिविडेंड उन शेयरधारकों को मिलेगा जिनका नाम रिकॉर्ड डेट 11 अगस्त 2025 को रजिस्टर में दर्ज होगा। डिविडेंड का भुगतान 3 सितंबर बुधवार से पहले कर दिया जाएगा। कैस्ट्रॉल इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर ने कहा कि दूसरी तिमाही में हमारा कामकाज ठीक रहा और हमने पहली तिमाही की रफ्तार को बनाए रखा। गांवों में हमारा कारोबार बढ़ रहा है, इंडस्ट्रियल बिजनेस में नए ग्राहक जुड़ रहे हैं और बड़ी गाड़ियों और मशीनों की कंपनियों के साथ हमारा साथ और मजबूत हो रहा है।

भारत में डीमैट खातों की संख्या 20 करोड़ के पार

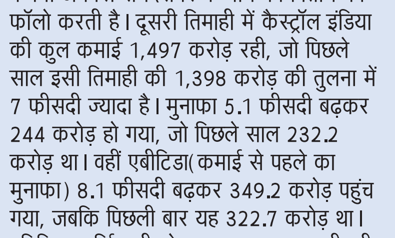

नई दिल्ली। भारत में शेयर बाजार और म्यूचुअल फंड जैसे निवेश माध्यमों की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। इसी वजह से देश में डीमैट खातों की संख्या पहली बार 20 करोड़ के पार पहुंच गई है। सीडीएसएल और एनएसडीएल के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, 31 जुलाई 2025 तक सीडीएसएल के पास 16.1 करोड़ डीमैट खाते थे, जबकि एनएसडीएल के पास 30 जून 2025 तक 4.05 करोड़ खाते दर्ज थे। इन आंकड़ों को मिलाकर कुल डीमैट खातों की संख्या 20.16 करोड़ तक पहुंच गई है, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के एक प्रमुख अधिकारी ने बताया कि इस वृद्धि के पीछे मुख्य रूप से 30 वर्ष से कम उम्र के युवा निवेशकों की भागीदारी है। उनके अनुसार, उनके प्लेटफॉर्म पर लगभग 75 फीसदी नए खाते युवा निवेशकों द्वारा खोले गए हैं। यह दर्शाता है कि युवा वर्ग अब निवेश के प्रति ज्यादा जागरूक और सक्रिय हो रहा है। हालांकि, नए डीमैट खाते खुलने की गति 2025 में कुछ धीमी हुई है।

पूरे दिन उतार-चढ़ाव के बाद लाल निशान में बंद हुआ शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लुढ़के

नई दिल्ली,06 अगस्त (एजेंसियां)।

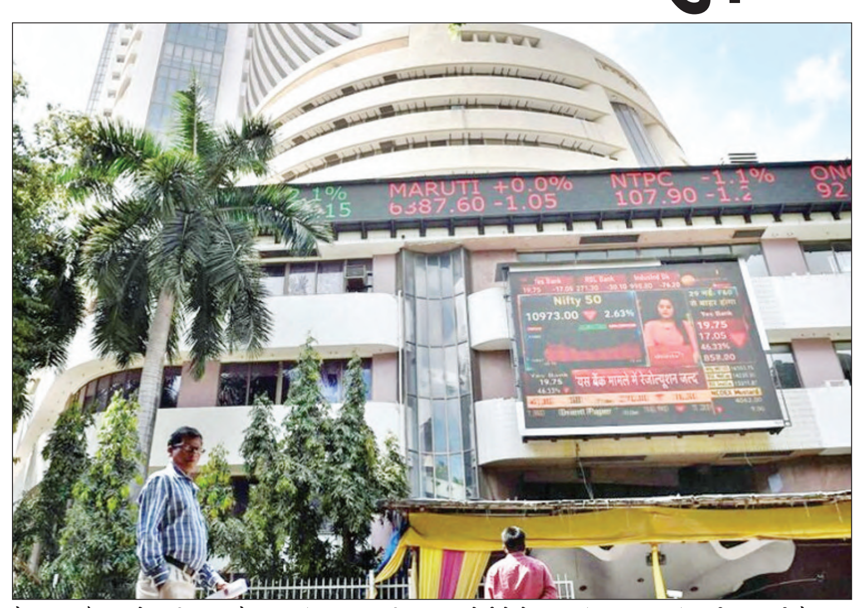

दिन भर उतार-चढ़ाव का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ। के कारोबार की शुरुआत सपाट स्तर पर मामूली कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार कुछ देर के लिए हरे निशान में भी पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.21 प्रतिशत और निफ्टी 0.31 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान आईटी, फार्मास्यूटिकल, एफएमसीजी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी तरह ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 1 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 1.14 प्रतिशत की गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में पौने तीन लाख करोड़ रुपये से भी अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 445.08 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी मंगलवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 447.96 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 2.88 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,204 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,352 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,697 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 155 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,668 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 730 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,938 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 12 शेयर हरे निशान में और 38 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 15.27 अंक की मामूली गिरावट के साथ 80,694.98 अंक के स्तर पर खुला।

कारोबार की शुरुआत होने के बाद खरीदारी शुरू हो जाने के कारण पहले 10 मिनट में ही ये सूचकांक 124.18 अंक की मजबूती के साथ उछल कर हरे निशान में 80,834.43 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक ने दोबारा लाल निशान में गोता लगा दिया। लगातार हो रही बिकवाली के कारण सेंसेक्स 261.43 अंक टूट कर 80,448.82 अंक तक गिर गया। हालांकि इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिलने पर इस सूचकांक की स्थिति में मामूली सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 166.26 अंक की कमजोरी के साथ 80,543.99 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 8.20 अंक फिसल कर 24,641.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 21.85 अंक की मजबूती के साथ 24,671.40 अंक तक पहुंचा, लेकिन इसके बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण निफ्टी में दोबारा गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली की वजह से ये सूचकांक 110.35 लुढ़क कर 24,539.20 अंक तक गिर गया। हालांकि कारोबार के आखिरी आधे घंटे में हुई खरीदारी के सपोर्ट से निफ्टी निचले स्तर से करीब 35 अंक की रिकवरी करके 75.35 अंक की गिरावट के साथ 24,574.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एशियन पेंट्स 2.23 प्रतिशत, एचडीएफसी लाइफ 1.90 प्रतिशत, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स 0.79 प्रतिशत, ट्रेंट लिमिटेड 0.73 प्रतिशत और अदानी पोर्ट्स 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, विप्रो 2.42 प्रतिशत, सन फार्मास्युटिकल्स 2.26 प्रतिशत, इंडसइंड बैंक 1.93 प्रतिशत, जियो फाइनेंशियल 1.89 प्रतिशत और टेक महिंद्रा 1.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

भारत में पेरासिटामोल पर प्रतिबंध नहीं: अनुप्रिया पटेल

नई दिल्ली,06 अगस्त (एजेंसियां)।

केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने संसद के मानसून सत्र के दौरान पेरासिटामोल दवा पर प्रतिबंध को लेकर उठे सवालों का जवाब दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने भारत में आमतौर पर उपयोग की जाने वाली पेरासिटामोल दवा पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है।

पेरासिटामोल के कुछ फिक्स्ड डोज़ पर प्रतिबंध लगाया गया है

हालांकि, पेरासिटामोल के कुछ फिक्स्ड डोज़, जो अन्य दवाओं के साथ संयोजन में आते हैं, उन पर प्रतिबंध लगाया गया है। अनुप्रिया पटेल ने बताया कि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने इस संबंध में अफवाहों को खारिज किया है। उन्होंने कहा कि देश में पेरासिटामोल प्रतिबंधित नहीं है और यह दवा सामान्य रूप से उपलब्ध है। इसके साथ ही, राज्य मंत्री ने सरकार की राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत शुरू की गई मुफ्त दवा सेवा पहल की जानकारी दी।

इस पहल का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों, ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों समेत सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करना और मरीजों के जेब खर्च को कम करना है। इस योजना के तहत राज्यों को नि:शुल्क दवाओं के प्रावधान के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है। सरकार दवाओं की खरीद, गुणवत्ता आश्वासन, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, ऑडिटिंग और शिकायत निवारण जैसी प्रक्रियाओं को सुदृढ़ करने के लिए कड़ी व्यवस्था कर रही है। साथ ही औषधि एवं टीका वितरण प्रबंधन प्रणाली नामक सूचना प्रौद्योगिकी प्लेटफ़ॉर्म की मदद से आवश्यक दवाओं की खरीद और उपलब्धता की निगरानी की जा रही है। सरकारी अस्पतालों और ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में दवाओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 697 दवा फॉर्मूलेशन के लिए सक्रिय दर अनुबंध भी बनाए गए हैं। इससे देशभर में आवश्यक दवाओं की गुणवत्तापूर्ण और समय पर उपलब्धता सुनिश्चित होगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत में कश्मीर...

बहुमूल्य अंतरदृष्टि प्रदान करती है।यह प्रकाशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित प्रमुख निर्णयकर्ताओं के साथ बातचीत के माध्यम से मोदी सरकार की निर्णय लेने की प्रक्रिया का दस्तावेजीकरण करता है। गहन शोध, वास्तविक और मनोरंजक रूप से परिपूर्ण यह पुस्तक भारतीय इतिहास के इस ऐतिहासिक क्षण से संबंधित अध्ययन में एक महत्वपूर्ण कमी को पूरा करती है। पुस्तक में यह भी बताया गया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपना उद्देश्य कैसे प्राप्त किया, जैसा कि उनके अपने शब्दों में भी किताब की प्रस्तावना में उद्धृत है।

यह व्यापक कार्य ब्लू क्राफ्ट डिजिटल फाउंडेशन द्वारा संकलित किया गया है, जो नीति और शासन के लिए समर्पित एक गैर-लाभकारी संगठन है। यह फाउंडेशन प्रमुख नीति निर्माताओं, विशेषज्ञों और नागरिकों के विविध कार्यों को एक साथ लाता है ताकि बहस, चर्चा, विचार-विमर्श और नए विचारों को सूत्रबद्ध किया जा सके जो भारत के विकास पथ को समृद्ध करेंगे। इसके प्रयास मुख्य रूप से समग्र शिक्षा, महिला एवं बाल सशक्तिकरण, किसान कल्याण, पर्यावरण संरक्षण, डिजिटल और सोशल मीडिया, तथा प्रवासी संबंधों जैसे क्षेत्रों में स्वैच्छिक भागीदारी को बढ़ावा देने पर केंद्रित हैं।

भारत में रियल...

बढ़कर 11 मिलियन स्क्वायर फुट हो जाएगा। ट्रिबेका डेवलपर्स का कहना है कि ये प्रोजेक्ट्स कम से कम 15,000 करोड़ रुपए तक में बेचे जा सकते हैं। ट्रिबेका डेवलपर्स कल्पेश मेहता के नेतृत्व वाली कंपनी है और यह भारत में द ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन की ऑफिशियल पार्टनर है।

दिलचस्प बात यह है कि द ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन कंस्ट्रक्शन के काम में सीधे पैसा निवेश नहीं करता। यह सिर्फ अपने ब्रांड का नाम देता है और इसके बदले में वह लाइसेंस फीस या डेवलपमेंट फीस लेता है या फिर प्रोजेक्ट्स की कुल बिक्री में से 3 से 5 प्रतिशत शेयर लेता है। इस तरह की सम्पत्तियां लग्जरी डेवलपमेंट की होती हैं और क्योंकि इसमें ट्रंप का नाम लगा हुआ है इसलिए इन प्रॉपर्टीज की कीमत काफी ज्यादा होती हैं। भारत में इन प्रोजेक्ट पर काम करने वालों में मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल), लोढ़ा ग्रुप, एम3एम ग्रुप, पंचशील रियल्टी, आईआरए इंफ्रा और यूनिमार्क जैसी बड़ी कंपनियां शामिल हैं।द ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन को डोनाल्ड ट्रंप ने बनाया था। इसके वाइस प्रेसीडेंट उनके बेटे डोनाल्ड जे. ट्रंप जूनियर और एरिक ट्रंप हैं। 2017 तक डोनाल्ड ट्रंप इसके प्रेसीडेंट और सीईओ थे लेकिन अमेरिका का राष्ट्रपति चुने जाने के बाद उन्होंने इसके मैनेजमेंट से इस्तीफा दे दिया था। एक ट्रस्ट के जरिए उनके पास द ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन की मेजॉरिटी ओनरशिप है और 2021 के बाद से वह इसके चेयरमैन हैं। 14 नवंबर 2024 को दूसरी बार अमेरिका का राष्ट्रपति बनने के बाद से भारत में चार कंपनियां शुरू की गई। यह कंपनियां हैं डीटी मार्क्स नोएडा 94 एलएलसी, डीटी मार्क्स गुरुग्राम 111 एलएलसी, डीटी मार्क्स गुरुग्राम 69 एलएलसी और डीटी मार्क्स पुणे मुंधवा एलएलसी।

वर्ष 2024 में द ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन को भारत से 12 मिलियन डॉलर मिले। इसमें से 10 मिलियन डॉलर रिलायंस 4आईआर रियल्टी से डेवलपमेंट फीस के रूप में आया। बचा हुआ 2.2 मिलियन डॉलर ट्राइबेका, एम3एम लोढ़ा, यूनिमार्क और आरडीबी ग्रुप ने लाइसेंस और रॉयल्टी फीस के रूप में गुरुग्राम, मुंबई और कोलकाता की प्रॉपर्टीज के लिए दिया। वर्ष 2017 में जब ट्रंप पहली बार अमेरिका के राष्ट्रपति बने तो उस समय द ट्रंप ऑर्गेनाइजेशन ने कोलकाता और गुरुग्राम में दो रियल एस्टेट प्रोजेक्ट में काम शुरू किया। इससे पहले इसने पुणे (2012) और मुंबई (2013) में एक-एक प्रोजेक्ट को अपना नाम दिया था। आंकड़ों के मुताबिक, 2012-2019 के बीच भारत के चार प्रोजेक्ट्स से इस कंपनी ने लगभग 11.3 मिलियन डॉलर कमाए। भारत में ट्रंप ब्रांड वाले 13 प्रोजेक्ट्स में से दो पूरे हो चुके हैं, दो पूरे होने वाले हैं, तीन अपने शुरुआती फेज में हैं और तीन अभी लॉन्च का इंतजार कर रहे हैं। दो प्रोजेक्ट्स पर काम रुका हुआ है और रिलायंस 4आईआर रियल्टी के एक प्रोजेक्ट को लेकर ऐलान किया जाना बाकी है।

भारत जैसे मजबूत ...

भारत की तरह उनका यह व्यापार उनकी कोई मजबूरी भी नहीं है। वास्तव में भारत ने रूस से तेल इसलिए आयात शुरू किया, क्योंकि संघर्ष के बाद पारंपरिक सप्लाई यूरोप की ओर मोड़ दी गई थी। उस समय अमेरिका ने खुद भारत को ऐसे आयात के लिए प्रोत्साहित किया था ताकि दुनिया के तेल बाजार की स्थिरता बनी रह सके।

रूस से ...

वर्ष 2024 में यूरोपीय संघ का रूस के साथ 67.5 अरब यूरो का द्विपक्षीय व्यापार हुआ।

वर्ष 2023 में इसमें सेवाओं से जुड़ा व्यापार लगभग 17.2 अरब यूरो आंका गया। यह उस वर्ष या उसके बाद रूस के साथ भारत के कुल व्यापार से काफी अधिक है। वास्तव में वर्ष 2024 में एलएनजी का यूरोपीय आयात रेकार्ड 16.5 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो 2022 में 15.21 मिलियन टन से कहीं अधिक है। ऐसे में सवाल है कि जो देश खुद रूस से तेल-गैस और अन्य सामग्री खरीद रहे हैं, वे किसी अन्य देश को रूस से व्यापार करने से कैसे रोक सकते हैं? क्या यह दोहरे मापदंडों का प्रदर्शन नहीं है?अमेरिका की ओर से तर्क दिया जा रहा है कि रूस भारत को कच्चे तेल की बिक्री से अर्जित धन का इस्तेमाल यूक्रेन युद्ध में कर रहा है। मगर इस बात की क्या गारंटी है कि अमेरिका और यूरोपीय देशों की ओर से रूस से जो सामग्री खरीदी जा रही है, उससे मिले धन का इस्तेमाल यूक्रेन युद्ध में नहीं हो रहा है? जाहिर है, अमेरिका दोहरे मापदंड अपनाकर अपने भू-राजनीतिक हित साधना चाहता है।दरअसल, वह उभरती विश्व व्यवस्था में अपने आधिपत्य को नुकसान से चिंतित है। भारतीय विदेश मंत्रालय का साफ कहना है कि रूस से कच्चे तेल का जो आयात किया जाता है, उसका उद्देश्य देश में उपभोक्ताओं के लिए ऊर्जा की लागत को किफायती बनाए रखना है। किसी भी देश के लिए उसकी घरेलू जरूरतों को पूरा करना उसका प्राथमिक कर्तव्य होता है। ऐसे में भारत का अपने राष्ट्रीय हितों और आर्थिक सुरक्षा के लिए हर संभव आवश्यक उपाय करना स्वाभाविक है।

बिहार में हटाए ...

दूसरी जगह स्थायी रूप से चले गए हैं, या दो जगहों पर नाम था। जस्टिस सूर्यकांत, उज्जल भुइयां और एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने चुनाव आयोग से कहा, हमें हर उस वोटर की जानकारी चाहिए जिसका नाम हटाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को कहा कि वह 9 अगस्त तक जवाब दाखिल करे, ताकि 12-13 अगस्त को इस मामले पर पूरी सुनवाई हो सके।

सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग ने हलफनामा देकर कहा, हम वोटर लिस्ट को साफ करने का काम कर रहे हैं। हमारा मकसद है कि अपात्र लोग हटें और केवल सही लोग वोटर लिस्ट में रहें। इसमें मौत की वजह से करीब 22.34 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। वहीं स्थायी रूप से दूसरी जगह चले गए करीब 36.28 लाख मतदाताओं के नाम भी मतदाता सूची से हटाए घए हैं। वहीं जिन मतदाताओं के नाम दो जगहों पर थे उनकी संख्या करीब 7.01 लाख है।

एससीओ समिट...

में मुलाकात हुई थी। इसके बाद दोनों देशों के बीच सीमा तनाव कम करने के प्रयासों में तेजी आई। वहीं पिछले महीने विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन का दौरा किया था, जहां उन्होंने राष्ट्रपति शी जिनपिंग और विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का मुद्दा उठाते हुए कहा था कि सदस्य देशों को संगठन के मूल उद्देश्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहना चाहिए और आतंकवाद के खिलाफ किसी भी तरह की नरमी नहीं बरतनी चाहिए। जून 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद जयशंकर की यह पहली चीन यात्रा है। उन्होंने कहा था कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुआ आतंकी हमला जानबूझकर जम्मू-कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और धार्मिक तनाव पैदा करने के मकसद से किया गया था। इस हमले में 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई थी।

विदेश मंत्री ने कहा था कि भारत नए विचारों और प्रस्तावों को सकारात्मक रूप से स्वीकार करेगा। उन्होंने यह भी कहा था कि इस सहयोग का आधार आपसी सम्मान, संप्रभुता और सदस्य देशों की क्षेत्रीय अखंडता होना चाहिए। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब चीन के की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) परियोजना की वैश्विक आलोचना हो रही है, क्योंकि इस परियोजना को कई देशों की संप्रभुता की अनदेखी और पारदर्शिता की कमी के रूप में देखा जाता है।

विदेश मंत्री ने एससीओ से अफगानिस्तान को विकास सहायता बढ़ाने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था, अफगानिस्तान लंबे समय से एससीओ के एजेंडे में है। क्षेत्रीय स्थिरता की मजबूरी के साथ-साथ हमें अफगान लोगों के कल्याण की भी चिंता है। जयशंकर ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय, खासकर एससीओ सदस्य, को विकास सहायता बढ़ानी चाहिए। भारत इस दिशा में निश्चित रूप से कदम उठाएगा। उन्होंने एससीओ सदस्य देशों के बीच परिवहन सुविधाओं और संपर्क को बेहतर बनाने की भी जरूरत पर जोर दिया था।

मंत्रालयों और...

इसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया। साथ ही वह शाम छह बजे कर्तव्य पथ पर एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करेंगे। परियोजना पूरी होने के बाद किराये के तौर पर खर्च होने वाले 1500 करोड़ रुपए की बचत होगी। लगभग 1.5 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में फैले इस अत्याधुनिक कार्यालय परिसर में दो बेसमेंट और सात मंजिलें (भूतल+6 मंजिल) हैं। वर्तमान में, कई प्रमुख मंत्रालय 1950 और 1970 के दशक के बीच निर्मित शास्त्री भवन, कृषि भवन, उद्योग भवन और निर्माण भवन जैसी पुरानी इमारतों से काम करते हैं, जो 1950-70 के दशक में बनाई गई थीं।

भवन में सुरक्षित और आईटी-सक्षम कार्यस्थल, स्मार्ट एंट्री सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक निगरानी और कमांड सेंटर, सोलर पैनल, सौर वॉटर हीटर और ई-वाहन चार्जिंग स्टेशन जैसी सुविधाएं हैं। यह पर्यावरण के अनुकूल निर्माण को भी बढ़ावा देता है, जिसमें अपशिष्ट जल का पुन: उपयोग, ठोस कचरा प्रबंधन प्रणाली शामिल हैं। इमारत को ठंडा रखने और बाहरी ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए इसमें कांच की विशेष खिड़कियां लगाई गई हैं।

कर्तव्य भवन को 30 प्रतिशत कम ऊर्जा खपत के लिए तैयार किया गया है। ऊर्जा की बचत करने वाली एलईडी लाइटें, जरूरत न होने पर लाइटें बंद करने वाले सेंसर, बिजली बचाने वाली स्मार्ट लिफ्ट्स और बिजली के उपयोग को प्रबंधित करने की एक उन्नत प्रणाली लगाई गई है। शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बताया कि अगले महीने तक कर्तव्य भवन-1 और कर्तव्य भवन-2 भी बनकर तैयार जाएंगे। दोनों का काम लगभग अंतिम चरण में है। प्रस्तावित अन्य सात भवन भी अप्रैल 2027 तक बनकर तैयार हो जाएंगे। इस परियोजना पर करीब 1000 करोड़ रुपये खर्च होंगे। मंत्रालयों के लिए बनाए जा रहे इन भवनों में तकनीक, सुरक्षा व पर्यावरण अनुकूलता का पूरा ख्याल रखा गया है। पूरे भवन की निगरानी के लिए एक कमांड सीसीटीवी सेंटर भी बनाया गया है,जहां से परिसर व अंदर के गलियारों पर पैनी नजर रखी जाएगी। खास बात यह है कि केंद्रीय मंत्रालयों व विभागों के लिए नवनिर्मित इन नए भवनों को पहले कामन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट (सीसीएस) नाम दिया गया था। इन कर्तव्य भवनों को मेट्रो लाइन से जोड़ने के लिए इंद्रप्रस्थ मेट्रो स्टेशन से एक नई लाइन बनाने का प्रस्ताव किया गया है।मंत्री खट्टर ने बताया कि मंत्रालयों के नए और अत्याधुनिक भवनों को बनाने की जरूरत इसलिए पड़ी, क्योंकि जो मौजूदा भवन हैं वह 1950 से 1970 के बीच बनाए गए थे। ये सभी पुराने हो गए है, इनका सालाना रखरखाव काफी महंगा हो गया था। गौरतलब है कि मौजूदा समय में केंद्र सरकार के पास करीब 55 मंत्रालय और 93 विभाग मौजूद है। ये अभी नार्थ और साउथ ब्लॉक के साथ कृषि भवन, शास्त्री भवन, उद्योग व निर्माण भवन आदि शामिल है।कर्तव्य भवनों के तैयार होते ही नार्थ और साउथ ब्लॉक में मौजूद सभी मंत्रालयों को वहां से स्थानांतरित कर दिया जाएगा। दोनों ही ब्लॉक को खाली कराकर इनमें भारत संग्रहालय बनाया जाएगा। इस दौरान ढांचे के साथ किसी तरह का छेड़छाड़ किए बगैर इसमें महाभारत काल से लेकर देश के आज तक के इतिहास, कला व संस्कृति आदि को प्रदर्शित किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बताया कि सेंट्रल विस्टा परियोजना का यह काम दिसंबर 2031 तक पूरा कर लिया जाएगा। इनमें ही प्रधानमंत्री के लिए नए आवास व कार्यालय भी बनाए जा रहे है। इसके लिए भी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना के तहत, सरकार पहले ही संसद भवन और उपराष्ट्रपति एन्क्लेव का निर्माण कर चुकी है, और विजय चौक से इंडिया गेट तक फैले कर्तव्य पथ का भी पुनर्विकास कर चुकी है। इस परियोजना के तहत केंद्रीय सचिवालय के अलावा, सरकार एक कार्यकारी एन्क्लेव का भी निर्माण करेगी जिसमें एक नया प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ), कैबिनेट सचिवालय, इंडिया हाउस और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय होगा। दूसरे चरण के तहत, एक नए प्रधानमंत्री आवास का निर्माण भी किया जाएगा। सेंट्रल विस्टा परियोजना के तहत जल्द ही कृषि भवन, उद्योग भवन, शास्त्री भवन और निर्माण भवन टूटेंगे। इनमें मौजूद सभी मंत्रालयों को खाली कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन दौरान कुछ मंत्रालय अगले दो साल के लिए किराए भवन में भी शिफ्ट हो रहे हैं। माना जा रहा है कि जैसे ही नए कर्तव्य भवनों का निर्माण होगा, वैसे-वैसे इन सभी मंत्रालयों और विभागों को इनमें शिफ्ट किया जाएगा।

सावन पूर्णिमा व्रत 8 को

अगस्त महीने का पहला और सावन मास के अंतिम पूर्णिमा का व्रत कब है इसे लेकर थोड़ा कंफ्यूजन बना हुआ है। दरअसल, इस बार पूर्णिमा तिथि दो दिन होने के कारण व्रत की तारीख को लेकर उलझन है। बता दें कि पूर्णिमा व्रत भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को समर्पित है। इस दिन माता लक्ष्मी और भगवान शिव की पूजा अर्चना की जाती है। ऐसी मान्यता है कि इस व्रत को करने से व्यक्ति को बैकुंठ में स्थान मिलता है साथ ही व्यक्ति की सारी मनोकामनाएं पूरी होती है। तो आइए जानते हैं सावन मास की आखिरी पूर्णिमा व्रत कब रखा जाएगा।

वैदिक पंचांग की गणना के अनुसार, 8 अगस्त को पूर्णिमा तिथि का आरंभ दोपहर में 2 बजकर 13 मिनट पर होगा और 9 अगस्त को पूर्णिमा तिथि दोपहर में 1 बजकर 25 मिनट तक रहेगी। शास्त्रीय विधान के अनुसार, पूर्णिमा तिथि का व्रत उस दिन रखा जाता है जिस दिन शाम के समय पूर्णिमा तिथि लगी हो। ऐसे में पूर्णिमा का व्रत 8 अगस्त शुक्रवार को रखा जाएगा। क्योंकि, इस दिन पूर्णिमा तिथि शाम में रहेगी। हालांकि, रक्षाबंधन का पर्व पूर्णिमा तिथि उदय काल में होने पर मनाया जाता है। इसलिए रक्षाबंधन 9 अगस्त और पूर्णिमा व्रत 8 अगस्त को रखा जाएगा।

सावन मास की अंतिम पूर्णिमा पर जरूर करें ये उपाय

सावन मास की अंतिम पूर्णिमा तिथि के दिन भगवान विष्णु के साथ साथ भगवान शिव की पूजा अर्चना करने से विशेष फल की प्राप्ति होगी। पूर्णिमा तिथि के दिन यानी 8 अगस्त को सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि के बाद व्रत का संकल्प लें। इसके बाद भगवान विष्णु और भगवान शिव की अभिषेक करें। सबसे पहले एक शंख लेकर उसमें जल भरकर भगवान विष्णु का अभिषेक करें और इसके बाद भगवान विष्णु को तुलसी की मंजरी रखकर भोग अर्पित करें। इसका ख्याल रखें की जब शंख में केसर युक्त दूध लें तो उसमें थोड़ा अक्षत और फूल जरुर डालें इसके बाद ही भगवान विष्णु का अभिषेक करें। भगवान विष्णु का इस तरह अभिषेक करने से व्यक्ति को अनंत पुण्य की प्राप्ति होती है। साथ ही 8 अगस्त को आने वाली यह पूर्णिमा सावन मास का आखिरी पूर्णिमा है। इसलिए इस दिन विशेष रूप से भगवान शिव का भी पंचामृत से अभिषेक जरूर करें।

सूर्य-केतु की 18 साल बाद सिंह राशि में युति, मेष सहित अन्य राशियां होंगी मालामाल, बढ़ेगी धन दौलत

सूर्य गोचर सिंह राशि में होने जा रहा है। ऐसे में सूर्य और केतु की युति सिंह राशि में 18 साल बाद होगी। केतु इस समय सिंह राशि में गोचर कर रहे हैं। बता दें कि सूर्य 17 अगस्त को सिंह राशि में गोचर करेंगे। सूर्य और केतु की युति होने से ग्रहण योग बनेगा जिसे ज्योतिष शास्त्र में शुभ नहीं माना गया है लेकिन, सूर्य इस समय स्वराशि सिंह में गोचर करते हुए प्रबल स्थिति में होगे। प्रबल स्थिति में होकर सूर्य केतु के प्रतिकूल प्रभाव को कम करेंगे। जिसका लाभ मेष, सिंह सहित 5 राशियों को मिलेगा। ज्योतिष नियमों के अनुसार केतु और सूर्य की युति कुछ भाव में अनुकूल परिणाम देने वाली बताई गई है। ऐसे में सूर्य और केतु की युति से इन 5 राशियों को करियर में सफलता के साथ साथ धन लाभ भी मिलेगा।

सूर्य और केतु की युति मेष राशि के 5वें भाव में बनेगी। ऐसे में मेष राशिवालों की लव लाइफ काफी अच्छी रहेगी। इस दौरान आपकी लव लाइफ पहले से अच्छी होगी। जो लोग अपने रिश्ते को शादी में बदलना चाहते हैं तो अब परिवारवालों की मंजूरी मिल सकती है। साथ ही इस दौरान आपको उच्च शिक्षा हासिल करने में सफलता मिल सकती है। वही, नौकरीपेशा लोगों को इस दौरान अपना टैलेंट दिखाने का मौका मिलेगा जिससे आपको कोई बड़ी सफलता मिल सकती है।

सिंह राशि के लोगों के लिए सूर्य और केतु की युति बहुत ही प्रभावशाली साबित होगी। सूर्य इस दौरान स्वराशि सिंह में विराजमान होकर प्रबल स्थिति में रहेंगे। ऐसे में केतु आपको आध्यात्मिक गहराई प्रदान करेंगे और आपको मानसिक रूप से आप काफी मजबूत होंगे। नौकरीपेशा लोगों को अब कामकाज में पहचान मिलने लगेगी। साथ ही करियर के लिए सूर्य केतु की युति बेहद अच्छी और शुभ साबित होगी। नौकरीपेशा लोगों को काम में पहचान मिलने के साथ साथ खूब मान सम्मान भी बढ़ेगा। आपको अच्छा आर्थिक लाभ मिल सकता है। साथ ही आपके लिए आय के नए स्रोत भी बन सकते हैं। इस अवधि में आपके अपने रिश्तेदारों के साथ पुराने मतभेद दूर होंगे।

तुला राशि के लोगों के लिए सूर्य और केतु की युति आर्थिक और व्यावसायिक मामलों में बहुत ही अनुकूल रहने वाली है। इस राशि के जो लोग व्यापार करते हैं उन्हें जो भी लंबे समय से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था अब सारी समस्या हल होंगी। आपके जिन कार्यों में रुकावट आ रही थी अब वह दूर होंगी और अब आपका काम तेजी से गति पकड़ेगा। इस अवधि में सूर्य और केतु की कृपा से आप सफलता की तरफ ही आगे बढ़ेंगे। इतना ही नहीं आपके लिए धन प्राप्ति के नए स्रोत भी बन सकते है। साथ ही आपको किसी वरिष्ठ या प्रभावशाली व्यक्ति का सहयोग आपको मिल सकता है। आप अपने भविष्य को नई दिशा देंगे।

सूर्य और केतु की युति वृश्चिक राशिवालों के 10वें भाव में होगी। अब मकर राशि के लोगों को अपने करियर में सफलता मिलेगी। अब कार्यस्थल पर आपको आपकी मेहनत के लिए सराहा जाएगा और जूनियर के सामने आपकी मिसाल पेश की जाएगी। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। अब और सफलता, समृद्धि और प्रसिद्धि का एहसास होगा। आ अपने सभी काम इस दौरान बेहद अनुशासित तरीके से करेंगे जिसे देखकर आपके परिवार वाले भी आपसे खुश होंगे।

मकर राशि के लोगों के लिए सूर्य केतु की युति से करियर, शिक्षा और व्यवसाय में उन्नति मिल सकती है।

नौकरीपेशा लोगों के कार्य की प्रशंसा की जाएगी। आपके अधिकारियों की आप पर विशेष कृपा रहेगी। आपके अधिकारी आपका सहयोग करेंगे और आपको पदोन्नति मिल सकती है। इतना ही नहीं इस अवधि में आपकी कमाई भी पहले से काफी अच्छी रहेगी और आपको नई जिम्मेदारियां सौंपी जा सकती हैं जिन्हें आप अच्छे से निभाएंगे। जो लोग किसी कानूनी मामलों में फंसे थे अब वह हल होने शुरू हो जाएंगे। यह समय अपनी पुरानी योजनाओं को शुरू करने के लिए बहुत ही अच्छा है यह आपके लिए सुनहरा अवसर हो सकता है।

शुक्र गोचर से बनेगा लक्ष्मी नारायण योग, जन्माष्टमी के बाद मेष, कर्क सहित अन्य राशियों में बनेगा धन वर्षा का संयोग

शुक्र का गोचर कर्क राशि में होने जा रहा है। ऐसे में जन्माष्टमी के बाद शुक्र के गोचर के साथ ही लक्ष्मी नारायण राजयोग बनेगा। दरअसल, कर्क राशि में शुक्र और बुध की युति होने से लक्ष्मी नारायण राजयोग बनेगा। वैदिक ज्योतिष में लक्ष्मी नारायण राजयोग को बहुत ही शुभ माना गया है। बता दें कि शुक्र कर्क राशि में गोचर 21 अगस्त को होगा और बुध कर्क राशि में 11 अगस्त को पहुंचेंगे। ऐसे में जन्माष्टमी के बाद 5 राशियों की किस्मत बदल जाएगी। इन राशियों को अचानक लाभ के साथ साथ तरक्की और सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। आइए जानते हैं जन्माष्टमी के बाद किन किन राशियों की किस्मत चमकेगी।

मेष राशि को मिलेगा सुख

शुक्र का गोचर मेष राशिवालों के चतुर्थ भाव में होगा ऐसे में मेष राशि के जातकों को सभी क्षेत्रों में बहुत ही अनुकूल परिणाम मिलेंगे। साथ ही आपकी सारी मनोकामना पूर्ण होंगी। साथ ही इस दौरान आपको भूमि या वाहन आप सुख भी मिल सकता है। लोगों के साथ आपके संपर्क पहले से काफी मजबूत होंगे। आपके अपने संबंधियों के साथ संबंध भी मजबूत होंगे और उनसे ही आपको लाभ कमाने के अच्छे अवसर भी मिल सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से मजबूत होगी।

कर्क राशि मिलेगा आर्थिक लाभ

शुक्र का गोचर आपकी राशि में ही होने जा रहा है। यानी शुक्र आपकी राशि के पहले भाव में रहकर गोचर करेंगे। ऐसे में आपकी सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी। साथ ही आपकी सुख सुविधाओं में तेजी से वृद्धि होगी। विशेष रूप से विद्यार्थियों को इस गोचर का लाभ मिलेगा विशेष रूप से साहित्य और कला से जुड़े लोगों को। विवाह संबंधित बाते बढ़ाने के लिए यह गोचर आपका पूरी तरह से स्पोर्ट करेगा। व्यापारी वर्ग के लोगों के लिए यह गोचर बहुत ही सुख रहेगा क्योंकि, अब आपको सकारात्मक परिणाम मिलने वाला है।

कन्या राशि धन की होगी प्राप्ति

शुक्र का गोचर कन्या राशिवालों के 11वें भाव में होने जा रहा है। ऐसे में कन्या राशि के लोगों को अचानक धन लाभ मिलने के साथ साथ भाग्य का भी पूरा सपोर्ट मिलेगा। बात करें आपकी पर्सनल लाइफ की तो आपको इस अवधि में कोई बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। अब आपको कामों में सफलता मिलेगी। साथ ही आपके अपने दोस्तों के साथ संबंध भी मजबूत होंगे। आपको उनका हर काम में सफलता मिलेगी। उनकी मदद से आपको धन ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। इस दौरान आपके पिता आपकी कोई बड़ी परेशानी को आसानी से हल कर देंगे।

वृश्चिक राशि धार्मिक यात्रा के योग

शुक्र का गोचर आपके 9वें भाव में होने जा रहा है। ऐसे में वृश्चिक राशि के लोगों के लिए बहुत ही अच्छा और सुखद समय रहने वाला है। आप इस अवधि में अपने करीबियों के साथ अपने संबंध सुधरेंगे साथ ही आपको भाग्य का भी पूरा साथ मिलेगा। आपको धार्मिक यात्राओं पर जाने का मौका भी मिल सकता है। वहीं, आप कामकाज से जुड़ी यात्रा पर जा रहे हैं तो आपके लिए यह यात्रा सुखद और मुनाफा दिलाएगी। घर परिवार में कोई मांगलिक कार्य भी हो सकता है। सरकारी नौकरी करने वालों को अपना सहकर्मियों से अच्छा सहयोग मिलेगा।

मकर को मिलेगा मेहनत का फल

शुक्र का गोचर आपके 7वें भाव में होने जा रहा है। ऐसे में मकर राशि के लोगों को अब अपने वैवाहिक जीवन में सुखद परिणाम मिलेंगे। आपको अपने पार्टनर के साथ रिश्ते पहले से काफी मजबूत होंगे। रिश्ते में आई गलतफहमियां अब दूर होंगी। साथ ही इस दौरान आपकी आय तेजी से बढ़ेगी क्योंकि, आपके पास कमाने के सिर्फ एक सोर्स नहीं बल्कि अलग-अलग सोर्स बन सकते हैं। नौकरीपेशा जातक अब कार्यस्थल पर काफी मेहनत करेंगे और मेहनत का पूरा फल मिलेगा।

मंगल का कन्या राशि में प्रवेश

13 सितंबर तक कन्या राशि में रहेगा मंगल

पंचांग के अनुसार मंगल 28 जुलाई को कन्या राशि में प्रवेश कर चुका है। मंगल कन्या राशि में 13 सितंबर तक रहेगा और उसके बाद तुला राशि में प्रवेश कर जायेगा। मंगल को ज्योतिष शास्त्र में अग्नि तत्व का प्रतिनिधि और क्रूर ग्रह माना जाता है, जो साहस, ऊर्जा, जुझारूपन और संघर्ष का प्रतीक है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डॉ अनीष व्यास ने बताया कि मंगल 28 जुलाई को शाम 7:57 पर सिंह राशि से कन्या राशि में प्रवेश कर चुका है। मंगल कन्या राशि में 13 सितंबर तक रहेगा और उसके बाद तुला राशि में प्रवेश कर जायेगा। यह ग्रह जीवन में सक्रियता और पराक्रम लाता है, लेकिन इसकी कमजोर या अशुभ स्थिति व्यक्ति के स्वास्थ्य, संबंधों और वित्तीय स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। मंगल ग्रह की स्थिति व्यक्ति की कुंडली में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। यदि मंगल कमजोर हो या अशुभ स्थिति में हो, तो इसके कारण कई प्रकार की परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं, जैसे तनाव, पारिवारिक झगड़े, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं और आर्थिक नुकसान।

ग्रहों के सेनापति हैं मंगल

ज्योतिष शास्त्र में मंगल को सभी ग्रहों का सेनापति होने का दर्जा प्राप्त है। मंगल मेष राशि और वृश्चिक राशि के स्वामी माने गए हैं। मकर राशि में मंगल उच्च के हो जाते हैं वहीं कर्क राशि में मंगल को नीच का माना जाता है। सूर्य, चंद्रमा और बृहस्पति से इनकी मित्रता है। बुध से मंगल की नहीं बनती है। जबकि शुक्र और शनि इनके सम संबंध हैं। मंगल देव पराक्रम, स्फूर्ति, साहस, आत्मविश्वास, धैर्य, देश प्रेम, बल, रक्त, महत्वकांक्षा एवं शस्त्र विद्या के अधिपति माने गए है। यहां आपको विशेष रूप से बताना चाहता हूं कि अग्नि तत्व होने से मंगल सभी प्राणियों को जीवन शक्ति देता है। यह प्रेरण, उत्साह एवं साहस का प्रेरक होता है।

मंगल का शुभ-अशुभ प्रभाव

रोजगार के क्षेत्रों में वृद्धि होगी। आय में बढ़ोतरी होगी। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। खाने की चीजों की कीमतें सामान्य रहेंगी। सब्जियां, तिलहन और दलहन की कीमतें कम होंगी। व्यापार में तेजी रहेगी। सोने चांदी के भाव में वृद्धि होगी। राजनीति में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। पूरे विश्व में राजनीतिक अस्थिरता यानि राजनीतिक माहौल उच्च होगा। पूरे विश्व में सीमा पर तनाव शुरू हो जायेगा। मंगल की वजह से दुर्घटना होने की आशंका है। देश के कुछ हिस्सों में हवा के साथ बारिश रहेगी। भूकंप या अन्य तरह से प्राकृतिक आपदा आने की भी आशंका है।

करें पूजा-पाठ और दान

मंगल के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। लाल चंदन या सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए। तांबे के बर्तन में गेहूं रखकर दान करने चाहिए। लाल कपड़ों का दान करें। मसूर की दाल का दान करें। शहद खाकर घर से निकलें। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। मंगलवार को बंदरों को गुड़ और चने खिलाएं।

मंगल का कन्या राशि में गोचर का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

मेष राशि – षष्ठम भाव में मंगल का गोचर आपके लिए कुछ चुनौतियां ला सकता है। मानसिक तनाव और अनावश्यक खर्चों में वृद्धि हो सकती है। ब्लड प्रेशर, सिर दर्द या पाचन से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं। शत्रु सक्रिय हो सकते हैं या कानूनी विवाद हो सकते हैं। व्यायाम और ध्यान नियमित रूप से करें। वाणी पर संयम रखें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

वृषभ राशि – पंचम भाव में मंगल का आगमन आपके लिए सुखद रहेगा। संतान पक्ष से शुभ समाचार मिल सकता है। नई संपत्ति या वाहन खरीदने के योग बनेंगे। वैवाहिक जीवन में प्रेम बढ़ेगा, तालमेल बना रहेगा। निवेश सोच-समझकर करें। संतान से संवाद में सामंजस्य रखें।

मिथुन राशि – चतुर्थ भाव में मंगल पारिवारिक और मानसिक तनाव ला सकता है। घर-परिवार में कोई विवाद और जरूरी बदलाव संभव हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बेचैनी बनी रह सकती है। घर में वास्तु-संबंधी दोष दूर करें, माता के साथ समय बिताएं। अनुचित कार्यों से बचें।

कर्क राशि – तृतीय भाव में मंगल ऊर्जा देगा, लेकिन विवेक भी जरूरी है। छोटे भाई-बहनों से मतभेद हो सकते हैं। यात्रा के योग बन सकते हैं, पर सावधानी बरतें। कार्यक्षेत्र में नए अवसर मिल सकते हैं। किसी भी निर्णय से पहले सलाह अवश्य लें। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

सिंह राशि – द्वितीय भाव का मंगल आर्थिक मामलों में गति लाएगा। धन प्राप्ति के नए स्रोत बन सकते हैं। पारिवारिक तालमेल बनाए रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें, अन्यथा रिश्तों में खटास आ सकती है। फिजूलखर्ची से बचें, निवेश सोच-समझकर करें। दूर के रिश्तों से लाभ हो सकता है।

कन्या राशि – इसी राशि में मंगल रहेगा। मंगल आपकी ऊर्जा को बढ़ाएगा, लेकिन विवाद भी संभव हैं। सोच-विचारकर ही आगे बढ़ें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी पर अहंकार से बचना होगा। किसी विवाद में फंस सकते हैं, कोर्ट-कचहरी से दूर रहें। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। संयमित आहार और विचार जरूरी हैं। धैर्य से कार्य करें।

तुला राशि – द्वादश भाव में मंगल खर्च बढ़ाने वाला और स्वास्थ्य पर बुरा असर डालने वाला हो सकता है। नींद की कमी, ब्लड प्रेशर या चोट की संभावना रहेगी। यात्रा का योग बन सकता है, लेकिन सतर्कता जरूरी है। थकावट और आत्मविश्वास की कमी हो सकती है।

वृश्चिक राशि – एकादश भाव में मंगल शुभ फल देगा, पुराने अटके कार्य पूरे होंगे, सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। दोस्तों और रिश्तेदारों से सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि संभव है, शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। दूसरों की सहायता करें और अच्छे कर्म करते रहें।

धनु राशि – दशम भाव का मंगल सामान्य रहेगा, लेकिन करियर को नई दिशा दे सकता है। कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। अधिकारियों से सहयोग मिलेगा, योजनाएं बार-बार बदल सकती हैं। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मित्रों से रिश्ते सुधारें। संयम और धैर्य से कार्य करें। वरिष्ठों की सलाह मानें।

मकर राशि – नवम भाव में मंगल भाग्य का साथ दिलाएगा, नौकरी में तरक्की या ट्रांसफर का योग है। विदेश यात्रा या उच्च शिक्षा से संबंधित अवसर मिल सकते हैं। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। धर्म-कर्म में भाग लें, गुरुजनों का सम्मान करें। आय वृद्धि के साथ संतान से सुख मिलेगा।

कुंभ राशि – अष्टम भाव में मंगल चुनौतियां लाएगा। आय में कमी और खर्चों में वृद्धि संभव है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रह सकती है। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। काम का क्रेडिट नहीं मिल पाएगा।

मीन राशि – सप्तम भाव में मंगल वैवाहिक जीवन को प्रभावित कर सकता है। जीवनसाथी से मतभेद हो सकते हैं। साझेदारी के कार्यों में सावधानी रखें। स्वास्थ्य संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। नया वाहन मिल सकता है। चिंताओं से बचना होगा। संवाद में विनम्रता रखें, विवादों से दूर रहें।

सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू के अनदेखे अवतार ने मचाई सनसनी

सुपरनैचुरल पौराणिक थ्रिलर जटाधारा में सोनाक्षी सिन्हा और तेलुगू स्टार सुधीर बाबू के अनोखे लुक का पहला पोस्टर रिलीज हो गया है। 8 अगस्त को आने वाला टीजर पद्मनाभस्वामी मंदिर के रहस्यमय खजाने और अद्भुत शक्तियों की कहानी की झलक देगा।

सोनाक्षी सिन्हा को जल्दी सुपरनैचुरल फिल्म जटाधारा में देखा जाने वाला है। इस फिल्म से एक्ट्रेस का फर्स्ट लुक सामने आ गया है। एक्ट्रेस के साथ तेलुगू स्टार सुधीर बाबू का लुक भी सामने आया है। फिल्म में दोनों कलाकारों के साथ में देखा जाने वाला है। पोस्ट में दोनों माइथोलॉजिकल कैरक्टर में अवतार में नजर आ रहे हैं। पोस्टर के साथ फिल्म की टीजर डेट अनाउंस कर दी गई है।

जटाधारा से सोनाक्षी का जो पहला लुक सामने आया है उसमें उन्हें देखकर पहचान पाना मुश्किल हो रहा है। एक्ट्रेस को अपने अब तक कभी भी इस तरह के किरदार या लुक में नहीं देखा होगा। तेलुगू स्टार सुधीर बाबू का लुक भी दर्शकों को हैरान कर रहा है। दोनों कलाकार फिल्म में ऐसे अवतार में नजर आएंगे जिसमें दर्शकों ने उन्हें कभी नहीं देखा है। फैंस कलाकारों के इस लुक की जमकर तारीफ करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

सुधीर बाबू और सोनाक्षी का पोस्टर जटाधारा की दुनिया दर्शकों के सामने रख रहा है। तूफानी माहौल के बीच सुधीर का कैरेक्टर उभरता हुआ दिखाई दे रहा है, वो युद्ध के लिए बिल्कुल तैयार हैं। दूसरी तरफ दसपिशाचिनी दिखाई देती है जो दबे हुए खजाने की रक्षा करती है। इसका मुंह नीचे और पैर ऊपर दिखाए गए हैं जो एक पल के लिए किसी को भी डरा देगा। फिल्म की बाकी की कास्ट की डिटेल जल्द ही दर्शकों के सामने पेश की जाएगी।

बता दें कि का पोस्टर प्रोडक्शन कंपनी की स्टूडियो ने

सोशल मीडिया के जरिए शेयर किया है। इसके साथ कैप्शन में टीजर की रिलीज डेट का ऐलान भी कर दिया गया है। कंपनी ने लिखा इंतजार खत्म हुआ पौराणिक कथाओं और दृश्यों के संगम के साक्षी बनें। सोनाक्षी सिन्हा, सुधीर बाबू और भगवान शिव की झलक स्क्रीन पर रौनक बिखेरने को तैयार है। जी स्टूडियो और प्रेरणा अरोड़ा एक बार फिर भारतीय सिनेमा को नई परिभाषा देने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म का टीजर 8 अगस्त को आएगा। एक बार फिर इतिहास रचा जा रहा है। फिल्म जटाधारा की कहानी की बात करें तो यह अनंत पद्मनाभ स्वामी मंदिर के रहस्य से जुड़ी हुई कहानी है। इस पौराणिक थ्रिलर में मंदिर से जुड़े रहस्य, वैज्ञानिक और रहस्यमय घटनाओं को दिखाया जाने वाला है। फिल्म में मंदिर के आसपास रहस्यमय खजाना छुपे होने और उसकी रक्षा करने वाली शक्तियों के बारे में बताया जाएगा। इसके जरिए खजाने से जुड़े मिथक और रहस्य लोगों एक सामने आएंगे। पिछले दिनों सोनाक्षी सिन्हा को फिल्म निकिता रॉय में देखा गया था पसंद नहीं किया। अब वो जटाधारा के साथ फैंस को को इंप्रेस करने की कोशिश में लगी हुई हैं। इस फिल्म के साथ एक्ट्रेस सपना तेलुगू डेब्यू भी करने जा रही हैं। फैंस उनकी इस फिल्म को लेकर काफी एक्साइटेड हैं।

केरल के तिरुवनंतपुरम में बहुत ही खूबसूरत पद्मनाभस्वामी मंदिर मौजूद है, जिसे अपनी खूबसूरती के लिए पहचाना जाता है। भगवान विष्णु से जुड़ा यह मंदिर कई रहस्यों से भरा हुआ है। आकर्षक वास्तुकला के अलावा यहां के खजाने लोगों को आकर्षित करते हैं। यहां की वास्तुकला में केरल और द्रविड़ शैली का मिश्रण देखने को मिलता है। ये बताया जाता है कि मंदिर का सातवां तहखाना कभी नहीं खोला गया। इसे बंद करने के लिए शक्तिशाली मंत्र नागपाश का उपयोग करने की बात भी कही जाती है।

शंकर: द रिवॉल्यूशनरी मैन
मेरे जीवन का टर्निंग पॉइंट: शिल्पा

अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर जल्द ही एक नई वेब सीरीज 'शंकर: द रिवॉल्यूशनरी मैन' में दिखेंगी। उन्होंने इस सीरीज को अपने जीवन का टर्निंग पॉइंट बताया है। शिल्पा शिरोडकर ने बताया कि इस प्रोजेक्ट ने उन्हें न केवल व्यक्तिगत बल्कि आध्यात्मिक रूप से भी बदल दिया।शिल्पा ने कहा, मैं हमेशा से आध्यात्मिक रही हूं। मुझे नई चीजें सीखना, सुनना और ज्ञान अर्जित करना पसंद है। जब यह सीरीज मेरे पास आई, तो मुझे लगा कि यह मेरे लिए जीवन बदलने वाला पल है। मैंने सोचा कि इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने से मुझे पेशेवर और व्यक्तिगत दोनों रूप से बहुत कुछ सीखने को मिलेगा।

सीरीज में शिल्पा, महान संत और दार्शनिक आदि शंकराचार्य की मां आरंभा की भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा, आदि शंकराचार्य की मां का किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। आदि शंकराचार्य की मां ने उनके जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह किरदार मेरे लिए बेहद मायने रखता है। इस किरदार को जीना मेरे लिए विशेष अनुभव भरा रहा।उन्होंने यह भी बताया कि इस प्रोजेक्ट में काम करना उनके लिए रोजाना सीखने के अवसर जैसा रहा, इससे उन्हें काफी कुछ नया सीखने को मिला। उन्होंने बताया, राजर्षि भूपेंद्र मोदी जी जैसे प्रेरणादायक व्यक्तित्व के साथ काम करना और स्क्रिप्ट पढ़ने से लेकर सेट पर बातचीत तक, हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है।

सारे जहां से अच्छा में मेरा किरदार लंबा नहीं, लेकिन असरदार है : कृतिका कामरा

अभिनेत्री कृतिका कामरा इन दिनों सारे जहां से अच्छा सीरीज के रिलीज होने का इंतजार कर रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपनी भूमिका को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें इस सीरीज में काम करके खुशी और आत्मविश्वास महसूस हुआ। साथ ही बताया कि इसमें सिर्फ एक या दो नहीं, बल्कि कई मुख्य कलाकार हैं। कृतिका कामरा ने कहा, मैंने पहले भी कई ऐसी कहानियों में काम किया है जिनमें महिला किरदार बहुत मजबूत रहे हैं, और ये अनुभव मेरा आत्मविश्वास को बढ़ाता है। लेकिन मेरे लिए ये सबसे जरूरी है कि जो रोल मुझे मिल रहा है, वो दमदार हो और कहानी ऐसी हो जो मुझे पसंद आए और जिसपर मैं भरोसा कर सकूं।

उन्होंने कहा कि 'सारे जहां से अच्छा' देशभक्ति से भरी कहानी है। इसमें कई पहलू हैं; हर किरदार और घटना के पीछे कई रहस्य छिपे हैं। कृतिका ने कहा, भले ही मेरा रोल ज्यादा लंबा न हो, लेकिन कहानी में मेरे किरदार का असर काफी बड़ा है, इसलिए मुझे अपने किरदार को लेकर पूरा विश्वास है कि वह दर्शकों के दिलों में उतरेगा। मैं खुद को इस सीरीज का जरूरी हिस्सा मानती हूं। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए किरदार की लंबाई नहीं, बल्कि उसका असरदार और मकसद होना ज्यादा जरूरी है। एक एक्टर के तौर पर मुझे वही रोल पसंद आते हैं जो कुछ मतलब रखते हों। मैं सच में चाहती हूं कि ये शो जल्दी लोगों तक पहुंचे, क्योंकि इसकी कहानी बहुत मजबूत और प्रेरणादायक है।इस सीरीज में कृतिका कामरा के अलावा, प्रतीक गांधी, रजत कपूर, सनी हिंदुजा, सुहैल नय्यर, तिलोत्तमा शोम और अनूप सोनी अहम रोल में हैं। इसकी कहानी 1970 के दशक के समय पर आधारित है, जिसमें जासूसी, बलिदान और देशभक्ति को दिखाया गया है। यह मिशन पर आधारित कहानी गौरव शुक्ला ने बनाई है और इसे बॉम्बे फेबल्स नाम की कंपनी ने प्रोड्यूस किया है।

पति-पत्नी के बीच लड़ाई आम बात, लेकिन रिश्ते में सच्चाई जरूरी: स्वरा भास्कर

ऐसे समय में जब मशहूर हस्तियों के ब्रेकअप और तलाक की खबरें अक्सर सुर्खियों में रहती हैं, अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने दावा किया है कि वह अपने पति फहद अहमद से कभी अलग नहीं होना चाहेंगी। जब स्वरा से पूछा गया, आप दोनों का आपस में झगड़ा हो जाए, तो आप एक दूसरे को छोड़ेंगे या माफ कर देंगे? इस सवाल का जवाब देते हुए स्वरा ने कहा, रिश्ते में लड़ाई होना आम बात है, लेकिन उसका मतलब अलग होना नहीं होता। वहीं, फहाद ने कहा, नहीं-नहीं, हमारे रिश्ते में 'छोड़ने' जैसा कुछ है ही नहीं। हमसे गलतियां होती हैं, तो हम एक-दूसरे से माफी मांग लेते हैं। हम दोनों ने कभी भी एक-दूसरे को छोड़ने के बारे में नहीं सोचा है।

अभिनेत्री ने कहा, कभी-कभी हम गुस्से में एक-दूसरे को ऐसी बातें कह देते हैं जिससे थोड़ा बुरा लगता है, लेकिन हमने कभी ऐसा कुछ नहीं किया जो इतना बुरा हो कि हमें एक-दूसरे को छोड़ने के बारे में सोचना पड़े।

स्वरा भास्कर ने कहा, मुझे लगता है कि अगर आप अपने पार्टनर के साथ खुलकर बात नहीं करते हैं, तो इसका मतलब है कि आपके रिश्ते में कुछ कमी है। रिश्ते में भरोसा बहुत जरूरी है। हम एक-दूसरे से कहते तो हैं कि हमें थोड़ी सी 'स्पेस' चाहिए, लेकिन सच में हम एक-दूसरे को स्पेस देते नहीं हैं।

इन दिनों स्वरा भास्कर और उनके पति फहाद अहमद रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' में नजर आ रहे हैं। इस शो में कई फेमस जोड़ियां भी हैं जो अपने जीवन के खट्टे मीठे पलों को साझा कर रही हैं।

शो की शुरुआत 2 अगस्त से हो चुकी है और इसे कलर्स टीवी पर प्रसारित किया गया। शो को अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे और कॉमेडियन मुनव्वर फारूकी होस्ट कर रहे हैं। इसमें आपको ड्रामा, फन, और रिश्तों के बीच की मजेदार झलक देखने को मिलेगी। इसमें कई मशहूर जोड़ियां शामिल हैं, जिनमें गुरमीत चौधरी-देबिना बनर्जी, रुबीना दिलैक-अभिनव शुक्ला, अविका गौर-मिलिंद चंदवानी, सुदेश लहरी-ममता लहरी, गीता फोगाट-पवन कुमार, और हिना खान-रॉकी जायसवाल हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज समय बहतर रहेगा कार्य सिद्धि होगी । कारोबार में वृद्धि होगी। आपके सम्मान में बढोतरी होगी। नए काम से लाभ होगा। शत्रु पक्ष से सावधान रहें। नए व्यक्ति से मुलाकात होगी। निवेश संबंधी प्रस्ताव मिलेंगे। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न लें। पारिवारिक जीवन खुशनुमा रहेगा। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। जोखिम वाले करने से बचें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा तरल भोजन करें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज गणेश जी को दूर्वा और सिन्दूर चढाए मनोवांछित फल मिलेगा। मित्रों के साथ घूमने के लिए जाएंगे। पूजा पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय में प्रगति होगी।परिवार का सहयोग मिलेगा। उधार की रकम वापस मिलेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिलेगी। आपके ज्यादातर कार्य काम पूरे होंगे। आप बेहद खुश रहेंगे। आर्थिक लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। उच्च पदस्थ व्यक्ति से लाभ होगा पदोन्नति संभव हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज ध्यान और प्राणायाम करें शरीर मे उर्जा रहेगी। आपको यात्रा पर जाना पड़ा सकता है। जोखिम ले सकते हैं। निवेश के अवसर आएंगे। आमदनी होगी। पारिवारिक कार्य सफल रहेंगे। बुजुर्गों का मार्गदर्शन मिलेगा। पारिवारिक कार्यक्रम हो सकते हैं। किसी रिश्तेदार से काफी समय बाद मुलाकात होने की संभावना है। कैरियर से जुड़े कार्य पूरे होंगे। बेरोजगारी दूर होगी ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज मनमुताबिक कार्य नही होंगे ।बहते पानी मे शक्कर बहादें। खर्च ज्यादा होने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। गैरजरूरी कार्यों में समय नष्ट करेंगे। किसी को उधार न दें। नुकसान की आशंका है। विवाद की स्थिति से दूर रहें। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। ऑफिस में किसी से बहस हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।गुस्सा करने से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

गणेश मंत्र का जप करें गाय को हरी सब्जी खिलाए । नई योजना बना सकते हैं। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। तनाव हो सकता है। शांत रहने का प्रयास करें। पुराने रूके हुए कार्य पूरे होंगे। उधार की रकम वापस मिल सकती है। सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। दफ्तर के सहयोगी से मतभेद दूर होंगे। लाभ के अवसर सामने आएंगे। व्यवसाय में प्रगति होगी। घर परिवार का माहौल ठीक रहेगा। यात्रा का योग बनेगा गुड का सेवन करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज धार्मिक ग्रन्थों का अवलोकन करें । आपको सत्संग का लाभ मिलेगा। पुराने काम पूरे हो सकते हैं। आध्यात्मिकता में रुचि बढ़ेगी। विशेषज्ञ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। अचानक किसी के साथ तनाव हो सकता है। क्रोध पर काबू रखें। आर्थिक स्थिति सुधरने की उम्मीद है। व्यवसाय में लाभ की संभावना है। विरोधियों से सावधान रहें। खानपान में सावधानी बरते शाम को दूध का सेवन करें ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपको बुजुर्गों का माता पिता का आशीर्वाद लेकर चलें । आज खुशखबरी मिलेगी। प्रसन्न रहेंगे। बड़ी जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। परिवार के लोगों से मुलाकात होगी। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। नए काम के लिए प्रयास कर सकते हैं। कैरियर से जुड़ी जानकारी मिलेगी। रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। धन लाभ होने की संभावना है। अनजान लोगों से मेलमिलाप न करें। यात्रा का बिल्कुल नही है सावधानी बरते।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन अनुकूल नही हैं शिवमंत्र का जप करें । तनावग्रस्त हो सकते हैं। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिल सकती है। संतान पक्ष की सफलता से प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। शारीरिक दिक्कत होने की आशंका है। हड़बड़ी में जरूरी फैसला न लें। शत्रुओं से हानि होगी। यात्रा कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। सावधानी से खर्च करें। चींटियों को आटा डालें कर्ज मुक्त होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन शानदार बनाना हैं तो ब्रह्म मुहूर्त मे निंद्रा त्याग कर ईश्वर का चिंतन करें । अपने मित्रों के साथ समय बिता सकते हैं। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त होगी। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। घरेलू जिम्मेदारी पूरी करेंगे। नया मकान खरीदने का प्लान बना सकते हैं। किसी कार्य में ज्यादा खर्च होगा। सावधानी से बातचीत करें। दाम्पत्यजीवन मे पूर्ण सहयोग रहेगा। रिश्तों मे मधुरता बढेगी।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन खुशहाल हैं तरक्की के रास्ते खुलेंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। ऑफिस में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। तरक्की की सूचना मिलेगी। अनजान लोगों की मदद करने से पहले सोच विचार कर लें। किसी की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। कारोबार अच्छा चलेगा। विवाद से बचें। ईश्वर की आराधना में मन लगेगा। नौकरी मिलने की पूरे योग हैं धन के रास्ते खुलेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप जो महनत करेंगे उसका परिणाम सौ प्रतिशत मिलेगा। आप काफी सकारात्मक रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। धन संबंधी स्थिति सुधरेगी। आपको खुशखबरी मिल सकती है। आपके स्वभाव से दूसरे प्रभावित रहेंगे। आपकी सराहना होगी। कुटिल लोगों से सतर्क रहें। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे।युवाओं को आज सफलता मिलेगी। कुंवारों का रिश्ता तय हो सकता है दुर्गा जी को लाल पुष्प चढाए कार्य सिद्ध होगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको विरोधी नुकसान पहुंचा सकते हैं सतर्कता बरतें । किसी के बहकावे में न आएं। आर्थिक नुकसान की आशंका है। आज आपकी वजह से कई लोगों को लाभ होगा। किसी रिश्तेदार के यहां से दुखद समाचार मिल सकता है। तनाव की स्थिति निर्मित हो सकती है। वाणी पर क्रोध पर नियंत्रण रखें। अपशब्दों का इस्तेमाल न करें व्यवहार खराब होगा संयमित रहें।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 अगस्त 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : श्रावण , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी दोपहर 02:29 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा दोपहर 02:02 तक
योग : विष्कुंभ प्रातः 06:42 तक
करण : तैतिल दोपहर 02:29 तक
चन्द्रराशि : धनु रात्रि 08:12 तक
सूर्योदय : 05:57 , सूर्यास्त 06:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:06 , सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:58, सूर्यास्त 06:37 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:49 , सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : चातुर्मास व्रती को श्रावण मास में हरी सब्जी खाना वर्जित है

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

डिजिटल मीडिया जर्नलिस्ट्स ऐसोसिएशन की मांगों पर विचार करेगी सरकार : सैनी

चंडीगढ़, 06 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज हरियाणा निवास, चंडीगढ़ में प्रदेशभर से आए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स (फेसबुक व यूट्यूब) के न्यूज चैनलों के प्रतिनिधियों के साथ जनसंवाद किया। इस अवसर पर डिजिटल मीडिया जर्नलिस्ट एसोसिएशन, हरियाणा के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री का पुष्प गुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

पत्रकारों से संवाद के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि सोशल मीडिया आज एक शक्तिशाली माध्यम बन चुका है, जिसकी हर सूचना समाज और व्यक्ति पर गहरा प्रभाव छोड़ती है। उन्होंने सोशल मीडिया न्यूज चैनलों के पत्रकारों से आह्वान किया कि वे तथ्यों पर आधारित ग्राउंड रिपोर्टिंग को प्राथमिकता दें ताकि जनविश्वास बना रहे। सैनी ने यह भी बताया कि वे स्वयं समय निकालकर सोशल मीडिया देखते हैं और कई बार वहीं से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर त्वरित कार्रवाई के निर्देश भी देते हैं।

उन्होंने सोशल मीडिया को समाज सुधार का सशक्त माध्यम बताते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे जनहित अभियानों को आगे बढ़ाने में सोशल मीडिया की अहम भूमिका हो सकती है। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से नशा मुक्त हरियाणा, पर्यावरण संरक्षण, तथा स्वच्छता अभियान जैसी पहलों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन अभियानों की पहुंच हर घर तक सुनिश्चित करने में सोशल मीडिया न्यूज चैनलों के प्रतिनिधियों को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन को गति मिलेगी। डिजिटल मीडिया जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा रखी गई विभिन्न मांगों पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि उनकी फिजिबिलिटी का मूल्यांकन कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा, हम आपके साथ हैं और हरसंभव सहयोग प्रदान करेंगे।

इस अवसर पर सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक के. एम. पांडुरंग ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद न्यूज चैनलों के लिए 'हरियाणा डिजिटल मीडिया विज्ञापन नीति–2023' बनाई गई है, जिसके तहत इन चैनलों को इंपैनल किया जाता है और विज्ञापन जारी किए जाते हैं। उन्होंने आग्रह किया कि सोशल मीडिया न्यूज चैनलों के प्रतिनिधि फेक्ट बेस्ड रिपोर्टिंग को प्राथमिकता दें और फेक न्यूज को फैलाने से बचें। इस मौके पर मुख्यमंत्री के मीडिया एडवाइजर राजीव जेटली, सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन) योगेश मेहता सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे।

हरियाणा, पंजाब के मुख्यमंत्रियों के बीच पिछली बैठक से एक कदम आगे बढकर सकारात्मक माहौल में हुई चर्चा : नायब सिंह

चंडीगढ़, 06 अगस्त (एजेंसियां)।

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी आर पाटिल की अध्यक्षता में आज श्रम शक्ति भवन नई दिल्ली में हरियाणा एवं पंजाब के मुख्यमंत्रियों के साथ पानी के मुद्दे को लेकर सौहार्दपूर्ण माहौल में बातचीत हुई।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि यह काफी लम्बे से चला आ रहा विषय है। इसको लेकर 9 जुलाई को भी बैठक आयोजित हुई थी जिसमें काफी सकारात्मक चर्चा हुई। इस बार भी एक कदम आगे बढ़कर सकारात्मक वातावरण में चर्चा हुई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 13 अगस्त को सर्वोच्च न्यायालय में पोजिटिव तरीके से जवाब दिया जाएगा। हमें पूरा विश्वास है कि इस विषय का बेहतर हल निकलेगा। एक अन्य प्रश्न के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि इण्डस ट्रीटी सैकेण्डरी विषय है जिसमें राजस्थान को भी पानी मिलेगा।बैठक में केन्द्रीय सचिव देबाश्री मुखर्जी, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रधान सचिव राजेश खुल्लर, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल सहित सिंचाई विभाग के कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से की शिष्टाचार भेंट

चंडीगढ़, 06 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस मुलाकात के दौरान हरियाणा के वर्तमान विकास कार्यों, कल्याणकारी योजनाओं और भावी परियोजनाओं को लेकर विस्तारपूर्वक चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को राज्य की विकास यात्रा की प्रगति से अवगत करवाया कि केंद्र सरकार की नीतियों एवं सहयोग से हरियाणा अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 'डबल इंजन' की सरकार के रूप में हरियाणा निरंतर आगे बढ़ रहा है और राज्य के नागरिकों को शिक्षा, स्वास्थ्य, अधोसंरचना, कृषि, उद्योग और सामाजिक कल्याण जैसे क्षेत्रों में लाभ प्राप्त हो रहा है।

नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री को राज्य में चल रही कुछ प्रमुख योजनाओं व कार्यक्रमों के संदर्भ में जानकारी साझा की तथा राज्य सरकार की भावी प्राथमिकताओं से भी अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना को केंद्र में रखते हुए राज्य के हर वर्ग के समावेशी विकास के लिए कार्य कर रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से राज्य हित के विभिन्न विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया तथा इन क्षेत्रों में केंद्र सरकार के सहयोग को लेकर धन्यवाद भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप जनसेवा व सुशासन के लिए सतत प्रयासरत है। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में हरियाणा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत के साथ विकसित हरियाणा की ओर तीव्र गति से प्रगति की दिशा में अग्रसर होगा। हरियाणा सरकार केंद्र सरकार के सहयोग से 'डबल इंजन सरकार' की भावना से राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रैकिंग सिस्टम तहत एक ऐप भी बनाई जाएगी : अनिल विज

चण्डीगढ, 06 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के परिवहन मंत्री अनिल विज ने कहा कि आने वाली 15 अगस्त तक बसों की ट्रैकिंग सिस्टम प्रणाली को लागू कर दिया जाएगा। इस संबंध में एक ऐप भी बनाई जाएगी जिसके माध्यम से कोई भी यात्री यह देख सकें कि उसकी बस कितने बजे आ रही है। इसके अलावा, रोडवेज में उपकरणों/सामान का डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाएगा।

उन्होंने कहा कि मैंने मंत्री बनते ही आदेश दिए थे कि हरियाणा की सारी बसों में ट्रैकिंग सिस्टम लगाया जाए। उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट की तर्ज पर बस अड्डों पर भी बसों के आने–जाने की स्थिति के बारे में जानकारी उपलब्ध करवाने के लिए स्क्रीनें लगाने के निर्देश भी दिए हैं। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि हाई पावर परचेज कमेटी में रोडवेज के उपकरणों को खरीदने के लिए प्रस्ताव भेजा जा चुका है और जल्द ही यह उपकरण व सामान आ जाएगा। इस संबंध में उनके द्वारा विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सामान का डिजिटल डाटा रखा जाए कि किस गाड़ी में कब टायर डाला गया, कितने किलोमीटर गाड़ी चली और कब उस गाडी का टायर खराब हुआ है।

हर घर तिरंगा अभियान जन–जन से जुड़ चुका है : अरविंद सैनी

चंडीगढ़, 06 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी बुधवार से विभाजन विभीषिका को त्रासदी के रूप में मनाने का अभियान प्रदेश में शुरू करेगी। इस अभियान के तहत 6 अगस्त से 8 अगस्त जिला स्तर पर विभाजन विभीषिका स्मृति कार्यक्रम होंगे साथ ही संगोष्ठियां और पाकिस्तान से आए पीड़ित परिवारों का सम्मान भी किया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा व प्रदेश महामंत्रियों के अलावा सांसद, विधायक व तमाम नेता अलग–अलग कार्यक्रमों में शामिल होंगे।

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने कहा कि विभाजन विभीषिका देश की सबसे बड़ी त्रासदी थी। देश के बंटवारे के दौरान नफरत और हिंसा की वजह से लाखों लोगों ने संघर्ष किया और बलिदान दिया। उन्हीं की याद में विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस' मनाया जा रहा है। अरविंद सैनी ने कहा कि विभाजन विभीषिका को लेकर होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार हो चुकी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने 6 अगस्त से 14 अगस्त तक प्रदेशभर में चलाए जाने वाले विशेष अभियानों को लेकर कार्यक्रमों की जिम्मेदारियां तय कर दी है। उन्होंने कहा कि 14 अगस्त को फरीदाबाद में विभाजन विभीषिका पर प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम होगा जिसमें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे। 14 अगस्त को ही सायं प्रदेश के सभी जिलों में मौन पदयात्राएं भी निकाली जाएगी। आगे के कार्यक्रमों के बारे में बताते हुए अरविंद सैनी ने कहा कि हरियाणा में 377 मंडल हैं। हर घर तिरंगा अभियान के तहत 10 अगस्त से 13 अगस्त तक मंडलों में भव्य तिरंगा यात्राएं निकाली जाएगी। महापुरूषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण व स्वच्छता अभियान चलेगा। अरविंद सैनी ने कहा कि पीएम मोदी द्वारा हर घर तिरंगा अभियान की जो पहल की गई थी, उसने देशवासियों को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान आज जन–जन से जुड़ चुका है।

भारत में खनिज अन्वेषण के लिए उन्नत इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तकनीक अपनाने वाली पहली कंपनी

उदयपुर, 06 अगस्त (एजेंसियां)। हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी हिन्दमेटल एक्सप्लोरेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड ने खनिज अन्वेषण के क्षेत्र में एक नई मिसाल कायम की है। कंपनी ने उन्नत इलेक्ट्रोमैग्नेटिक तकनीक को लागू कर भारत में इस तकनीक के उपयोग की शुरुआत की है। यह तकनीक जमीन के भीतर खनिजों का पता लगाने के लिए दो प्रमुख तरीकों का इस्तेमाल करती है – बोरहोल ईएम और स्क्विड सेंसर। बोरहोल ईएम सल्फाइड जमा जैसे प्रवाहकीय अयस्क पिंडों की आकृति और चालकता की उच्च–रिज़ॉल्यूशन जानकारी प्रदान करता है, जबकि सतह पर लगाए जाने वाले स्क्विड सेंसर बेहद कमजोर विद्युत–चुंबकीय संकेतों को भी पकड़ने में सक्षम हैं। इससे कम चालकता वाले या गहराई में दबे खनिज लक्ष्यों की पहचान करना आसान हो जाता है।

एचईएसपीएल इस तकनीक के साथ–साथ लिडार और हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग से लैस ड्रोन का भी इस्तेमाल कर रही है, जो बड़े क्षेत्रों का उच्च–रिज़ॉल्यूशन नक्शा तैयार करने में मदद करते हैं। कंपनी ज्ञात खनन क्षेत्रों के साथ–साथ ग्रीनफील्ड अन्वेषण पर भी ध्यान केंद्रित कर रही है, ताकि नए खनिज क्षेत्रों की पहचान की जा सके।

देव, शास्त्र गुरु, धर्म, मंदिर, क्षेत्र की रक्षा शक्ति अनुसार अनुशासित रहकर धार्मिक कार्य करें : वर्धमान सागर

टोंक, 06 अगस्त (एजेंसियां)। धर्मसभा में आरोग्य निरोगी रहने के उपाय, रोग किन कर्म से होते हैं? स्वाध्याय का क्या महत्व होता है,? स्वाधीनता कैसी होनी चाहिए,? पर्यावरण का, अनुशासन का जीवन में क्या महत्व है? इसकी विस्तृत विवेचना में पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि आचार्य वर्धमानसागर ने उपदेश में कर बताया कि ऐश्वर्य, धन सभी प्राप्त करना चाहते हैं इसके बिना आपको लौकिक जीवन बेकार लगता है,जिस प्रकार धन का उपयोग लौकिक कार्यों में आप करते हैं, धन का धार्मिक कार्यों में सदुपयोग करना चाहिए। आपने आरोग्यता अर्थात स्वस्थ निरोगी शरीर को भी धन निरूपित किया। राजेश पंचोलिया के अनुसार आचार्य ने आगे प्रवचन में बताया कि दूषित खानपान दिनचर्या के कारण आपका शरीर रोगी होता है, इसलिए दिनचर्या ठीक रहना चाहिए कषाय और इंद्रिय विषय भोग के कारण शरीर, आत्मा मन खराब होकर रोगी है, इससे आरोग्यता नष्ट होती है। इन कषाय और इंद्रीय विषय भोगों से आत्मा की रक्षा करना चाहिए। आचार्य ने विद्वत्ता ज्ञान को वास्तविक धन निरूपित किया इसके बिना व्यक्ति निर्धन है, सभी को सज्जनों के साथ मित्रता करना चाहिए मित्रता को भी एक धन बताया मित्रता के बिना आरोग्यता और विद्वता ज्ञान भी नष्ट हो जाता है। आप सभी ने भगवान, तीर्थंकरों, महापुरुषों के महान कुल में जन्म लिया है, इसलिए जैन कुल में सभी को शास्त्रों का अध्ययन स्वाध्याय करना चाहिए।

सीएम भजनलाल की भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति

9 पुलिस निरीक्षकों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति प्रदान कर राज्य सेवा से किया बाहर

जयपुर, 06 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को संवेदनशील, भ्रष्टाचार मुक्त और पारदर्शी सुशासन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने राज्य सेवा के अधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही, अभियोजन स्वीकृति एवं 17–ए के विचाराधीन 37 प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 55 अधिकारियों के जांच प्रकरणों में कार्यवाही की है।

शर्मा ने राज्य कर्मचारियों की अक्षमता, अकर्मण्यता तथा असंतोषजनक कार्य निष्पादन के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए गृह विभाग के 9 पुलिस निरीक्षकों को अनिवार्य सेवानिवृत्ति प्रदान कर राज्य सेवा से बाहर किया है। उन्होंने कार्मिकों की कार्य–शैली, कार्य–दक्षता, सत्यनिष्ठा, विभागीय जांच कार्यवाही एवं कार्य मूल्यांकन प्रतिवेदन आदि की विभिन्न स्तर पर स्क्रीनिंग करते हुए 9 कार्मिकों के प्रकरणों का उच्च स्तरीय समिति से परीक्षण करवाकर अनिवार्य सेवानिवृत्ति की कार्यवाही की है।

मुख्यमंत्री ने नियम विरूद्ध भू–आवंटन के एक गंभीर प्रकरण में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी के विरूद्ध अखिल भारतीय सेवाएं (अनुशासन एवं अपील) नियम 1969, के नियम 8 के तहत कार्यवाही प्रारम्भ किए जाने का अनुमोदन किया है। उन्होंने लंबित प्रकरणों का निस्तारण करते हुए 6 अधिकारियों के विरूद्ध अभियोजन चलाने की मंजूरी तथा राजस्थान प्रशासनिक एवं लेखा सेवा के 2 अधिकारियों के विरूद्ध भ्रष्टाचार निवारण (संषोधन) अधिनियम 2018 की धारा 17–ए में विस्तृत जांच एवं अनुसंधान करने की अनुमति भी प्रदान की।

शर्मा ने सेवारत 13 अधिकारियों के विरूद्ध सीसीए नियम–16 के तहत विभागीय जांच कार्यवाही में वार्षिक वेतन वृद्धियां संचयी/असंचयी प्रभाव से रोकने का निर्णय लिया है। उन्होंने सेवानिवृत्त अधिकारियों के पुराने प्रकरणों का निस्तारण करते हुए पेंशन नियमों के तहत 5 अधिकारियों की पेंशन रोके जाने का निर्णय किया, इनमें से एक अधिकारी के विरूद्ध भ्रष्टाचार प्रकरण में दोष सिद्धि होने से शत प्रतिशत पेंशन रोकने की सख्त शास्ति अधिरोपित की गई है। साथ ही, सेवानिवृत्त अधिकारियों के विरूद्ध संचालित 9 प्रकरणों में 14 अधिकारियों पर प्रमाणित आरोपों के जांच निष्कर्ष का अनुमोदन भी किया। मुख्यमंत्री ने सीसीए नियम–34 के तहत एक अधिकारी द्वारा प्रस्तुत पुनर्विलोकन याचिका को निरस्त करते हुए दण्ड को यथावत रखा तथा सेवारत अधिकारियों के 3 प्रकरणों में सीसीए नियम–23 के तहत अपील स्वीकार करने एवं 2 अधिकारियों के विरूद्ध अपील आंशिक स्वीकार करने का निर्णय लिया।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

एनटीपीसी निर्माण कार्य में बाधा व रंगदारी के मामले में कहलगांव विधायक की मुश्किलें बढ़ी

19 अन्य पर आरोप तय

भागलपुर (एजेंसियां)।

भागलपुर के कहलगांव के भाजपा विधायक पवन कुमार यादव की मुश्किलें एक बार फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। नौ साल पुराने एक मामले में भागलपुर स्थित विशेष एमपी/एमएलए कोर्ट (एसीजेएम प्रथम) ने मंगलवार को विधायक और उनके 19 समर्थकों पर आरोप तय कर दिए हैं। मामला एनटीपीसी कहलगांव परिसर में निर्माण कार्य में बाधा डालने और रंगदारी के आरोपों से जुड़ा हुआ है, जिसे लेकर अब विधायक सहित सभी आरोपियों को न्यायालय के फैसले का इंतजार है।

जानकारी के मुताबिक, यह मामला सात अप्रैल 2016 का है, जब एनटीपीसी के तत्कालीन महाप्रबंधक ने कहलगांव थाना में शिकायत दर्ज कराई थी। आरोप था कि एनटीपीसी द्वारा जल निकासी के लिए बनाए जा रहे नाले के निर्माण का विधायक पवन यादव और उनके समर्थकों ने विरोध किया। ऐसा कहा गया कि नाले के निर्माण का ठेका विधायक को नहीं मिलने से वह नाराज थे। इसी कारण उन्होंने निर्माण कार्य रुकवा दिया। इस दौरान रंगदारी मांगने और सरकारी काम में बाधा डालने जैसे गंभीर आरोप भी लगाए गए थे।

विशेष एमपी/एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश धर्मेंद्र कुमार पांडेय की अदालत ने विधायक समेत कुल 20 आरोपियों के खिलाफ आरोप गठित किए। मंगलवार को हुई सुनवाई में सभी आरोपी कोर्ट में उपस्थित रहे। अब अगली सुनवाई की तारीख पर अदालत का फैसला आना बाकी है। राजनीतिक रूप से सक्रिय कहलगांव विधायक के लिए यह मामला आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर परेशानी बढ़ा सकता है।

विधायक के साथ जिन 19 समर्थकों पर आरोप तय हुए हैं, उनमें मोनिका देवी, गिरीश मंडल, मिथिलेश मंडल, पूनम देवी, ज्योति देवी, प्रभु मंडल, विरेंद्र मंडल उर्फ फुरना मंडल, सुधीर मंडल, बबलू मंडल, बालकृष्ण मंडल, राम शरण मंडल, राजेंद्र मंडल, मनबोध मंडल, अवध किशोर मंडल, जयकांत मंडल, उधो उर्फ शंभू मंडल, सुरेंद्र मंडल, सावित्री देवी और सनातन मंडल शामिल हैं।

इसी केस की सुनवाई में शामिल होने के लिए जब विधायक मंगलवार को कहलगांव से भागलपुर जा रहे थे, तो उन्हें कहलगांव-घोघा रोड पर भारी ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा। उनकी कार जाम में फंस गई और समय पर कोर्ट पहुंचने के लिए उन्होंने एक बाइक सवार से लिफ्ट ले ली। इस दौरान विधायक ट्रिपल लोडिंग में बाइक पर बैठे नजर आए और तीनों में से किसी ने हेलमेट नहीं पहन रखा था, जो कि परिवहन नियमों का खुला उल्लंघन है।

बाइक पर बैठकर जा रहे विधायक से रास्ते में युवाओं ने एनएच-80 की जर्जर हालत पर जवाब भी मांगा। इस पर विधायक ने कहा कि निर्माण एजेंसी को बार-बार कहा गया है कि समय पर पुल-पुलिया और सड़क निर्माण पूरा किया जाए, लेकिन संवेदक लापरवाही बरत रहे हैं और सुनवाई नहीं कर रहे हैं।

ओवैसी की पार्टी के जिलाध्यक्ष समेत तीन पर गबन और अवैध व्यापार करने का आरोप

सारी संपत्तियां होंगी जब्त

पटना (एजेंसियां)।

सांसद असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिममीन (एआईएमआईएम) के जिलाध्यक्ष रहीमुद्दीन उर्फ हैबर (53) पर अवैध व्यापार और गबन का आरोप लगा है। अब पुलिस ने तीनों की संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एआईएमआईएम के जिलाध्यक्ष रहीमुद्दीन उर्फ हैबर पर ठाकुरगंज थाना में कांड संख्या 188/14 के तहत धारा 406/409/34 के अंतर्गत मामला दर्ज है। वह धुमगढ़ का निवासी है और वर्तमान में श्याम बिहार, वार्ड नंबर 2, नगर पंचायत ठाकुरगंज में रहता है।

दूसरे आरोपी मोहम्मद कुर्बान (50 वर्ष) और तीसरे आरोपी चाँद हुसैन उर्फ चाँद (35 वर्ष) पर बहादुरगंज थाना में कांड संख्या 255/24 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज है। इनमें भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराएं, अनैतिक देह व्यापार निवारण अधिनियम और पॉक्सो एक्ट शामिल हैं। किशनगंज पुलिस ने गबन और अवैध व्यापार से अर्जित संपत्तियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने बीएनएसएस की धारा-107 के तहत तीन आरोपियों की चल-अचल संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया आरंभ की है।

पुलिस के अनुसार, रहीमुद्दीन उर्फ हैबर पर ठाकुरगंज थाना में छह अलग-अलग मामले दर्ज हैं। चांद हुसैन उर्फ चांद पर महिला थाना और बहादुरगंज थाना में कुल चार मामले दर्ज हैं। इनमें अनैतिक देह व्यापार और पॉक्सो अधिनियम के तहत गंभीर आरोप शामिल हैं। मोहम्मद कुर्बान पर महिला थाना और बहादुरगंज थाना में दो मामले दर्ज हैं।

परिवहन विभाग के चार कर्मी डकार गए दो करोड़ 30 लाख रुपये

विभागीय ऑडिट में टैक्स चोरी की खुली पोल

पटना (एजेंसियां)।

रोहतास जिले के परिवहन विभाग में वित्तीय अनियमितता का एक बड़ा मामला सामने आया है। विभागीय ऑडिट में लगभग 2 करोड़ 30 लाख रुपए के गबन की बात सामने आई है, इसके बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है। फिलहाल मामले में प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई हैं। बताया जा रहा है कि जिला परिवहन विभाग में वित्तीय अनियमितता का खुलासा तब हुआ जब वर्ष 2021 से लेकर वर्ष 2025 के वित्तीय वर्ष की ऑडिट हुई। इस ऑडिट में बात सामने आई कि परिवहन विभाग के चार कर्मियों ने मिलकर टैक्स के लगभग दो करोड़ 30 लाख रुपए सरकार के खाते में जमा ही नहीं किये।

रोहतास जिले के जिला परिवहन पदाधिकारी रामबाबू ने परिवहन विभाग के चार कर्मियों पर वित्तीय अनियमितता को लेकर प्राथमिकी दर्ज कराई है। डीटीओ रामबाबू ने बताया कि परिवहन विभाग में कार्यरत अजय कुमार सिंह तथा अक्षय कुमार द्वारा मोटर व्हीकल टैक्स के लगभग एक करोड़ 75 लाख रुपए बैंक में जमा नहीं कराए गए। इसके अलावा प्रोग्रामर अनिल कुमार तथा डाटा एंट्री ऑपरेटर अनिल कुमार ने भी मिलकर ई-चलान का लगभग 55 लाख रुपया बैंक में नहीं जमा किया है। उन्होंने कहा कि आम लोगों से वसूले गए राशि को सरकार के खाते में नहीं जमा करना एक बड़ा वित्तीय अनियमितता है। इसके खिलाफ नगर थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।

वहीं सासाराम नगर थाना में डीटीओ रामबाबू द्वारा केस दर्ज कराने के बाद पुलिस ने अपनी जांच शुरू कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए मंगलवार को अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी वन दिलीप कुमार डीटीओ कार्यालय पहुंचे और कई कर्मियों से लंबी पूछताछ भी की।

कटिहार में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी से हड़कंप हिंदू परिवार के पते पर जुड़े मुस्लिम नाम

कटिहार (एजेंसियां)।

कटिहार जिले में मतदाता गहन विशेष पुनरीक्षण के बाद वोटर लिस्ट में सामने आई गंभीर गड़बड़ी ने न केवल प्रशासन को सकते में डाल दिया है, बल्कि स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों के बीच आक्रोश की लहर दौड़ गई है। मामला नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 44 स्थित तीनगछिया मोहल्ले का है। जहां एक ही बूथ पर दो अलग-अलग हिंदू परिवारों के पते पर मुस्लिम नाम जोड़े जाने से विवाद खड़ा हो गया है।

गड़बड़ी का पहला मामला बाजार समिति मतदान केंद्र के बूथ संख्या 280 के हाउस नंबर 118 का है।

इस पते पर राजकुमार लाल श्रीवास्तव अपने परिवार के साथ रहते हैं। वोटर लिस्ट में उनके परिवार के कुल आठ मतदाता दर्ज हैं, लेकिन छोटे बेटे का नाम किसी अन्य पते पर दर्ज कर दिया गया है। हैरत की बात यह है कि उसी हाउस नंबर 118 पर 'सैयद वसीम अकरम' नामक मुस्लिम मतदाता का नाम जोड़ दिया गया, जबकि यह व्यक्ति उस पते पर रहता ही नहीं है।

दूसरा मामला हाउस नंबर 173 से जुड़ा है, जहां मंटू ऋषि और उनकी पत्नी मुन्नी देवी निवास करते हैं। इस पते से केवल दो मतदाता होने चाहिए, लेकिन मुन्नी देवी का नाम वोटर लिस्ट से गायब है। इसके स्थान पर 'सैयद अख्तर आलम' और 'फरीदा खातून' जैसे मुस्लिम नाम जोड़ दिए गए हैं। यह गड़बड़ी स्थानीय लोगों के लिए चौंकाने वाली है और मतदाता पुनरीक्षण की पारदर्शिता पर सवाल खड़े कर रही है।

एक ही बूथ संख्या पर दो ऐसे मामलों के सामने आने के बाद इलाके में गंभीर चर्चा शुरू हो गई है। स्थानीय लोग आशंका जता रहे हैं कि यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि किसी गहरी साजिश का हिस्सा हो सकती है। वहीं जनप्रतिनिधि भी नाराजगी जता रहे हैं और चुनाव प्रणाली की विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहे हैं।

कटिहार के जिलाधिकारी मनेष कुमार मीणा ने इस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच का आदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि अगर किसी को वोटर लिस्ट में गड़बड़ी का संदेह है, तो वह संबंधित बीएलओ से संपर्क करें।

जिलाधिकारी ने यह भी भरोसा दिलाया कि जिन पतों पर अनाधिकृत नाम जुड़े हैं, उनकी गहनता से जांच की जाएगी और गलतियों को सुधारने की प्रक्रिया तुरंत शुरू की जाएगी।

बेगूसराय में गंगा उफनाई, बाढ़ के पानी में डूबे दर्जनों गांव और स्कूल

चचरी नाव के सहारे लोग आवागमन को मजबूर

बेगूसराय (एजेंसियां)।

बिहार के बेगूसराय में गंगा नदी के बढ़े हुए जलस्तर से दक्षिणी भाग जलमग्न होने के कगार पर पहुंच गया है। बछवाड़ा, तेघरा, बलिया, शामहो और साहेबपुरकमाल प्रखंड के कई गांव और स्कूल में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। इससे आम लोगों की परेशानी काफी बढ़ गई है। हालांकि, अभी तक जिला प्रशासन की ओर से किसी तरह की कोई व्यवस्था नहीं की गई है, जिससे लोगों को काफी फजीहत हो रही है। बाढ़ पीड़ितों के बीच से आई तस्वीर भयावह है। इसमें गांव और घरों में पानी प्रवेश कर गया है।

जिले के तेघरा प्रखंड, शामहो प्रखंड, बछवारा प्रखंड, मटिहानी प्रखंड, बलिया प्रखंड और साहेबपुर कमाल प्रखंड गंगा किनारे बसा है। इस वजह से कई प्रखंडों के कई गांव में बाढ़ का पानी प्रवेश चुका है। तेघरा प्रखंड के रातगांव पंचायत के वार्ड नंबर 13 और 14 में पूरी तरह से गंगा का पानी प्रवेश कर गया। जहां जुगाड़ के चचरी के नाव से आ जा रहें हैं, सड़कों पर कमर भर से ज्यादा पानी लगा हुआ है। लोग कमर भर पानी में आने जाने को मजबूर हैं।

दूसरी ओर बलिया प्रखंड के शिवनगर गांव में गंगा का पानी प्रवेश कर गया। गांव जिला प्रशासन की ओर से कोई व्यवस्था नहींके सड़कों पर जहां कमर पर पानी है। वहीं गांव के घरों में भी पानी प्रवेश कर गया है। इससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि लगातार दो-तीन दिनों से गंगा का जलस्तर बढने से गांव में पानी प्रवेश कर गया। लोगों का कहना है कि अभी तक जिला प्रशासन की ओर से कोई व्यवस्था नहीं हुई है। लोगों ने जल्द से जल्द राशन और जानवर के चारे की व्यवस्था के साथ-साथ नाव की भी मांग की है। ताकि लोगों को इस परेशानी में थोड़ी भी मदद मिल सके।

चहारदीवारी गिरने से पांच मासूम घायल, एक की हालत नाजुक

शिवहर (एजेंसियां)।

शिवहर जिले के पिपराही थाना क्षेत्र अंतर्गत मेसौढ़ा गांव में बुधवार की दोपहर एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें चहारदीवारी गिरने से पांच मासूम बच्चे घायल हो गए। हादसे के बाद पूरे गांव में अफरातफरी का माहौल बन गया। घायलों में एक बच्चे की स्थिति गंभीर होने के कारण उसे सीतामढ़ी सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

घटना के बारे में बताया गया कि गांव के निवासी केश्वर साह द्वारा एक नए मकान के निर्माण के लिए चहारदीवारी बनाई गई थी, जिसे अधूरा छोड़ दिया गया था। बुधवार की दोपहर अचानक एक बंदर घर के कैंपस में घुस आया। उसे देखने के लिए गांव के कई छोटे बच्चे और किशोर जमा हो गए। कुछ किशोर चहारदीवारी पर चढ़कर बंदर को देखने लगे। तभी अस्थायी और कमजोर दीवार अचानक सड़क की ओर गिर गई, जिसकी चपेट में पास में खड़े पांच मासूम बच्चे आ गए।

घायलों की पहचान अदिति कुमारी (4) पिता रोशन कुमार, अनुराधा कुमारी (5) पिता गंगा पासवान, शिवानी कुमारी (5) पिता जयप्रकाश कुमार, ऋषभ कुमार (4) और मोहम्मद आरिफ (4) पिता नदीम अंसारी के रूप में की गई है। इनमें से मोहम्मद आरिफ की स्थिति गंभीर बताई जा रही है और उसे बेहतर इलाज के लिए सीतामढ़ी रेफर किया गया है।

हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। गांववाले दौड़कर मौके पर पहुंचे और तुरंत बच्चों को मलबे से बाहर निकाला। आसपास के लोग, महिलाएं और बुजुर्ग मंदिर की ओर भागते हुए पहुंचे। कुछ ही देर में भारी भीड़ इकट्ठा हो गई।

भाजपा नेता रामबाबू गुप्ता ने घायलों को फौरन सरोजा सीताराम सदर अस्पताल में पहुंचाने में मदद की। वहां सभी घायलों का इलाज जारी है। मौके पर पहुंचे लोगों ने अस्पताल प्रशासन से तुरंत इलाज शुरू करने की अपील की और स्थानीय प्रशासन से निर्माण कार्य में लापरवाही की जांच की मांग की।

पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़, गोली लगने से एक घायल

बड़ी घटना को देने वाले थे अंजाम

सारण (एजेंसियां)।

सारण का आतंक कहे जाने वाले जिले के उतरी क्षेत्र तरैया के सगुनी दियारा में मंगलवार की देर संध्या को उस वक्त सनसनी फैल गई, जब सारण पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हो गई। इस संबंध में सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ कुमार आशीष ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि तरैया थाना क्षेत्र के सगुनी दियारा में अपराधियों का एक समूह किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के उद्देश्य से एकत्रित हुए हैं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सारण पुलिस और एसटीफ की टीम ने जब छापेमारी के लिए पहुंची, तो पुलिस को देखकर अपराधियों ने पुलिस पर फायरिंग करनी शुरू कर दी। हालांकि पुलिस ने भी अपनी आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग करते हुए गोली चलाई। इस फायरिंग में एक शातिर गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस के जवाबी कार्रवाई के बाद कई अपराधी मौके से फरार हो गए, लेकिन जिस अपराधी के पैर में गोली लगी थी उसे पुलिस ने खदेड़कर पकड़ लिया। अब घायलावस्था में उसे तरैया रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घायल अपराधी की पहचान सारण जिले के पानापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत रामदासपुर मोरिया गांव निवासी रंधीर कुमार उर्फ भुअर के रूप में हुई है। रंधीर पर पहले से ही दर्जनों आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिस कारण उसका नाम वांछित अपराधियों की सूची में शामिल था। अपराधी के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर स्पीडी ट्रायल के माध्यम से सजा दिलाई जाएगी। मुठभेड़ की जानकारी मिलने पर एसएसपी डॉ कुमार आशीष के साथ ग्रामीण एसपी संजय कुमार, मढ़ौरा-2 के एसडीपीओ अमरनाथ, पुलिस निरीक्षक मनीष कुमार साहा, तरैया के थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह सहित कई अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच घटना स्थल की जांच की है। पुलिस ने मौके से एक लोडेड देसी पिस्टल भी बरामद किया है। पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में शामिल तरैया थाने के थानाध्यक्ष आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस की अपराधियों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जिसके बाद आत्मरक्षा में पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की है। जिसमें एक अपराधी घायल हुआ है।

रेफरल अस्पताल तरैया में प्राथमिक उपचार कर रहे चिकित्सक डॉ सुमित कुमार ने बताया कि घायल व्यक्ति के दाहिने पैर में गोली लगी थी, जो आर-पार हो गई है। डॉक्टर का कहना है कि गोली हड्डी में टच नहीं किया है। फिलहाल उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। पुलिस अब घायल अपराधी से पूछताछ कर उसके अन्य साथियों और हथियारों की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। इस मुठभेड़ में शामिल अन्य अपराधी मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश में पुलिस ने इलाके में सघन तलाशी अभियान शुरू कर दी गई है। सूत्रों का कहना है कि सारण तटबंध के दियारा क्षेत्र जो मुजफ्फरपुर जिले के गंडक नदी के पारू थाना क्षेत्र से भी जुड़ा हुआ है, जिसमें काफी लंबे समय से अपराधियों का सुरक्षित पनाहगाह बन चुका है। पुलिस अब इस इलाके में विशेष अभियान चलाकर अपराधियों की कमर तोड़ने की रणनीति पर काम कर रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com